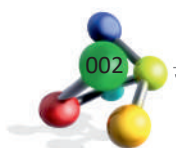




SCOOPTRAM
ST 2.5

विषय सूची

	पृष्ठ संख्या
1. निदेशक मंडल	03
2. कार्यकारी	04
3. अध्यक्ष के डेस्क से...	05
4. निदेशकों का रिपोर्ट	07
5. निदेशकों की रिपोर्ट का अनुबंध-I	17
6. शेयरधारकों को निदेशकों की रिपोर्ट का अनुबंध-II	19
7. लेखा विश्लेषण	
(i) प्रमुख आंकड़े	26
(ii) कंपनी का वित्तीय स्थिति	27
(iii) कंपनी की आय और व्यय का विवरण	28
8. पाई एवं बार चार्ट	
(i) आय का वर्गीकरण	29
(ii) व्यय का विवरण	29
(iii) आय में वृद्धि	30
(iv) निवल मालियत (नेटवर्थ) में	30
(v) सकल तथा शुद्ध परिसम्पति	31
(vi) नियोजित पूँजी	31
9. स्वतंत्र लेखा परीक्षकों का प्रतिवेदन	39
10. निगम के लेखों पर नियंत्रक एवं भारत के महालेखा परीक्षक की टिप्पणी	46
11. 31 मार्च, 2023 तक तुलन-पत्र	48
12. 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ और हानि विवरणी	49
13. 31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए इक्विटी में परिवर्तन का विवरण	50
14. 31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा पर टिप्पणियां	51
15. वित्तीय विवरण पर टिप्पणियां	60
16. लेखा पर अतिरिक्त टिप्पणियां	84
17. पच्चीस वर्ष का सार-संग्रह	90
18. नकदी प्रवाह विवरणी	92



निदेशक मंडल

डॉ. सी के असनानी

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

श्री राजेश कुमार

निदेशक (तकनीकी)

श्री सुखदेव सिंह (भा.प्र.से) (27-5-2020 से)

मुख्य सचिव, झारखंड सरकार

श्री ए. आर. सुले (20-5-2020 से)

अतिरिक्त सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार

श्री संजय कुमार (20-5-2020 से)

संयुक्त सचिव (आई एंड एम), परमाणु ऊर्जा विभाग

डॉ. दिनेश श्रीवास्तव (31-12-2022 तक)

मुख्य कार्यकारी एन.एफ.सी

डॉ. कोमल कपूर (09-01-2023 से)

मुख्य कार्यकारी एन.एफ.सी

डॉ. डी के सिन्हा (30.11.2022 तक)

निदेशक, परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय

श्री बी सर्वानन (05.12.2022 से)

निदेशक, ए एम डी

का0 सेवानिवृत्त श्री प्रभात कुमार पंडा

स्वतंत्र निदेशक

श्री बी.सी. गुप्ता

कंपनी सचिव

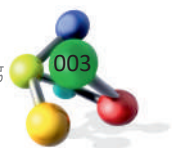
ऑडिटर्स

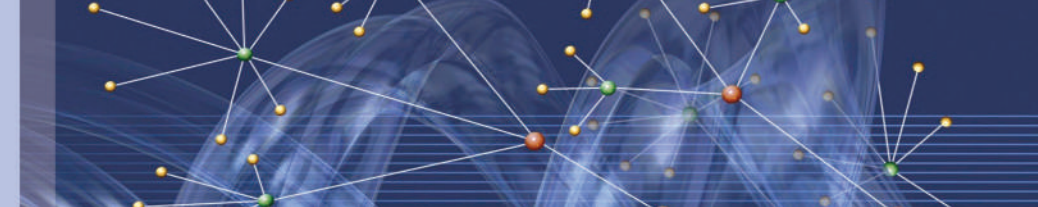
मेसर्स कदमावाला एण्ड कंपनी

दुकान न0 - 115, प्रथम तल्ला, ब्लक ए क्रिस्टल आकोड, राजीव नगर,

लोधी पाड़ा चौक के नजदीक, रायपुर

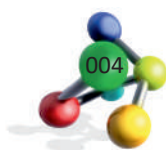
रायपुर - 492007





कार्यकारी

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	:	श्री सी के असनानी
निदेशक (तकनीकी)	:	श्री राजेश कुमार
महाप्रबंधक (इंजी, सेवाएं, एपी)	:	श्री एम एस राव
महाप्रबंधक (खान)	:	श्री पी के पाढ़ी
महाप्रबंधक (माइंस)	:	श्री मनोज कुमार
महाप्रबंधक (माइंस)	:	श्री चंचल मन्ना
महाप्रबंधक (यांत्रिकी)	:	श्री एम के सिंघई
कंपनी सचिव	:	श्री बी सी गुप्ता





अध्यक्ष के डेस्क से.....

प्रिय शेयरधारकों,

आपकी कंपनी, यूरेनियम कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के निदेशक मंडल की ओर से, मैं आपकी कंपनी की 56वीं वार्षिक आम बैठक में आपका स्वागत करता हूँ।

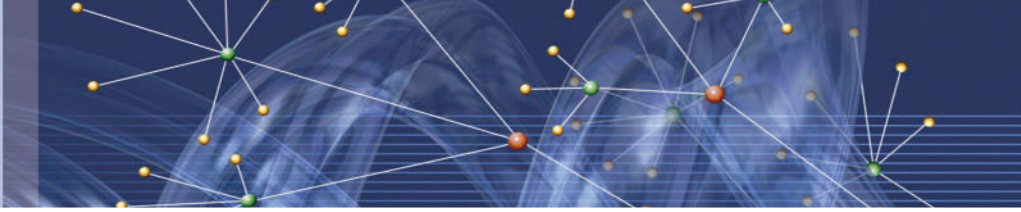
वर्ष 2022-23 के लिए कंपनी के खातों का लेखापरीक्षित विवरण, निदेशकों की रिपोर्ट के साथ आपको प्रस्तुत किया जाता है और आपकी सहमति से, मैं उन्हें पढ़ा हुआ मानता हूँ।

देश में यूरेनियम संसाधनों के व्यावसायिक पैमाने पर उपयोग में लगी एकमात्र इकाई के रूप में आपकी कंपनी देश के स्वदेशी परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम का समर्थन करने के लिए समर्पित है और अपने प्रदर्शन में लगातार उत्कृष्टता प्राप्त कर रही है। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान आपकी कंपनी के प्रदर्शन को उजागर करते हुए मुझे बहुत संतोष मिलता है। आपकी कंपनी ने अब तक का सबसे अधिक U_3O_8 उत्पादन हासिल किया है और मैं इस उल्लेखनीय उपलब्धि के साथ-साथ वित्त वर्ष 2021-22 के लिए लगातार पांचवीं बार उत्कृष्ट एमओयू रेटिंग प्राप्त करने के लिए सभी हितधारकों को बधाई देता हूँ।

मुझे आपको यह सूचित करते हुए भी खुशी हो रही है कि तुम्मलापल्ली इकाई ने वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान उल्लेखनीय प्रगति का प्रदर्शन किया है और अब तक का सबसे अधिक मासिक और वार्षिक U_3O_8 उत्पादन हासिल किया है, जिससे उत्पादन को एमओयू लक्ष्य से अधिक करने में मदद मिली है। इससे लगातार छठे वर्ष श्रुतकृष्ट एमओयू रेटिंग प्राप्त करने के मानदंडों को पूरा करने के हमारे प्रयासों में मदद मिलेगी।

झारखंड क्षेत्र में उत्पादन के वर्तमान स्तर को बनाए रखने के लिए, भाटिन खदान में उत्पादन गतिविधियों को दीर्घकालिक एमडीओ अनुबंध के माध्यम से फिर से शुरू किया गया है। बदलती भू-खनन स्थिति, विकसित हो रहे भूमिगत खनन लेआउट और पुराने खनन उपकरणों की बिगड़ती स्थितियों को देखते हुए, पुराने उपकरणों को बदलने के लिए नए ट्रैकलेस खनन उपकरण खरीदे गए हैं।

तुम्मलापल्ली में खान के पानी में मौजूद रेडियोधर्मी न्यूक्लाइड को कम करने के लिए खान के पानी के उपचार के लिए पर्यावरण के अनुकूल रासायनिक विधि का आंतरिक विकास शुरू किया गया है। प्रयोगशाला में किए गए परीक्षण और खान के पानी में यूरेनियम और रेडॉन की मात्रा को कम करने के लिए पायलट पैमाने पर किए गए अध्ययन के परिणाम उत्साहजनक हैं। इसे देखते हुए करीब एक महीने तक प्लांट ट्रायल भी किया गया जिसके संतोषजनक परिणाम सामने आए। इसके साथ, अब खान जल उपचार के नियमित संचालन के लिए योजना बनाई गई है।



इस वर्ष, आपकी कंपनी ने विभिन्न ग्रीन और ब्राउन फील्ड विस्तार परियोजनाओं से संबंधित पूर्व-परियोजना गतिविधियों में महत्वपूर्ण प्रगति हासिल की है। राजस्थान के सीकर जिले में स्थित रोहिल यूरेनियम परियोजना को खोलने के लिए खनन पट्टा प्रदान करने के आशय पत्र (एलओआई) के आधार पर पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने रोहिल यूरेनियम परियोजना के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति प्रदान करने के लिए विचारार्थ विषय (टीओआर) जारी किए हैं। रोहिल स्थल पर मेकॉन द्वारा पर्यावरणीय डाटा उत्पादन, एचपीयू द्वारा रेडियोलॉजिकल निगरानी, बीएआरसी, टाटा मेमोरियल सेंटर, मुंबई द्वारा जनांकिकीय एवं स्वास्थ्य सर्वेक्षण आदि जैसे आधारभूत अध्ययन प्रगति पर हैं। इन कार्यों के पूरा होने पर, ईआईएईएमपी रिपोर्टों का संकलन आगे की मंजूरी के लिए राज्य सरकार को प्रस्तुत करने के लिए किया जाएगा।

एमडी द्वारा प्रस्तुत भूवैज्ञानिक रिपोर्ट के आधार पर, झारखंड सरकार ने प्रस्तावित खनन पट्टे के सटीक क्षेत्र के सीमांकन और बानाडुंगरी परियोजना के लिए भूमि अनुसूची तैयार करने के लिए डीजीपीएस सर्वेक्षण शुरू किया है। राज्य सरकार संभावित पट्टेदार के रूप में यूसीआईएल के नामांकन के लिए डीआई को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। जादूगोड़ा और भाटिन के मौजूदा खनन पट्टा क्षेत्र के भीतर खोजे गए अतिरिक्त अयस्क संसाधनों को निकालने के लिए, आपकी कंपनी द्वारा तकनीकी आर्थिक व्यवहार्यता रिपोर्ट (टीईएफआर) तैयार करने का कार्य शुरू कर दिया गया है और यह तैयारी के अंतिम चरण में है।

आपकी कंपनी अपनी सभी इकाइयों में अच्छे कॉर्पोरेट शासन की प्रथाओं को बनाए रखने में अपने प्रयासों को जारी रखती है। आपकी कंपनी गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली के लिए आईएसओ 9001:2015 प्रमाणपत्र, पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली के लिए आईएसओ 14001:2015 प्रमाणन और व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली के लिए आईएसओ 45001:2018 प्रमाणन बनाए रखना जारी रखती है।

मुझे आपको यह सूचित करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि आपकी कंपनी ने विभिन्न मानव संसाधन सुधार किए हैं और कंपनी की लागू नीति के अनुसार सभी स्तरों के कर्मचारियों की भर्ती की प्रक्रिया जारी है।

आपकी कंपनी अपने प्रतिष्ठानों के आसपास के ग्रामीणों के लाभ के लिए सीएसआर योजना के तहत विभिन्न कल्याणकारी गतिविधियों का संचालन करती है। विभिन्न स्तरों से लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए कल्याणकारी गतिविधियों ने झारखंड और आंध्र प्रदेश में आपकी कंपनी की विभिन्न इकाइयों और राजस्थान में आगामी परियोजना की आसपास की आबादी से बहुत सराहना प्राप्त की है। इसके अलावा, एक वर्ष की अवधि के लिए मुसाबनी, पोटका और जुगसलाई ब्लॉक के टीबी रोगियों को अंगीकरण कर टीबी मुक्त झारखंड बनाने की दिशा में आपकी कंपनी के योगदान को झारखंड सरकार द्वारा विधिवत सराहा गया है।

मैं इस अवसर पर परमाणु ऊर्जा विभाग और इसकी विभिन्न घटक इकाइयों नामत बीएआरसी, एएमडी, एनएफसी, एनपीसीआईएल और अन्य को सभी संभव तरीकों से उनके निरंतर समर्थन के लिए तहेदिल से धन्यवाद देता हूं। मैं सभी अवसरों पर उनके अथक प्रयासों और समर्पित प्रतिबद्धता के लिए बोर्ड में अपने सहयोगियों के योगदान और कंपनी के सभी कर्मचारियों के योगदान को भी ईमानदारी से स्वीकार करना चाहता हूं।

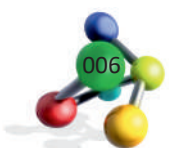
अब, मैं निदेशकों की रिपोर्ट, 31 मार्च, 2023 तक की बैलेंस शीट और 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ और हानि खाता आपके विचार, अनुमोदन और अपनाने के लिए प्रस्तुत करता हूं।

डॉ. सी.के. असनानी

अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक

स्थान : मुंबई

तिथि : 27 सितंबर 2023



निदेशकों की रिपोर्ट

सेवा में

सदस्यों के लिए

निदेशक मंडल की ओर से, 31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए सांविधिक लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट और लेखापरीक्षित खातों के साथ आपकी कंपनी की 56 वीं वार्षिक रिपोर्ट और भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक द्वारा उस पर रिपोर्ट प्रस्तुत करना मेरा सौभाग्य है।

1.0 प्रदर्शन हाइलाइट्स :

1.1 वित्तीय प्रदर्शन :

(रु. लाख में)

	वर्तमान वर्ष 2022-23	गत वर्ष 2021-22
आय	227957.95	26 1472.02
मूल्यहास से पहले लाभ	36142.37	100562.87
घटाएं : (क) मूल्यहास	26425.07	22815.23
कर पूर्व लाभ	9717.307	77747.64
घटाएं :		
(क) कर प्रावधान	5186.38	21598.06
(ख) पहले वर्ष के लिए		
(ग) स्थगित कर प्रावधान	2039.38	(1522.43)
कर अदायगी के बाद लाभ	6570.30	57672.01
अन्य व्यापक आय (कर का शुद्ध)	(843.49)	(271.80)
वर्ष के लिए कुल व्यापक आय	5726.81	57400.21

वर्ष के दौरान कंपनी ने कॉर्पोरेट आयकर, लाभांश, जीएसटी के कारण राजकोष में 26935.61 लाख रुपये (पिछले वर्ष 52403.93 लाख रुपये) का योगदान दिया।

1.2 परिचालन इकाइयों का प्रदर्शन :

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान आपकी कंपनी की सभी परिचालन इकाइयों का प्रदर्शन संतोषजनक रहा है। इसने आपकी कंपनी को अपनी स्थापना के बाद से उच्चतम वार्षिक U_3O_8 उत्पादन प्राप्त करने में मदद की है।

1.3 चालू और नई परियोजनाएं :

झारखंड क्षेत्र

नरवापहाड़ खदान, तुरामडीह खदान और बंदुहुरंग खदान

के लिए दिए गए दीर्घकालिक विकास और उत्पादन अनुबंध अच्छी तरह से प्रगति कर रहे हैं। इसके अलावा, दीर्घकालिक एमडीओ अनुबंध के माध्यम से भाटिन खदान से उत्पादन गतिविधियों को फिर से शुरू किया गया है।

बदलती भू-खनन स्थिति, विकसित हो रहे भूमिगत खनन लेआउट और पुराने खनन उपकरणों की बिगड़ती स्थितियों को देखते हुए, स्थलों पर नए ट्रैकलेस खनन उपकरण प्राप्त हुए हैं।

जादूगोड़ा और भाटिन के मौजूदा खनन पट्टा क्षेत्र के भीतर खोजे गए अतिरिक्त अयस्क संसाधनों को निकालने के लिए तकनीकी आर्थक व्यवहार्यता रिपोर्ट (टीईएफआर) तैयार करने का कार्य शुरू कर दिया गया है और यह अग्रिम चरण में है।

आंध्र प्रदेश क्षेत्र

यूसीआईएल की तुम्मलापल्ली इकाई ने वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान उल्लेखनीय प्रगति का प्रदर्शन किया है और अब तक का सबसे अधिक मासिक और वार्षिक 738 उत्पादन हासिल किया है। लंबी अवधि के खदान विकास और संचालन अनुबंध के एक हिस्से के रूप में तुम्मलापल्ली खदान के पश्चिमी भाग का विकास, जो मार्च 2020 में शुरू हुआ था, भी अच्छी तरह से प्रगति कर रहा है।

एपीपीसीबी के निर्देशों के अनुसार तुम्मलापल्ली टेलिंग इम्पाउंडमेंट सुविधा के मुख्य टेलिंग बांध की ऊंचाई 360 मीटर से बढ़ाकर 380 मीटर करने और मौजूदा टेलिंग तालाब सतह क्षेत्र पर एचडीपीई और मिट्टी की लाइनिंग बिछाने का काम पूरा हो गया है।

भू-जल में यूरेनियम संदूषण के स्रोत का पता लगाने के लिए तुम्मलपल्ले में आइसोटोप हाइड्रोलॉजिकल अध्ययन करके आइसोटोप और विकिरण अनुप्रयोग प्रभाग (आईआरएडी), बीएआरसी द्वारा तकनीकी जांच की गई थी। इस अध्ययन ने निष्कर्ष निकाला कि कुछ बोरवेल में देखे गए उच्च यूरेनियम की उपस्थिति प्रकृति में जियोजेनिक थी और यूसीआईएल के टेलिंग पॉण्ड या डिकेंट पॉण्ड से प्राप्त नहीं हुई थी।

नई परियोजनाएं

1. तुम्मलापल्ली विस्तार परियोजना, आंध्र प्रदेश का वाईएसआर

जिला यूसीआईएल जन सुनवाई आयोजित करने के लिए राज्य सरकार के साथ इस मामले को आगे बढ़ा रहा है।

2. कन्नमपल्ली परियोजना, आंध्र प्रदेश का वाईएसआर

जिला सटीक क्षेत्र का सीमांकन और एएमसीआर-2016 के अनुसार भूमि अनुसूची तैयार करना राज्य सरकार के पास लंबित है। इस मामले को आन्ध्र प्रदेश सरकार के साथ उठाया जा रहा है।

3. गोगी और कंचनकायी परियोजनाएं, कर्नाटक का यादगीर जिला

सटीक क्षेत्र का सीमांकन और एएमसीआर-2016 के अनुसार भूमि अनुसूची तैयार करना राज्य सरकार के पास लंबित है। इस मामले को कर्नाटक सरकार के साथ उठाया जा रहा है।

4. रोहिल अन्वेषक खनन परियोजना, राजस्थान में सीकर जिला

राजस्थान के सीकर जिले में स्थित रोहिल यूरेनियम भंडार परमाणु खनिज अन्वेषण और अनुसंधान निदेशालय (एएमडी) द्वारा अन्वेषण के अधीन है। सतह से अन्वेषणात्मक खनन के लिए विकसित 80 डिकलाइन 286 मीटर तक बढ़ गई है, जो जमीन के स्तर से 40 मीटर की गहराई तक है।

राजस्थान सरकार द्वारा खनन पट्टा प्रदान करने के लिए आशय पत्र (एलओआई) के आधार पर यूसीआईएल ने रोहिल (सीकर) राजस्थान में संबद्ध सेवाओं के साथ 0.75 एमटीपीए (मिलियन टन प्रतिवर्ष) आरओएम क्षमता की भूमिगत खान और 0.75 एमटीपीए के यूरेनियम प्रसंस्करण परिसर के विकास की परियोजना के लिए पर्यावरण मंजूरी (ईसी) प्रदान करने के लिए पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ एण्ड सीसी) से विचारार्थ विषय (टीओआर) प्राप्त किए हैं।

मेकॉन द्वारा मौसम संबंधी निगरानी, परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी, शोर स्तर निगरानी, सतही और भूजल गुणवत्ता निगरानी, यातायात घनत्व अध्ययन आदि के लिए पर्यावरणीय आधारभूत डेटा उत्पादन कार्य शुरू कर दिया गया है। नवीनतम उपग्रह इमेजरी पर भूमि उपयोग 6 भूमि कवर विश्लेषण के लिए अध्ययन, मिट्टी की गुणवत्ता का अध्ययन पारिस्थितिक विशेषताओं (वनस्पति और जीव) का अध्ययन, जल विज्ञान और जल भूविज्ञान का अध्ययन प्रगति पर है।

स्वास्थ्य भौतिकी प्रभाग, बीएआरसी, मुंबई द्वारा स्थल के चारों ओर रेडियोलॉजिकल निगरानी और परियोजना के सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रभावों का मूल्यांकन करने के लिए टाटा मेमोरियल सेंटर, मुंबई द्वारा जनसांख्यिकीय और स्वास्थ्य स्थिति सर्वेक्षण प्रगति पर है। इन कार्यों के पूरा होने पर, ईआईएईएएमपी का संकलन राज्य स्तर पर आगे की मंजूरी के लिए प्रस्तुत करने के लिए शुरू किया जाएगा।

5. जाजावल परियोजना, सूरजपुर जिला, छत्तीसगढ़

एएमडी ने एएमसीआर-2016 के अनुसार डीएमजी, छत्तीसगढ़ सरकार को भूवैज्ञानिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। भूविज्ञान एवं खनिकर्म निदेशालय (डीजीएम), छत्तीसगढ़ ने एएमसीआर-2016 के प्रावधानों के अनुसार छत्तीसगढ़ सरकार के खनिज संसाधन विभाग के सचिव को एक पत्र भेजा है, जिसमें कहा गया है कि राज्य सरकार सर्वेक्षण

संख्या के साथ सटीक क्षेत्रों के साथ चिन्हित और सीमांकित क्षेत्र पर खनन पट्टा प्रदान करने के लिए एक प्रस्ताव केंद्र सरकार को प्रस्तुत करेगी, जिसमें एक सरकारी कंपनी या निगम (यूसीआईएल) को नामित करने का अनुरोध किया जाएगा। सरकार विभाग (डीई) के अनुरोध पर ऐसे खनन पट्टे प्रदान करने के लिए तैयार है। यूसीआईएल इस मामले को छत्तीसगढ़ राज्य सरकार के साथ उठा रहा है। मेकॉन को तकनीकी-आथक व्यवहार्यता रिपोर्ट (टीईएफआर) तैयार करने के लिए परामर्शदाता के रूप में नियुक्त किया गया है।

6. गराडीह परियोजना, झारखंड का पूर्वी सिंहभूम जिला।

नरवापहाड़ और तुरामडीह के बीच स्थित गराडीह क्षेत्र में 280–300 मीटर के ऊर्ध्वाधर प्रभाव तक खोजे गए यूरैनियम संसाधनों के आधार पर, यूसीआईएल ने भूवैज्ञानिक रिपोर्ट के साथ झारखंड सरकार को आगे प्रस्तुत करने के लिए एएमडी को डीजीपीएस निर्देशांक प्रस्तुत किए। इस बीच, एएमडी द्वारा शुरू की गई सतह के नीचे 450–570 मीटर के ऊर्ध्वाधर प्रभाव तक आगे की खोज प्रक्रिया में है। एएमसीआर-2016 के अनुसार एएमडी द्वारा भूवैज्ञानिक रिपोर्ट प्रस्तुत करना लंबित है। मेकॉन को तकनीकी-आथक व्यवहार्यता रिपोर्ट (टीईएफआर) तैयार करने के लिए परामर्शदाता के रूप में नियुक्त किया गया है।

7. बानाडुंगरी परियोजना, पूर्वी सिंहभूम जिला, झारखंड

यूसीआईएल ने बानाडुंगरी क्षेत्र, जो नरवापहाड़ निक्षेप का पश्चिमी विस्तार है, में खनिजकरण की स्थापना के बाद तकनीकी-आथक व्यवहार्यता रिपोर्ट (टीईएफआर) तैयार करने का कार्य शुरू किया। यूसीआईएल ने एएमडी को लीज सीमा के डीजीपीएस निर्देशांक प्रदान किए हैं। एएमडी ने आगे की आवश्यक कार्रवाई करने के लिए एएमसीआर-2016 के अनुसार खनन और भूविज्ञान निदेशालय (डीएमजी), झारखंड सरकार को भूवैज्ञानिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। झारखंड सरकार ने सटीक क्षेत्र का सीमांकन और भूमि अनुसूची तैयार करने का कार्य शुरू किया है, जो अभी पूरा नहीं हुआ है। एएमसीआर-2016 के अनुसार सभी गतिविधियों के पूरा होने पर, झारखंड सरकार विभाग (डीई) के कहने पर खनन पट्टे के अनुदान के लिए सरकार के स्वामित्व या नियंत्रण वाली सरकारी कंपनी या निगम को नामित करने का अनुरोध करेगी। यूसीआईएल इस मामले को झारखंड राज्य सरकार के साथ उठा रहा है।

1.4 एमओयू का प्रदर्शन :

भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग के साथ हस्ताक्षरित एमओयू के संदर्भ में आपकी कंपनी का प्रदर्शन वित्त वर्ष 2022–23 के दौरान कंपनी द्वारा प्राप्त उच्चतम यूरैनियम उत्पादन पर आधारित होने की उम्मीद है।

2.0 लाभांश पर लाभांश और कर

आपके निदेशकों ने पहली बार 10200 लाख रुपये के अंतरिम लाभांश की सिफारिश की है और यह 2,09,461.78 लाख रुपये की चुकता पूंजी पर वित्त वर्ष 2022–23 के लिए अंतिम लाभांश होगा। (पिछले वर्ष लाभांश राशि 19724.00 लाख रुपये थी)।

3.0 शेयर पूंजी

वर्ष के दौरान, कंपनी की अधिकृत शेयर पूंजी 3,500 करोड़ रुपये थी और 31.03.2023 को सब्सक्राइब्ड शेयर पूंजी 2094.62 करोड़ रुपये थी।

4.0 ऊर्जाध्रौद्योगिकी अवशोषण, अनुकूलन, नवान्वेषण और विदेशी मुद्रा का संरक्षण

ऊर्जा संरक्षण, प्रौद्योगिकी अवशोषण और विदेशी मुद्रा अर्जन और व्यय के संबंध में कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134 (3) (एम) के प्रावधान के साथ-साथ बोर्ड की रिपोर्ट में शामिल किए जाने वाले मामलों, नियम-8 के अनुसार निदेशकों की रिपोर्ट में दी जाने वाली अपेक्षित जानकारी इस रिपोर्ट के अनुबंध-८ में दी गई है।

5.0 औद्योगिक संबंध :

रिपोर्ट की अवधि के दौरान सभी इकाइयों में औद्योगिक संबंध आपकी कंपनी में संतोषजनक रहे। प्रबंधन और कामगारों के बीच उनके ट्रेड यूनियनों द्वारा प्रतिनिधित्व किए गए कल्याण, पदोन्नति, प्रशासन, आवास आवंटन आदि से संबंधित सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर नियमित विचार-विमर्श सौहार्दपूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया और प्रबंधन के समक्ष रखी गई शिकायतों का सौहार्दपूर्ण ढंग से निपटारा किया गया। इसके परिणामस्वरूप कंपनी में औद्योगिक शांति और सद्भाव बनाए रखा गया और रिपोर्ट के तहत वर्ष के दौरान बेहतर प्रदर्शन की उपलब्धि हासिल की गई।

6.0 श्रमशक्ति :

31 मार्च 2023 तक आपकी कंपनी की कुल जनशक्ति शक्ति 4425 थी। आपकी कंपनी में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों का समग्र प्रतिनिधि कुल कार्यबल

का लगभग 54.57: है। 31.03.2023 तक कंपनी के रोल पर कुल 10 शारीरिक रूप से अक्षम (दिव्यांगजन) कर्मचारी हैं। भारत सरकार द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार विभिन्न आरक्षित श्रेणियों के लिए कोटा भरने के लिए निरंतर प्रयास किए गए।

7.0 प्रबंधन में श्रमिकों की भागीदारी :

आपकी कंपनी सभी स्तरों पर एक स्वस्थ और सामंजस्यपूर्ण संबंध बनाए रखने में प्राथमिकता देती है। सभी इकाइयों में दुकान परिषदों की बैठकें नियमित रूप से आयोजित की गईं। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान शॉप परिषदों की 23 बैठकें आयोजित की गईं। कंपनी के भविष्य निधि ट्रस्ट, ग्रेजुटी फंड ट्रस्ट, कर्मचारी पारिवारिक सहायता योजना, कल्याण निधि योजना, कर्मचारी सहकारी क्रेडिट सोसाइटी आदि के न्यासी मंडल में कर्मचारियों को प्रतिनिधित्व दिया गया है। कर्मचारियों को सुरक्षा समिति, कैंटीन प्रबंध समिति, खेल परिषद आदि जैसे विभिन्न मंचों के सदस्यों के रूप में भी चुना गया है। औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 के प्रावधानों के अनुसार, आपकी कंपनी को समय-समय पर केंद्र सरकार द्वारा श्रमविवाद निपटारा सेवा के तहत भी घोषित किया जा रहा है।

8.0 मानव संसाधन विकास और प्रशिक्षण :

आपकी कंपनी, अपने सभी कार्यों में मानव संसाधन के महत्व को महसूस करते हुए, विभिन्न प्रशिक्षण मॉड्यूल के माध्यम से अपने मानव संसाधन को विकसित करने के अपने प्रयासों को जारी रखती है। वर्ष के दौरान कोविड-19 के मामलों में गिरावट के साथ, कर्मचारियों को समय-समय पर विभिन्न ऑनलाइन कार्यक्रमों, ऑफलाइन वेबिनार में भाग लेने के लिए नामित किया गया था। वर्ष 2022-23 के दौरान, 56 अधिकारियों ने ऑनलाइन ऑफलाइन मोड के माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया है।

9.0 सुरक्षा :

आपकी कंपनी खानों और मिलों में सुरक्षा बढ़ाने के लिए खनन उद्योग में नए उपकरणों और प्रक्रियाओं को लागू करके एक संरचित आंतरिक सुरक्षा संगठन के साथ अपनी सभी गतिविधियों में सुरक्षा पर बहुत जोर देती है। शून्य दुर्घटना क्षमता प्राप्त करने के उद्देश्य से आंतरिक सुरक्षा संगठन द्वारा प्रचलित सुरक्षा मानकों की आवधिक समीक्षा की गई थी। पिछले एक साल में महामारी कोविड -19 को देखते हुए, कंपनी में अपने कर्मचारियों के बीच घातक वायरस के प्रसार को रोकने और रोकने के लिए विशेष

उपाय जारी रखे गए थे। इनमें घर से काम करना, काम के घंटे अलग-अलग करना, कार्यस्थलों की नियमित स्वच्छता, सभी कार्य स्थलों पर व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण पहनना अनिवार्य कर दिया गया था।

प्रमुख सुरक्षा निर्णय संबंधित विभागाध्यक्षों द्वारा लिए जाते हैं जो कॉर्पोरेट स्तर पर मिलों और खानों के संचालन की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार होते हैं। यूसीआईएल की सभी इकाइयों में स्वतंत्र रूप से काम करने वाली स्वास्थ्य भौतिकी इकाइयां, परिसर के भीतर और बाहर दोनों रेडियोलॉजिकल सुरक्षा मानकों को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। सभी नियामक आवश्यकताओं की समीक्षा कॉर्पोरेट स्तर की सुरक्षा समिति द्वारा की जाती है। कंपनी की विभिन्न सुरक्षा समितियों में श्रमिकों की भागीदारी सुरक्षा संस्कृति को बढ़ाने में मदद करती है। शीर्ष सुरक्षा समिति नियमित रूप से बैठक करती है और कंपनी की सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करती है।

10.0 कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) :

आपकी कंपनी सामाजिक रूप से जिम्मेदार, नैतिक और पर्यावरण के अनुकूल तरीके से अपने व्यवसाय का संचालन करने के लिए प्रतिबद्ध रहती है और अपने परिचालन क्षेत्रों के आसपास के समुदायों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार की दिशा में लगातार काम करने का प्रयास करती है।

सीएसआर पहलों को मुख्य मूल्यों के अनुसार निष्पादित किया गया है जैसे हितधारकों के हितों की रक्षा, स्थानीय समुदायों के साथ सक्रिय जुड़ाव और समावेशी विकास की दिशा में प्रयास करना।

यूसीआईएल की सीएसआर गतिविधियां कंपनी के संचालन के क्षेत्र के समग्र सामाजिक आर्थिक संकेतकों में सुधार के लक्ष्य के साथ निम्नलिखित व्यापक विषयों पर केंद्रित हैं।

शिक्षा – सरकारी निर्देशों के अनुरूप, आपकी कंपनी ने शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के तहत अपने परमाणु ऊर्जा केंद्रीय विद्यालयों में दाखिला लेकर आसपास के गांवों के वंचित छात्रों को शिक्षा प्रदान करना जारी रखा। शिक्षा का अधिकार नियमों के तहत निर्धारित वर्दी, जूते, स्टेशनरी, पाठ्य पुस्तकें, बैग आदि वित्तीय सहायता के रूप में छात्रवृत्ति के साथ इन छात्रों को प्रदान किए गए थे। आपकी कंपनी छात्रवृत्ति, नोटबुक और स्कूल बैग प्रदान करके आसपास के स्कूलों में पढ़ रहे स्थानीय समुदाय के बच्चों का समर्थन करना जारी रखती है।

आपकी कंपनी ने इंजीनियरिंग के क्षेत्र में नई प्रौद्योगिकियों

और नवीनतम प्रगति के बारे में जागरूकता लाने के लिए जेएनटीयू कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, पुलिवेंदुला द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी 'SARVAGNA2K22' और YANTRA & 2K22* कार्यक्रम को प्रायोजित किया। राजस्थान के सीकर जिले में रोहिल परियोजना के आसपास के क्षेत्र में स्थानीय स्कूल में खेल परिसर विकसित किया गया है।

पेयजल और स्वच्छता — आपकी कंपनी ने विशेष रूप से गर्मी के मौसम के दौरान पानी की कमी के मुद्दे को दूर करने के लिए बागजाता और जादूगोड़ा खानों के आसपास के गांवों में जलमीनार का निर्माण शुरू किया है। जादूगोड़ा और तुरामडीह खान समूह के आसपास के गांवों के साथ-साथ तुमलापल्ली खानों के आसपास के गांवों में पानी के टैंकर के माध्यम से पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अनुबंध दिया गया था और एएमसी को क्रमशः तुमलापल्ली और झारखंड इकाइयों के आसपास के गांवों में मौजूदा आरओ संयंत्रों और नलकूपों की मरम्मत और रखरखाव के लिए भी दिया गया था। तुमलापल्ली क्षेत्र में ओवरहेड टैंक से पानी की आपूर्ति के लिए नई जीआई पाइपलाइन बिछाई गई है। तुमलापल्ली माइंस के आसपास के आरओ प्लांट संचालकों को मानदेय का भुगतान कर दिया गया है। राजस्थान के रोहिल परियोजना के निकट गोकुल का बास, रॉयल और सुहागपुरा गांव में नए आरओ संयंत्र भी चालू किए गए हैं।

मुसाबोनी, मेचुआ में शौचालयों का निर्माण और रोहिल परियोजना के पास रॉयल गांव के सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में बालिका शौचालय का निर्माण भी वित्तीय वर्ष के दौरान पूरा कर लिया गया है।

स्वच्छता पखवाड़े के तहत, खदानों के साथ-साथ टाउनशिप में आसपास के क्षेत्रों को साफ करने और साफ रखने के लिए अतिरिक्त प्रयास किए गए। जादूगोड़ा में निर्मित सार्वजनिक शौचालय के रखरखाव और रखरखाव के लिए एएमसी को एक बार फिर अनुबंध के माध्यम से दिया गया। स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत स्वच्छता के बारे में जागरूकता फैलाने, ग्रामीणों को संवेदनशील बनाने और बुनियादी स्वच्छता और स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए आसपास के गांवों में स्वच्छता अभियान चलाया गया है।

कौशल विकास— आसपास के गांवों के वंचित और महत्वाकांक्षी युवा कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी के दायरे में आपकी कंपनी द्वारा प्रदान किए गए घरेलू उपकरणों के रखरखाव, मोबाइल मरम्मत और कंप्यूटर प्रशिक्षण से

लाभान्वित होते रहते हैं। तुरामडीह स्थित औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र (आईटीसी) के माध्यम से इलेक्ट्रिकल, फिटर और वेल्डिंग के ट्रेडों में तकनीकी कौशल विकास भी प्रदान किया जा रहा है। एसएचजी महिलाओं की स्थायी आजीविका के लिए कटाई और सिलाई पर प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है और सीएसआर के तहत उन्हें सिलाई मशीनें भी प्रदान की गई हैं।

विकास परियोजनाएं — आपकी कंपनी द्वारा कई बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं को निष्पादित किया गया है जैसे वेलपुला गांव में विद्युत कार्य सहित पुस्तकालय कक्ष का निर्माण, वेपुला गांव में फुटबॉल मैदान का निर्माण, तुमलापल्ली इकाई के चारों ओर सौर स्ट्रीट लाइट सिस्टम के लिए रेट्रोफिटिंग और एएमसी कार्य, ग्राम सचिवालय ६ एमआरओ कार्यालय, वेमुला को पर्याप्त फर्नीचर प्रदान करना, रोहिल परियोजना में शमशान घाट तक मार्ग का निर्माण, बर्निंग घाट जादूगोड़ा में बाड़ लगाने का कार्य, बाघाबांधी डुमुरिया में स्कूल का जीर्णोद्धार, मोहुलडीह माइंस के पास 03 नग सौर जल मीनार का निर्माण, नंदुप गांव में स्थित सामुदायिक विकास केंद्र की मरम्मत आदि।

उपर्युक्त परियोजनाओं के अलावा, झारखंड में हाता-मुसाबनी पीडब्ल्यूडी सड़क डिगरी बैराज (गालूडीह- मुसाबनी -टाटा) को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग-33 से सड़क के सुदृढ़ीकरण और आंध्र प्रदेश के भूमियागरीपल्ली में कल्याणमंडपमध्मैरिज हॉल की अतिरिक्त अवसंरचना के निर्माण में भी योगदान दिया गया है।

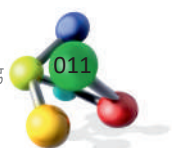
सामाजिक सहायता — यूसीआईएल की परिचालन इकाइयों के आसपास और आसपास रहने वाले स्थानीय समुदाय को होने वाली कठिनाइयों को दूर करने में मदद करने के लिए, यूसीआईएल ने नीचे दी गई गतिविधियों को अंजाम देकर जिम्मेदारीपूर्वक सामाजिक समर्थन बढ़ाया है।

(i) बेहतर पोषण के लिए योगदान

यूसीआईएल ने भारत सेवाश्रम संघ, देबांकी आश्रम (पोटका ब्लॉक) में पढ़ने वाले 208 एसटी छात्रों को पौष्टिक भोजन प्रदान करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की है।

(ii) कंबल का वितरण

इस वित्तीय वर्ष में संचालित खानों, आदिवासी छात्रावासों और भारत सेवाश्रम संघ, देबांकी आश्रम (पोटका ब्लॉक) के आसपास सर्दियों के मौसम में गरीब और जरूरतमंद व्यक्तियों के बीच 20,000 कंबल वितरित किए गए हैं।



(iii) सतत विकास और लोगों का कल्याण

सीएसआर निधियों के प्रभावी उपयोग के माध्यम से अपने नाडू-नेडु और नवरत्नालु कार्यक्रम के तहत आंध्र प्रदेश राज्य के सतत विकास कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, आपके निगम ने शनादा-नेडु द्वारा आंध्र से जुड़े कार्यक्रम के तहत आंध्र प्रदेश सरकार को 35 लाख रुपये का योगदान दिया है, जिसका उद्देश्य है।

1. प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एसएचसी में सुदृढ़ अवसंरचनात्मक सुविधाएं प्रदान करना।
2. सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य देखभाल उपकरणों का उन्नयन करना और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना।
3. गरीब बच्चों और दलित लोगों को पौष्टिक भोजन प्रदान करना।

उपरोक्त के अलावा, आपकी कंपनी ने अपने बुनियादी ढांचे और सेवाओं के विस्तार के लिए झारखंड आई बैंक, रांची, (झारखंड) में झारखंड आई बैंक, अस्पताल और अनुसंधान केंद्र संचालित बिहार आई बैंक ट्रस्ट को 10 लाख रुपये का योगदान दिया है।

(iv) आकांक्षी जिला कार्यक्रम

आपकी कंपनी ने झारखंड के पूर्वी सिंहभूम में खनन क्षेत्र में स्वास्थ्य और पोषण की स्थिति के उन्नयन और सुदृढ़ीकरण के लिए चालू वित्त वर्ष में जिला प्रशासन, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड को 369.15 लाख रुपये की राशि का योगदान दिया। यह परियोजना आंगनवाड़ी के बुनियादी ढांचे को मजबूत और उन्नत करेगी और कुपोषित बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए बुनियादी पोषण सहायता प्रदान करेगी। स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं को अधिक सुलभ और किफायती बनाने के लिए, एचएससी माटीगोरा को मुसाबनी और पोटका के लिए क्लस्टर हब के रूप में विकसित किया जाएगा।

मुख्य परियोजना गतिविधियों में शामिल :

1. सदर अस्पताल, जमशेदपुर में डिजिटल डेंटल एक्सरे मशीन की स्थापना।
2. जमशेदपुर के सदर अस्पताल में शवगृह स्थापित
3. एचएससी माटीगोरा में डिजिटल अल्ट्रासाउंड सेंटर की स्थापना
4. खनन क्षेत्र के तहत एचएससी को बुनियादी आवश्यक उपकरणों से लैस करना

5. खनन क्षेत्र के अंतर्गत आंगनवाड़ी को मूलभूत सुविधाओं से लैस करना
6. मशीनरी, उपकरण और दवा की खरीद
7. संबंधित एचएससी और आंगनवाड़ी में मशीनरी की सीपना
8. संबंधित क्षेत्र में मेगा स्वास्थ्य शिविर
9. 1-5 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों में कुपोषण को कम करना

(v) प्रधानमंत्री क्षय रोग मुक्त भारत अभियान

आपकी कंपनी ने प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान, नी-क्षय 2.0 के तहत मुसाबनी, पोटका और जुगसलाई ब्लॉक के 616 रोगियों को गोद लिया है, जो 2025 तक टीबी को खत्म करने के उद्देश्य से टीबी से पीड़ित व्यक्तियों को जुटाने और सामुदायिक सहायता प्रदान करने का एक अभियान है। स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार और इन ब्लॉकों के सहमति प्राप्त टीबी रोगियों के लिए सहायता प्रदान करने के लिए, आपके निगम ने बारह महीने की अवधि के लिए गोद लिए गए रोगियों की देखभाल के लिए भोजन टोकरी और दवाएं प्रदान करने के लिए जिला स्तर के अधिकारियों के माध्यम से 73.92 लाख रुपये का योगदान दिया है।

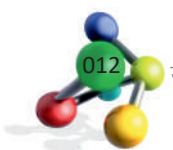
(vi) प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल

नेत्र ज्योति यज्ञ योजना के तहत मोतियाबिंद रोगियों का निःशुल्क ऑपरेशन एवं लेंस प्रत्यारोपण करने तथा पूर्वी सिंहभूम में संचालित खदानों के आस-पास के गांवों में ग्रामीण स्वास्थ्य शिविर लगाकर जरूरतमंद ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए रेड क्रॉस सोसाईटी, जमशेदपुर को 10 लाख रुपये का अंशदान दिया गया है।

जब कभी आवश्यकता होती है, यूसीआईएल अस्पतालों द्वारा स्थानीय आबादी के दिन-प्रतिदिन के सामान्य स्वास्थ्य मुद्दों पर भी ध्यान दिया जाता है और समय-समय पर एम्बुलेंस सेवाएं भी प्रदान की जाती हैं।

(vii) रोजगार सृजन कार्यक्रम को बढ़ावा देना

स्वरोजगार के सृजन को बढ़ावा देने के लिए, आस-पास के गांवों से स्वयं सहायता समूहों की स्थानीय महिलाओं की पहचान की जाती है और उन्हें सिलाई/कड़ाई पर प्रशिक्षण दिया जाता है और प्रशिक्षण पूरा होने पर सिलाई मशीन भी प्रदान की जाती है। उन्हें स्वरोजगार सृजित करने के लिए पत्ती कटोरा (डोना) बनाने का प्रशिक्षण भी दिया जाता है।



इसके अलावा, बीजी पल्ली, तुम्मलापल्ली के बेरोजगार ग्रामीण युवाओं के लिए लाइट मोटर ड्राइविंग पर आय-सृजन प्रशिक्षण कार्यक्रम भी शुरू किया गया है।

(vii) स्वास्थ्य देखभाल के बारे में जागरूकता

तुरामडीह इकाई के आसपास रहने वाली आबादी के लिए स्वास्थ्य देखभाल जागरूकता पर संगोष्ठी आयोजित की गई थी। आसपास के गांवों में ग्रामीण आबादी के बीच विभिन्न मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाने के लिए स्थानीय पंचायत भवन ६ सामुदायिक केंद्र को विभिन्न विषयों के समाचार पत्र, पत्रिकाएं, अकादमिक पत्रिकाएं, पत्रिकाएं भी वितरित की जाती हैं।

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान, कुल सीएसआर व्यय 1245.57 लाख रुपये (वित्त वर्ष 2022-23 के लिए लेखापरीक्षित वार्षिक खातों का नोट 27-सी) है।

आपकी कंपनी के बोर्ड ने यूसीआईएल में स्वतंत्र निदेशक कर्नल (सेवानिवृत्त) श्री प्रवत कुमार पांडा की अध्यक्षता में सीएसआर समिति का गठन किया है। 31.03.2023 की स्थिति के अनुसार सीएसआर समिति की संरचना निम्नानुसार थीरू

1	कर्नल (सेवानिवृत्त) श्री प्रवत कुमार पांडा, स्वतंत्र निदेशक	: अध्यक्ष
2	श्री संजय कुमार (संयुक्त सचिव), परमाणु ऊर्जा विभाग	: सदस्य
3	डॉ. कोमल कपूर, मुख्य कार्यकारी, एनएफसी	: सदस्य
4	श्री राजेश कुमार, निदेशक (तकनीकी), यूसीआईएल	: सदस्य
5	निदेशक (वित्त) यूसीआईएल	: सदस्य

वित्त वर्ष 2022-23 के लिए यूसीआईएल के लेखापरीक्षित वार्षिक खातों के नोट 27 (सी) के अनुसार, जिसे बोर्ड द्वारा 31.07.2023 को आयोजित बैठक संख्या 282 में रखा गया था और अनुमोदित किया गया था, कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुसार सीएसआर व्यय निम्नानुसार है:

लाखों में रुपये

कंपनी अधिनियम, 2103 की धारा 198 के अनुसार पिछले तीन वर्षों का कुल निवल लाभ
199751.75

शुद्ध लाभ का औसत (PBT)	66583.92
सीएसआर के लिए कंपनी अधिनियम की धारा 135 के तहत निर्धारित प्रतिशत	2%
वित्त वर्ष 2022-23 के लिए सीएसआर गतिविधियों के लिए खर्च की जाने वाली राशि	1331.68

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान सीएसआर गतिविधियों पर वास्तव में खर्च की गई राशि	1245.57
वित्त वर्ष 2021-22 के लिए अतिरिक्त सीएसआर व्यय से निर्धारित की जाने वाली राशि	86.11
सेट-ऑफ के लिए उपलब्ध शेष अतिरिक्त सीएसआर व्यय	132.82
(31.03.2025 तक सेट-ऑफ किया जाएगा)	

यह बताया गया कि वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 218.93 लाख रुपये की अतिरिक्त सीएसआर राशि खर्च की गई थी, जिसे आगे बढ़ाया गया और वित्त वर्ष 2022-23 के लिए सीएसआर के लिए सेट-ऑफ के लिए उपलब्ध कराया गया। तदनुसार, 86.11 लाख रुपये की राशि निर्धारित की गई है और शेष 132.82 लाख रुपये (218.93 लाख रुपये कम 86.11 लाख रुपये) को आगे बढ़ाया गया है और 31.03.2025 तक सेट-ऑफ के लिए उपलब्ध है।

संशोधित कंपनी (सीएसआर नीति) नियम 2014 के नियम 7 (3) के अनुसार, जहां कोई कंपनी उप-धारा 135 (5) के तहत प्रदान की गई आवश्यकता से अधिक राशि खर्च करती है, तो ऐसी अतिरिक्त राशि को धारा 135 की उप-धारा (5) के तहत खर्च करने की आवश्यकता के खिलाफ तीन वित्तीय वर्षों के तुरंत बाद तक निर्धारित किया जा सकता है।

11.0 कॉर्पोरेट गवर्नेंस :

कारपोरेट गवर्नेंस संबंधी एक रिपोर्ट अनुपत्र-II में दी गई है।

12.0 सार्वजनिक जमा :

आपकी कंपनी जनता से षजमास्वीकार नहीं करती है।

13.0 पारिस्थितिकी और पर्यावरण संरक्षण :

आपकी कंपनी निरंतर सुधार के साथ सतत विकास के लिए पर्यावरणीय जिम्मेदारियों और प्रतिबद्धताओं की भावना को बनाए रखती है। आपकी कंपनी अपनी सभी इकाइयों के आसपास पारिस्थितिक संतुलन और पर्यावरण संरक्षण पर जोर देती है। भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (बीएआरसी) की जादुगुडा, नरवापहाड़, तुरामडीह और तुम्मलापल्ली स्थित स्वास्थ्य भौतिकी इकाई सभी प्रचालनों और इसके आस-पास के क्षेत्रों की आवधिक रेडियोलॉजिकल और पर्यावरणीय निगरानी करती है। बाहरी गामा विकिरण, रेडॉन एकाग्रता, निलंबित कण पदार्थ, हवाई लंबे समय तक रहने वाले अल्फा गतिविधि की निगरानी वायु वातावरण में की जाती है। क्षेत्र की सतह

और भूजल, मिट्टी, खाद्य पदार्थों और कृषि उपज में रेडियो न्यूक्लाइड की एकाग्रता की समय-समय पर निगरानी की जाती है। आपकी कंपनी ने अपनी सभी इकाइयों के लिए पर्यावरण निगरानी और वैधानिक अनुपालन के लिए एक वरिष्ठ स्तर के अधिकारी की अध्यक्षता में एक पर्यावरण इंजीनियरिंग सेल (ईईसी) की स्थापना की है। सभी प्रचालनरत खानों और अयस्क प्रसंस्करण संयंत्रों के लिए परिवेशी वायु गुणवत्ता और जल गुणवत्ता की नियमित निगरानी की जाती है। आपकी कंपनी को पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, केंद्रीय भूजल प्राधिकरण, परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड और अन्य नियामक निकायों से वैधानिक अनुमति दी गई है। सतत विकास और संसाधन संरक्षण की दिशा में, औद्योगिक उद्देश्य के लिए सभी खान निर्वहन के पुनरुपयोग और पुनर्चक्रण के लिए प्रयास किए गए हैं। संबंधित खानों से निकटतम अयस्क प्रसंस्करण संयंत्रों तक खान निर्वहन एकत्र करने के लिए कई किलोमीटर पाइपलाइन बिछाई गई है। खदान निर्वहन सतह पर एकत्र किया जाता है और औद्योगिक उद्देश्यों के लिए पूरी तरह से पुनरुपयोग किया जाता है। टाउनशिप से निकलने वाले सीवेज को सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स (एसटीपी) में ट्रीट किया जाता है। अयस्क प्रसंस्करण संयंत्रों से निकलने वाले निर्वहन को बहिस्त्राव शोधन संयंत्रों (ईटीपी) में उपचारित किया जाता है। उपचारित सीवेज को आंशिक रूप से ग्रीनबेल्ट सिंचाई और बागवानी के लिए पुनर्नवीनीकरण किया जाता है। अयस्क प्रसंस्करण संयंत्रों से शोधित अपशिष्ट जल को औद्योगिक उद्देश्य के लिए आंशिक रूप से पुनर्नवीनीकरण किया जाता है। ईटीपी और एसटीपी से अतिरिक्त उपचारित निर्वहन की निगरानी निर्धारित निर्वहन मानकों के अनुसार सार्वजनिक डोमेन में जारी करने से पहले नियामक अनुपालन के लिए की जाती है। भूजल संसाधनों के संवर्धन के लिए, आपकी कंपनी ने जादूगुडा खानों, भटिन खानों, तुरामडीह खानों, बंदुहुरंग खानों और मोहुलडीह खानों में वर्षा जल संचयन संरचना का निर्माण किया है। ईईसी भूजल स्तर की तिमाही निगरानी कर रहा है। झारखंड में कंपनी के सभी अस्पतालों से बायोमेडिकल कचरे को सामान्य निपटान सुविधा में उपचारित किया जाता है। आपकी कंपनी ने अपशिष्ट निपटान प्रणाली, अयस्क प्रसंस्करण संयंत्रों से कचरे को सुरक्षित रूप से रोकने के लिए तालाबों की टेलिंग की व्यवस्था की है। विशेषज्ञों की सेवाएं लेकर कचरे के निपटान के लिए नई प्रौद्योगिकी विकसित की जा रही है। आपकी कंपनी ने

अपनी खानों और टेलिंग तालाब के आसपास के क्षेत्र में कचरे के डंप का प्रगतिशील सुधार किया है। क्षेत्र की पारिस्थितिकी और सौंदर्यशास्त्र को बनाए रखने के लिए, कंपनी प्रगतिशील वृक्षारोपण कार्यक्रम करती है। आपकी कंपनी एक ₹14001रु 2015 प्रमाणित संगठन है। उपरोक्त के अलावा, आपकी कंपनी आईएसओ –14001रु 2015 के अनुसार नरवापहाड़ टाउनशिप की पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली को बनाए रखती है। जागरूकता पैदा करने के लिए, आपकी कंपनी ने यूसीआईएल डॉक्टरों द्वारा जादूगुडा ऑफिसर्स क्लब में 25.04.2022 को भाटिन माइन्स के पास रहने वाले आस-पास के समुदाय को स्वच्छता, व्यक्तिगत स्वच्छता, महिला स्वास्थ्य और स्वच्छता आदि के लिए शिक्षित करने के लिए एक कार्यशाला आयोजित की थी। विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को मनाया जाता है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर, आपकी कंपनी द्वारा 04.06.2022 को कुल 1000 पेड़ लगाए गए। यूसीआईएल की सभी इकाइयों में पौधरोपण किया गया।

14.0 आईएसओ प्रमाणन:

आपकी कंपनी एक ISO&14001:2015 प्रमाणित संगठन है। उपरोक्त के अलावा, आपकी कंपनी आईएसओ –14001:2015 के अनुसार नरवापहाड़ टाउनशिप की पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली को बनाए रखती है। कंपनी ने एक व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली भी लागू की जो आईएसओ 45001रु 2018 में निर्धारित आवश्यकता को पूरा करती है।

15.0 लघु और मध्यम स्तर के उद्योग (एसएमई)

सरकारी निर्देशों के अनुरूप, आपकी कंपनी समाज के समावेशी विकास की दिशा में अपने संचालन में छोटे और मध्यम स्तर के उद्योगों की भूमिका का स्वागत करती है और पहचानती है। 2022–23 के दौरान एसएमई को दिए गए ऑर्डर लगभग 231.37 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 229.00 करोड़ रुपये) थे।

चालन में छोटे और मध्यम स्तर के उद्योगों की भूमिका का स्वागत करती है और पहचानती है। 2022–23 के दौरान एसएमई को दिए गए ऑर्डर लगभग 231.37 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 229.00 करोड़ रुपये) थे।

अपने संचालन में छोटे और मध्यम स्तर के उद्योगों की भूमिका का स्वागत करती है और पहचानती है। 2022–23 के दौरान एसएमई को दिए गए ऑर्डर लगभग 231.37 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 229.00 करोड़ रुपये) थे।

16.0 विदेश यात्रा

वर्ष 2022-23 के दौरान विदेश यात्रा पर व्यय 8.26 लाख रुपये (पिछला वर्ष - शून्य) था।

17.0 विज्ञापन और प्रचार

वर्ष के दौरान विज्ञापन और प्रचार पर व्यय 30.83 लाख रुपये रहा, जबकि पिछले वर्ष यह 93.42 लाख रुपये था। यह खर्च ज्यादातर नई नियुक्तियों, निविदा नोटिस आदि के संबंध में विज्ञापनों के लिए था। आपकी कंपनी अपने विज्ञापन और प्रचार व्यय के प्रबंधन के लिए विज्ञापन और प्रचार के लिए अपनी वेबसाइट के उपयोग को उत्तरोत्तर बढ़ा रही है।

18.0 हिंदी का प्रगतिशील प्रयोग

राजभाषा अधिनियम और नियमों को लागू करने के लिए भारत सरकार की नीति के अनुसार, वर्ष 2022-23 के दौरान आधिकारिक कार्यों में हिंदी को अपनाने के लिए निरंतर प्रयास किए गए। यूसीआईएल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें उक्त अधिनियम की प्रगति और कार्यान्वयन की समीक्षा करने के लिए आवधिक रूप से आयोजित की गई थीं। निरीक्षण समिति तिमाही आधार पर हिंदी में किए गए कार्यों के संबंध में कार्यालयों का निरीक्षण करती है। कंपनी की सभी इकाइयों में हिंदी पखवाड़ा मनाया गया।

अधिकारियों और कर्मचारियों दोनों ने पूरे वर्ष आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया और गणतंत्र दिवस समारोह 2023 के अवसर पर पुरस्कृत किया गया। कंपनी की सभी इकाइयों में हिंदी कार्यशालाएं आयोजित की गईं। यूसीआईएल को नगर राजभाषा कार्ययान समिति (एनएआरएकेएस), जमशेदपुर द्वारा वर्ष 2022 के दौरान हिंदी कार्यशाला और अनुषंगी कार्य के लिए प्रथम पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। आजादी का अमृत महोत्सव के भारत के राष्ट्रव्यापी उत्सव के एक हिस्से के रूप में भी मनाया गया।

19.0 लेखा परीक्षकों की नियुक्ति

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएंडएजी) द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए मैसर्स कदमावाला एंड कंपनी, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, (एसपी0276), शॉप नंबर 115, पहली मंजिल, ब्लॉक ए, क्रिस्टल आर्कड, राजीव नगर, लोधी पारा चौक के पास, रायपुर-492007 को कंपनी के वैधानिक लेखा परीक्षकों के रूप में नियुक्त किया गया था। मैसर्स कदमावाला एंड कंपनी का कार्यकाल लगातार 4 वित्तीय वर्षों तक कंपनी की सांविधिक लेखा परीक्षा करने के बाद पूरा हो गया है।

मैसर्स केएसजी एंड कंपनी चार्टर्ड अकाउंटेंट्स (ईआर0069) 301, मंगल मूर्ति हाइट्स, रानी बागान, हरमू रोड, रांची-834001 को भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सी एंड एजी) द्वारा वित्त वर्ष 2023-24 के लिए वैधानिक लेखा परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है।

20.0 लागत लेखा परीक्षा

मैसर्स केजी गोयल एंड एसोसिएट्स, नई दिल्ली को कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 148 के तहत वित्त वर्ष 2022-23 के लिए लागत लेखा परीक्षक (ओं) के रूप में नियुक्त किया गया था। कंपनी लागत लेखा रिकॉर्ड (खनन और धातु कर्म) नियम, 2001 के तहत यथा निर्धारित किया गया है, कंपनी द्वारा लागत लेखा रिकॉर्ड बनाए जा रहे हैं।

21.0 सतर्कता

आपकी कंपनी संगठन के निर्धारित नियमों और विनियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करके निवारक सतर्कता का एक उच्च मानक बनाए रखती है। केन्द्रीय सतर्कता आयोग के दिशा-निर्देशों को जब कभी प्राप्त होता है, उन्हें सख्ती से लागू किया जा रहा है। सभी प्रकार की निविदाएं आमंत्रित करने संबंधी सूचना कंपनी की वेबसाइट के साथ-साथ केन्द्रीय सार्वजनिक खरीद पोर्टल (सीपीपीपी) पर अपलोड की जा रही है। सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार 2.00 लाख से अधिक की अनुमानित लागत वाली सभी खरीद और सेवाओं के लिए ई-खरीद अनिवार्य कर दी गई है।

वर्ष के दौरान, आवधिक रिपोर्टें केन्द्रीय सतर्कता आयोग को प्रस्तुत की गई थीं। पारदर्शिता में सुधार के लिए सत्यनिष्ठा संधि के साथ-साथ धोखाधड़ी निवारण नीतिध्विसल ब्लोअर नीति जो कंपनी की वेबसाइट पर होस्ट की गई है और इसे लागू कर दिया गया है। सतर्कता इकाई का नेतृत्व पूर्णकालिक सीवीओ, श्री रोहित आरपी कुजूर, आईओएफएस द्वारा किया जाता है, जो यूसीआईएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक को रिपोर्ट करते हैं। उन्हें यूसीआईएल की विभिन्न इकाइयों के इंटरफेस के रूप में कार्य करने वाले 10 अंशकालिक सतर्कता अधिकारियों द्वारा सहायता प्रदान की जाती है।

यूसीआईएल में 31 अक्टूबर, 2022 से 6 नवंबर, 2022 तक विकसित राष्ट्र के लिए भ्रष्टाचार मुक्त भारत विषय पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। जागरूकता सप्ताह के हिस्से के रूप में क्विज/पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, हाउसकीपिंग गतिविधियां, निवारक सतर्कता पर कर्मचारियों का प्रशिक्षण, ग्राम सभा सदस्यों के बीच सतर्कता के बारे में जागरूकता पैदा करना, वेंडर मीट कुछ कार्यक्रम आयोजित किए गए।

22.0 निदेशक की नियुक्ति

निदेशकों का नाम	नियुक्ति
डॉ. कोमल कपूर, मुख्य कार्यकारी एन.एफ.सी	09-01-2023 से
श्री बी सर्वानन, निदेशक, ए एम डी	05.12.2022 से

समाप्ति निदेशक

डॉ. दिनेश श्रीवास्तव, मुख्य कार्यकारी एन.एफ.सी	31-12-2022 तक
डॉ. डी के सिन्हा निदेशक, ए एम डी	30.11.2022 तक

23.0 दृष्टिकोण

आपकी कंपनी के उत्पादन और समग्र प्रदर्शन के बारे में भविष्य का दृष्टिकोण उत्कृष्ट बना हुआ है। आपकी कंपनी ने पिछले 05 वर्षों से डीपीई से उत्कृष्ट समझौता ज्ञापन रेटिंग प्राप्त की है और वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान अब तक का सबसे अधिक यूरेनियम उत्पादन हासिल किया है।

आपकी कंपनी ने विभिन्न ग्रीन और ब्राउन फील्ड विस्तार परियोजनाओं से संबंधित पूर्व-परियोजना गतिविधियों में महत्वपूर्ण प्रगति हासिल की है। राजस्थान के सीकर जिले में स्थित रोहिल यूरेनियम परियोजना को खोलने के लिए खनन पट्टा प्रदान करने के आशय पत्र (एलओआई) के आधार पर पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने रोहिल यूरेनियम परियोजना के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति प्रदान करने के लिए विचारार्थ विषय (टीओआर) जारी किए हैं। रोहिल स्थल पर मेकॉन द्वारा पर्यावरणीय डाटा उत्पादन, एचपीयू द्वारा रेडियोलॉजिकल निगरानी, बीएआरसी, टाटा मेमोरियल सेंटर, मुंबई द्वारा जनांकिकीय एवं स्वास्थ्य सर्वेक्षण आदि जैसे आधारभूत अध्ययन प्रगति पर हैं। इन कार्यों के पूरा होने पर, ईआईएईएमपी रिपोर्टों का संकलन आगे की मंजूरी के लिए राज्य सरकार को प्रस्तुत किया जाएगा।

24.0 निदेशक की जिम्मेदारी का विवरण

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134 (3) (सी) के प्रावधानों के अनुसार, आपके निदेशक बताते हैं :

- कि वार्षिक लेखा तैयार करने में, सामग्री प्रस्थान से संबंधित उचित स्पष्टीकरण के साथ लागू लेखांकन मानकों का पालन किया गया है।
- कि आपके निदेशकों ने ऐसी लेखा नीतियों का चयन किया है और उन्हें लगातार लागू किया है और निर्णय और अनुमान लगाए हैं जो उचित और विवेकपूर्ण हैं ताकि वित्तीय वर्ष के अंत में कंपनी के मामलों की स्थिति और उस अवधि के लिए कंपनी के लाभ या हानि का सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण दिया जा सके।

- कि आपके निदेशकों ने आपकी कंपनी की परिसंपत्तियों की सुरक्षा और धोखाधड़ी और अन्य अनियमितताओं को रोकने और पता लगाने के लिए अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखा रिकॉर्ड के रखरखाव के लिए उचित और पर्याप्त देखभाल की है।
- कि आपके निदेशकों ने वार्षिक लेखा “चल रहे चिंता” के आधार पर तैयार किया है।
- यह कि आपके निदेशकों ने सभी लागू कानूनों के प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए उचित प्रणालियां तैयार की हैं और ऐसी प्रणाली पर्याप्त और प्रभावी ढंग से काम कर रही है।

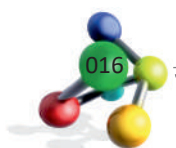
25.0 पावती

आपकी कंपनी अध्यक्ष, आईसी और सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग, अतिरिक्त सचिव, डीआई और संयुक्त सचिव (आई एंड एम), डीआई और उनके अधिकारियों की टीम, निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र और उनकी टीम, निदेशक, परमाणु खनिज अन्वेषण और अनुसंधान निदेशालय और उनकी टीम, मुख्य कार्यकारी, परमाणु ईंधन परिसर और उनकी टीम, एनपीसीआईएल, झारखंड सरकार, आंध्र प्रदेश सरकार, तेलंगाना सरकार, राजस्थान सरकार, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय, सार्वजनिक उद्यम विभाग और अन्य मंत्रालय और भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, सांविधिक लेखा परीक्षक और वाणिज्यिक लेखा परीक्षा के प्रधान निदेशक के कार्यालय और पदेन सदस्य, लेखा परीक्षा बोर्ड -4, नई दिल्ली, बैंकर्स और अन्य सभी एजेंसियां जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आपकी कंपनी से जुड़ी हैं से प्राप्त निरंतर मार्गदर्शन और समर्थन को कृतज्ञता पूर्वक स्वीकार करती है। आपकी कंपनी सभी बोर्ड सदस्यों द्वारा किए गए समर्थन, मार्गदर्शन और योगदान को ईमानदारी से स्वीकार करती है। यह अभिस्वीकृति कंपनी के कर्मचारियों को उनके ईमानदार प्रयासों और कड़ी मेहनत के लिए भी दी जाती है। कर्मचारी संघों और अधिकारियों के संघ द्वारा दिए गए सहयोग को कृतज्ञता पूर्वक स्वीकार किया जाता है। आपकी कंपनी यूसीआईएल की सुविधाओं, स्थानीय मीडिया, गैर सरकारी संगठनों और समुदाय के प्रमुख नागरिकों के पड़ोस में रहने वाले समुदाय द्वारा प्रदान किए गए समर्थन को भी स्वीकार करना चाहती है।

निदेशक मंडल की ओर से

(डॉ. सी. के. असनानी),
अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक
मुंबई

तिथि: 27 सितंबर 2023



निदेशकों की रिपोर्ट के अनुलग्नक-1

ऊर्जा संरक्षण, प्रौद्योगिकी अवशोषण और विदेशी मुद्रा अर्जन और व्यय के संबंध में बोर्ड की रिपोर्ट, नियम-8 में शामिल किए जाने वाले मामलों के साथ कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134 (3) (एम) के प्रावधान के अनुसार निदेशकों की रिपोर्ट में दी जाने वाली आवश्यक जानकारी।

I. ऊर्जा का संरक्षण :

- a) ऊर्जा संरक्षण के लिए निम्नलिखित उपाय कार्यान्वित किए गए थे
 - i) पारंपरिक लाइटों के स्थान पर एलईडी लाइटों की स्वीपना
 - ii) ऊर्जा कुशल छत पंखे की स्थापना
- b) ऊर्जा की खपत में कमी लाने के लिए अतिरिक्त निवेश के साथ निम्नलिखित प्रस्ताव किए जा रहे हैं
 - i) ऊर्जा कुशल मोटर्स का उपयोग
 - ii) वितरण प्रणाली में संधारित्र पैनल की स्थापना
 - iii) प्रकाश फीडर के लिए ऊर्जा सेवर पैनलों की स्थापना
- c) (क) और (ख) पर उपायों का प्रभाव
उपरोक्त उपाय के कारण कुल ऊर्जा की बचत : 9,86,527 KWH

अर्जित और उपयोग की जाने वाली विदेशी मुद्रा:

आपकी कंपनी किसी भी निर्यात व्यवसाय में शामिल नहीं है। तथापि, सीआईएफ आधार पर वर्ष के दौरान पुर्जों, पूंजीगत मदों आदि की खरीद के लिए उपयोग की जाने वाली विदेशी मुद्रा 1,00,000 करोड़ रुपए थी।

फॉर्म-बी

अनुसंधान और विकास और प्रौद्योगिकी अवशोषण के संबंध में विवरणों के प्रकटीकरण के लिए प्रपत्र:

झारखंड क्षेत्र

1. यूरेनियम पेरोक्साइड के वर्षण के दौरान यूरेनियम हानि को कम करने के लिए प्रयोगशाला पैमाने पर प्रयोग किए गए थे। समाधान में पीएच, तापमान, सल्फेट और क्लोराइड जैसे यूरेनियम पेरोक्साइड वर्षा को प्रभावित करने वाले कारकों को अनुकूलित किया गया था।
2. U_3O_8 के संबंध में उत्पाद ग्रेड में सुधार के लिए प्रयोग किए गए थे। यह पाया गया कि अंतिम उत्पाद के तापमान को 450 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ाने के परिणामस्वरूप शुद्ध और स्थिर उत्पाद हुआ।

प्राप्त लाभ

इष्टतम परिस्थितियों में यूरेनियम पेरोक्साइड वर्षा उपज बढ़ा सकती है और अंतिम उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार कर सकती है।

भविष्य की कार्य योजना

1. यूरेनियम विघटन प्रतिक्रिया के कैनेटीक्स के लिए नरवापहाड़ अयस्क की लीचिंग का अध्ययन करने और सबसे उपयुक्त लीचिंग मॉडल प्राप्त करने की योजना है।
2. इन-हाउस आर एंड डी अलग-अलग मापदंडों द्वारा क्षैतिज बेल्ट फिल्टर के संचालन के लिए सर्वोत्तम इष्टतम परिस्थितियों को प्राप्त करने के लिए काम करता है, ताकि यूरेनियम के नुकसान को और कम किया जा सके।

आंध्र प्रदेश क्षेत्र

पर्यावरण और प्रचालन संयंत्र के अनुकूल रसायनों के उपयोग पर जोर देने के साथ रासायनिक सह-वर्षा विधि का उपयोग करते हुए कार्बोनेट-होस्ट किए गए यूरेनियम अयस्क भंडार के खदान के पानी में यूरेनियम और रेडियम की मात्रा को कम करने के लिए संयंत्र पैमाने पर परीक्षण सफलतापूर्वक किया गया था। यह विधि उत्पाद वसूली को अधिकतम करती है और पानी को निर्वहन के लिए सुरक्षित बनाती है।

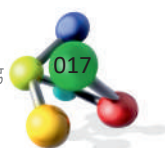
मिल टेलिंग का ड्राई स्टैकिंग

पर्यावरणीय मंजूरी और एपीपीसीबी के निर्देशों का अनुपालन करने के लिए, तुम्मलपल्ली संयंत्र के लिए ड्राई स्टैकिंग विधि की अवधारणा के साथ एक नई टेलिंग निपटान सुविधा की स्थापना शुरू की गई है ताकि मौजूदा टेलिंग तालाब की जल क्षमता समाप्त होने से पहले इसे संचालन के लिए उपलब्ध कराया जा सके। प्रस्तावित भूमि भराव सुविधा 100: क्षमता पर चल रही मिल से 7 वर्षों के लिए उत्पन्न टेलिंग को संभालेगी।

यूरेनियम पेरोक्साइड

वर्तमान में तुम्मलपल्ली संयंत्र में उत्पादित सोडियम डाई यूरानेट (एसडीयू) उत्पाद एनएफसी में अपने प्रसंस्करण के दौरान अवशिष्ट कचरा उत्पन्न करता है। यह विलायक निष्कर्षण के दौरान तीसरे चरण और क्रुड गठन जैसी परिचालन समस्याओं का कारण बनता है।

बेंच- और पायलट-प्लांट स्केल जांच सहित विस्तृत प्रयोगात्मक अध्ययनों के आधार पर, बीएआरसी ने अशुद्ध एसडीयू को उच्च शुद्धता वाले उच्च तापमान यूरेनियम पेरोक्साइड (एचटीयूपी) में परिवर्तित करके अंतिम उत्पाद (येल्लो केक) गुणवत्ता में सुधार के लिए एक प्रक्रिया प्रवाह शीट विकसित की। यह रूपांतरण एनएफसी में शोधन के दौरान एसडीयू के लिए जिम्मेदार परिचालन समस्याओं को समाप्त करता है। यह भी सुनिश्चित



करता है कि यूसीआईएल अपनी सभी परिचालन मिलों (जादूगोड़ा, तुशमडीह और तुम्मलापल्ली) से एनएफसी को एचटीयूपी नामक एक समान येल्लो केक उत्पाद की आपूर्ति करे।

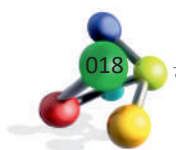
एसडीयू से एचटीयूपी में विकसित रूपांतरण प्रक्रिया अब संयंत्र पैमाने पर अनुकूलन के लिए अनुमोदन चरण में है।

भविष्य की कार्य योजना

1. आवश्यक प्रक्रिया संचालन के पूरा होने के बाद खान जल उपचार के लिए रासायनिक विधि का नियमित संचालन।
2. गोगी निक्षेप के पास जल निकायों से एकत्र किए गए पानी के उपचार के लिए एक उपयुक्त प्रक्रिया विकसित करने के लिए बेंच स्केल परीक्षण आयोजित किए जाएंगे।

अनुसंधान एवं विकास पर व्यय:

विवरण	वित्तीय वर्ष 2022-23	वित्तीय वर्ष 2021-22
(a) पूर्ज़ी	7.51 Lakhs	NIL
(b) लगान	1172.45 Lakhs	1121.62 Lakhs
Total	1179.96 Lakhs	1121.62 Lakhs



शेयरघाकों को निदेशकों की रिपोर्ट का अनुबंध -II

निगम संचालन

आपकी कंपनी अपने संचालन के सभी पहलुओं में अधिकतम स्तर की पारदर्शिता, जवाबदेही और अखंडता प्राप्त करने के लिए अच्छे कॉर्पोरेट प्रशासन का अभ्यास करने में विश्वास करती है और इस दिशा में अपने प्रयासों को जारी रखती है।

निदेशक मंडल :

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2(45) के अनुसार, यूसीआईएल एक सरकारी कंपनी है। कंपनी की पूरी चुकता पूंजी भारत के राष्ट्रपति के पास है, जिसमें 3 शेयर नामांकित व्यक्ति के पास हैं।

बोर्ड में कार्यकारी और गैर-कार्यकारी निदेशकों का अनुकूलतम संयोजन है। बोर्ड दस निदेशकों से बना है जिसमें (i) तीन पूर्णकालिक कार्यात्मक निदेशक अर्थात् अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, निदेशक (वित्त) और निदेशक (तकनीकी) और (ii) सात अंशकालिक गैर-कार्यकारी निदेशक शामिल हैं। बोर्ड नियमित अंतराल पर मिलते हैं और कंपनी के उचित निर्देशन और प्रबंधन के लिए जिम्मेदार हैं। मार्च 2023 को समाप्त वित्तीय वर्ष के दौरान 26.06.2020, 18.08.2022, 14.09.2022, 30.09.2022, 15.03.2023 और 23.03.2023 को निदेशक मंडल की पांच बैठकें आयोजित की गईं। निदेशक मंडल की संरचना, बोर्ड की बैठकों और वार्षिक आम बैठक / असाधारण आम बैठक में उपस्थिति इस प्रकार है;

नाम और पद 31.03.2023 तक	वर्ग	बोर्ड बैठक		14.09.22 को आयोजित एजीएम में उपस्थिति	अन्य निदेशकों की संख्या
		कार्यकाल के दौरान आयोजित	में भाग लिया		
कार्यकारी निदेशक					
डॉ. सी.के. असनानी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	कार्यात्मक	07	07	Yes	-
निदेशक (वित्त)	कार्यात्मक	-	-	-	-
श्री राजेश कुमार निदेशक (तकनीकी)	कार्यात्मक	07	07	-	-
गैर - कार्यकारी निदेशक					
श्री सुखदेव सिंह, आईएएस, मुख्य सचिव झारखंड सरकार	अंशकालिक पूर्व अधिकारी	07	-	-	-
श्री ए.आर. सुले, संयुक्त सचिव (आई एंड एम), डीएई	अंशकालिक पूर्व अधिकारी	07	07	Yes	-
श्री संजय कुमार संयुक्त सचिव (प्रशासन एवं लेखा), पऊवि	अंशकालिक पूर्व अधिकारी	07	07	Yes	-
डॉ. दिनेश श्रीवास्तव मुख्य कार्यकारी, एनएफसी	अंशकालिक पूर्व अधिकारी	04	04	-	-
डॉ. डी.के. सिन्हा निदेशक, एएमडी	अंशकालिक पूर्व अधिकारी	05	05	-	-
डॉ. कोमल कपूर, प्रधान कार्यकारी एनएफसी	अंशकालिक पूर्व अधिकारी	03	03		
श्री बी सरवाना, निदेशक एएमडी	अंशकालिक पूर्व अधिकारी	02	02		
कॉ प्रभात के पंडा, सेना मेडल बीरता (सेवा निवृत्त)	स्वतंत्र निदेशक	07	06		

यूसीआईएल में स्वतंत्र निदेशकों का कार्यकाल 31.08.2019 को पूरा हो गया है।

कर्मल (सेवानिवृत्त) श्री प्रवत कुमार पांडा को 26 मार्च 2022 को प्राप्त डीईई के पत्र के माध्यम से कंपनी के स्वतंत्र निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है।

यूसीआईएल में 01.09.2019 से स्वतंत्र निदेशक का एक पद अभी भी रिक्त है।

पूर्णकालिक निदेशकों का पारिश्रमिक भारत सरकार द्वारा तय किया जाता है क्योंकि कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2 (45) के संदर्भ

में एक सरकारी कंपनी है। जहां तक अंशकालिक निदेशकों का संबंध है, सरकारी अधिकारी अथवा अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के अधिकारी उनके द्वारा भाग ली जाने वाली बैठकों के लिए बैठक शुल्क के लिए पात्र नहीं हैं।

प्रत्येक बोर्ड बैठक या समिति की बैठक में भाग लेने के लिए केवल स्वतंत्र निदेशकों / 15,000 रुपये और अधिकतम 2 दिनों के लिए आकस्मिक व्यय प्रतिपूर्ति / 1,000 रुपये प्रति दिन का भुगतान किया जा रहा है।

लेखा परीक्षा समिति:

आपकी कंपनी के बोर्ड ने स्वतंत्र निदेशक कर्नल प्रवत कुमार पांडा, सेना पदक वीरता (सेवानिवृत्त) की अध्यक्षता में एक लेखा परीक्षा समिति का पुनर्गठन किया है।

लेखा परीक्षा समिति की 6 बैठकें 31.05.2022, 27.06.2022, 13.09.2022, 22.11.2022, 09.02.2023 और 23.03.2023 को आयोजित की गईं।

31.03.2023 को लेखा परीक्षा समिति की संरचना इस प्रकार है:

- | | | |
|---|---|--------|
| 1. कर्नल श्री प्रवत कुमार पांडा | : | सभापति |
| 2. श्री संजय कुमार, जेएसएए, डीईई | : | सदस्य |
| 3. डॉ. कोमल कपूर, कार्यकारी अधिकारी, एनएफसी | : | सदस्य |
| 4. श्री राजेश कुमार, निदेशक, तकनीकी, यूसीआईएल | : | सदस्य |

कंपनी सचिव, यूसीआईएल ने उपर्युक्त समिति के सचिव के रूप में कार्य किया।

पारिश्रमिक समिति :

बोर्ड के निर्देशानुसार आपकी कंपनी ने स्वतंत्र निदेशक कर्नल प्रवत कुमार पांडा, सेना पदक वीरता (सेवानिवृत्त) की अध्यक्षता में पारिश्रमिक समिति का पुनर्गठन किया है।

31.03.2023 की स्थिति के अनुसार पारिश्रमिक समिति की संरचना इस प्रकार है:

- | |
|---|
| 1. कर्नल (सेवानिवृत्त) श्री प्रवत कुमार पांडा, स्वतंत्र निदेशक वृ अध्यक्ष |
| 2. डॉ. कोमल कपूर, मुख्य कार्यकारी, एनएफसी— सदस्य |
| 3. राजेश कुमार, निदेशक (तकनीकी), यूसीआईएल— सदस्य |
| 4. निदेशक (वित्त), यूसीआईएल |

कंपनी सचिव, यूसीआईएल ने उपर्युक्त समिति के सचिव के रूप में कार्य किया।

आचार संहितारू

कंपनी ने बोर्ड के सदस्यों के साथ-साथ वरिष्ठ प्रबंधन के लिए एक आचार संहिता लागू की है और इसे कंपनी की वेबसाइट पर डाल दिया गया है।

इंटीग्रिटी पैक्ट के साथ-साथ धोखाधड़ी रोकथाम नीति & व्हिसल ब्लोअर नीति बोर्ड द्वारा अनुमोदित हैं और कंपनी की वेबसाइट में दिया गया जाती हैं।

आम सभा की बैठकें

पिछले तीन वर्षों के दौरान आयोजित वार्षिक आम बैठकें असाधारण आम बैठकें नीचे दी गई हैं।

वर्ष	दिनांक	समय	जगह
2021-22 (AGM)	14.09.2022	12.30 Hours	VC
2020-21 (AGM)	28.09.2021	12.30 Hours	VC
2019-20 (AGM)	11.11.2020	15.15 Hours	VC

फार्म स0 एम जी टी - 9

वार्षिक विवरण का सारांश

दिनांक 31.03.2023 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 92 (3) और कंपनी (प्रबंधन एवं प्रशासन) विनियम, 2014
के नियम 12 (1) के अनुसार

I. पंजीकरण एवं अन्य विवरण

I	सीआइएन	(CIN : U 12000 JH 1967 GOI 000806)
II	पंजीकरण की तिथि	04 / 10 / 1967
III	कंपनी का नाम	यूरेनियम कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
IV	कंपनी की श्रेणी / उप-श्रेणी	सरकारी कंपनी
V	"पंजीकृत कार्यालय का पता और संपर्क विवरण"	पीओ : जादूगोड़ा खान जिला : सिंहभूम पूर्वी झारखंड : 832 102 दूरभाष : 0657-2730122 / / 222 / 353 फैक्स : 0657-2730322 ई-मेल : cs@uraniumcorp.in विजिट करें : www.uraniumcorp.in
VI	क्या सूचीबद्ध कंपनी है	नहीं
VII	रजिस्ट्रार और ट्रांसफर एजेंट का नाम, पता और संपर्क विवरण, यदि कोई हो।	लागू नहीं

II. कंपनी की प्रमुख व्यावसायिक गतिविधियाँ

कंपनी के कुल कारोबार में 10: या उससे अधिक का योगदान करने वाली सभी व्यावसायिक गतिविधियों को बताया जाना है।

क्र.सं.	मुख्य उत्पादों/सेवाओं का नाम एवं विवरण	उत्पाद/सेवा का एनआईसी कोड	कंपनी का कुल % व्यवसाय
1	U ₃ O ₈ यूरेनियम अयस्क का खनन एवं प्रसंस्करण	लागू नहीं	100

कंपनी पूर्ण रूप से भारत के राष्ट्रपति के स्वामित्व में है।

शेयरधारण का विवरण

भारत के राष्ट्रपति द्वारा धारित शेयर	:	20946175
सरकारी नामितों द्वारा धारित शेयर	:	03
शेयरों की कुल संख्या (अंकित मल्यू रु.1000/- प्रत्येक)	:	<u>20946178</u>

ऋणग्रस्तता

रु. लाख में
31.03.2021 31.03.2020

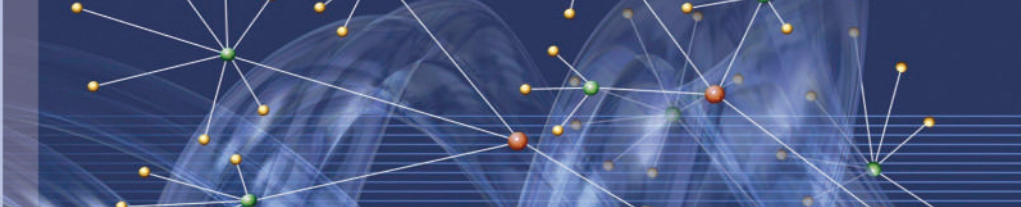
सुरक्षित ऋण (फिक्स्ड डिपॉजिट पर ओवरड्राफ्ट)

असुरक्षित ऋण :

एसबीआई, जादूगोड़ा से लघु अवधि की नकद साख (सीसी)

एनपीसीआईएल से ऋण

	शून्य	शून्य
	शून्य	शून्य
कुल रु.	शून्य	शून्य



धारा 149 (6) के तहत स्वतंत्र निदेशकों द्वारा घोषणा

कर्मल (सेवानिवृत्त) श्री प्रवत कुमार पांडा को 26 मार्च 2022 को प्राप्त डीआई के दिनांक 24 मार्च 2022 के पत्र के माध्यम से कंपनी के स्वतंत्र निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है और प्रावधानों का अनुपालन किया गया है।

धारा 134 (1) के तहत बोर्ड और निदेशकों के प्रदर्शन का मूल्यांकन

यूसीआईएल एक सरकारी कंपनी है जहां निदेशकों की नियुक्ति भारत सरकार द्वारा की जाती है। पारिश्रमिक आदि का निर्णय डीपीई दिशा-निर्देशों के अनुसार किया जाता है। निदेशकों का कार्यकाल भी सरकार द्वारा तय किया जाता है। इसके अलावा, यूसीआईएल एक सूचीबद्ध कंपनी नहीं है। इसलिए, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134 के तहत अपेक्षित योग्यता, सकारात्मक विशेषताओं आदि के निर्धारण के मानदंड सहित निदेशक मंडल और निदेशकों के प्रदर्शन मूल्यांकन के साथ-साथ निदेशक की नियुक्ति और पारिश्रमिक पर नीति नहीं दी गई है क्योंकि सरकारी कंपनी को इन प्रावधानों से छूट दी गई है।

प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक (केएमपी)

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2 (51) के तहत प्रमुख प्रबंधकीय कामकों (केएमपी) के प्रति प्रकटीकरण निम्नानुसार है:

- डॉ. सी. के. असनानी, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक
- श्री राजेश कुमार, निदेशक (तकनीकी) (15.06.2021 अपराह्न से प्रभावी)
- श्री बी सी गुप्ता, कंपनी सचिव

कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न पर रोक

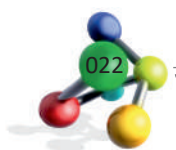
कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के निषेध पर एक समिति का गठन कार्यस्थल पर श्रमिकों के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम 2013 की धारा 4 के तहत किया गया है। वर्ष के दौरान, आपकी कंपनी को यौन उत्पीड़न पर कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

संबंधित पक्षों के साथ अनुबंध

कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 134 (3) (एच) के तहत वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए जानकारी का खुलासा करना आवश्यक है। इसलिए, फॉर्म एओसी -2 को कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 134 (3) (एच) के तहत आवश्यक बोर्ड की रिपोर्ट के साथ संलग्न नहीं किया गया है, जिसे कंपनी (लेखा) नियम 2014 के नियम 8 (2) के साथ पढ़ा जाता है। सेवाओं को प्राप्त करने के लिए संबंधित पक्ष प्रकटीकरण का उल्लेख वार्षिक लेखा के नोट 32 के तहत किया गया है।

जोखिम प्रबंधन

यूसीआईएल मानता है कि जोखिम किसी भी व्यावसायिक गतिविधि में अंतर्निहित है और कंपनी की तत्काल और भविष्य की सफलता के लिए जोखिम को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करना महत्वपूर्ण है। कंपनी के पास एक प्रणाली है जो जोखिमों की देखरेख करने, भौतिक व्यावसायिक जोखिमों के प्रबंधन में मदद करती है और कंपनी के आंतरिक नियंत्रण में भी मदद करती है।



सीएसआर अनुलग्नक, निदेशक रिपोर्ट 2022-23

1. कंपनी की सीएसआर नीति पर संक्षिप्त रूपरेखा.

यूसीआईएल में कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी नैतिक रूप से कार्य करने और समुदाय और समाज के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करते हुए व्यापार के माध्यम से समाज और ग्रह के सामंजस्यपूर्ण और सतत विकास में योगदान करने के लिए एक निरंतर प्रतिबद्धता है।

इसलिए, सीएसआर अपने हितधारकों के हितों को पहचानते हुए आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ तरीके से काम करने के लिए संगठन की प्रतिबद्धता है।

2. सीएसआर समिति की संरचना (31.03.2023 तक)

क्रम सं	निदेशक का नाम	निदेशक पद का पदनाम/प्रेति	वर्ष के दौरान आयोजित सीएसआर समिति की बैठकों की संख्या	वर्ष के दौरान सीएसआर समिति की बैठकों की संख्या
1.	कर्नल पी.के. पांडा	निदेशक	3	3
2.	श्री राजेश कुमार	निदेशक	3	3
3.	श्री संजय कुमार, संयुक्त सचिव (ए एंड ए), डीआई	निदेशक	3	3
4.	डॉ. कोमल कपूर, मुख्य कार्यकारी एनएफसी	निदेशक	3	3

3. कंपनी की वेबसाइट पर एक वेब-लिंक प्रदान करें जहां सीएसआर समिति की संरचना, सीएसआर नीति और बोर्ड द्वारा अनुमोदित सीएसआर परियोजनाओं का खुलासा किया जाता है।

<https://www-uraniumcorp-in/>

4. कंपनी (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व नीति) नियम, 2014 के नियम 8 के उप-नियम (3) के अनुसरण में की गई सीएसआर परियोजनाओं के प्रभाव मूल्यांकन का विवरण प्रदान करें, यदि लागू हो (रिपोर्ट संलग्न करें)।

लागू नहीं

5. कंपनी (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व नीति) नियम, 2014 के नियम 7 के उप-नियम (3) के अनुसरण में स्थापित करने के लिए उपलब्ध राशि और वित्तीय वर्ष के लिए निर्धारित की गई राशि, यदि कोई हो, का विवरण

क्रम संख्या	वित्तीय वर्ष	पिछले वित्तीय वर्षों से सेट-ऑफ के लिए उपलब्ध राशि (लाख रुपये में)	वित्तीय वर्ष के लिए निर्धारित की जाने वाली आवश्यक राशि, यदि कोई हो (लाख रुपये में)
1.	2022-23	218.93 lakh (2021-22)	86.11 lakh
2.			
3.			
कुल		218.93 lakh	86.11 lakh

6. धारा 135(5) के अनुसार कंपनी का औसत शुद्ध लाभ.रु 66583.92 लाख रुपये

7. (a) धारा 135 (5) के अनुसार कंपनी के औसत शुद्ध लाभ का दो प्रतिशतरु 1331.68 लाख रुपये

(b) पिछले वित्तीय वर्षों की सीएसआर परियोजनाओं या कार्यक्रमों या गतिविधियों से उत्पन्न अधिशेषरु शून्य

(c) वित्तीय वर्ष के लिए निर्धारित की जाने वाली आवश्यक राशि, यदि कोईरु शून्य

(d) वित्तीय वर्ष के लिए कुल सीएसआर दायित्व (7a+7b&7c) : 1331.68 लाख रुपये

8. (a) वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई या खर्च न की गई सीएसआर राशि :

8. (ए) वित्तीय वर्ष के लिए खर्च या अव्ययित सीएसआर राशि :

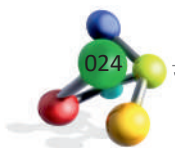
वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई कुल राशि। (रुपये में)	अव्ययित राशि (रुपये में)				
	धारा 135(6) के अनुसार अव्ययित सीएसआर खाते में हस्तांतरित कुल राशि।		धारा 135(5) के दूसरे परंतुक के अनुसार अनुसूची VII के तहत निर्दिष्ट किसी भी फंड को हस्तांतरित राशि।		
रु. 1294.08 लाख	राशि शून्य	स्थानांतरण की तिथि।	फंड का नाम शून्य	राशि	स्थानांतरण की तिथि।

(बी) वित्तीय वर्ष के लिए चल रही परियोजनाओं के खिलाफ खर्च की गई सीएसआर राशि का विवरण : शून्य

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
क्र.सं.	परियोजना का नाम	अनुसूची VII में अधिनियम की गतिविधियों की सूची से आइटम	स्थानीय क्षेत्र (हां/नहीं)	परियोजना का स्थान	परियोजना अवधि	परियोजना के लिए आवंटित राशि (रुपये में)।	चालू वित्तीय वर्ष में खर्च की गई राशि (रुपये में)	धारा 135(6) (रुपये में) के अनुसार परियोजना के लिए अव्ययित सीएसआर खाते में हस्तांतरित राशि।	कार्यान्वयन का तरीका - प्रत्यक्ष (हां/नहीं)	कार्यान्वयन का तरीका - कार्यान्वयन एजेंसी के माध्यम से नाम सीएसआर पंजीकरण संख्या
1.										
2.										
3.										
	कुल									

(सी) वित्तीय वर्ष के लिए चल रही परियोजनाओं के अलावा अन्य पर खर्च की गई सीएसआर राशि का विवरण: लाख रुपये में

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
क्र. सं.	परियोजना का नाम	अनुसूची VII में अधिनियम की गतिविधियों की सूची से आइटम	स्थानीय क्षेत्र (हां/नहीं)	परियोजना का स्थान	परियोजना के लिए खर्च की गई राशि (रुपये में)।	कार्यान्वयन का तरीका - प्रत्यक्ष (हां/नहीं)	कार्यान्वयन का तरीका - कार्यान्वयन एजेंसी के माध्यम से नाम सीएसआर पंजीकरण संख्या
				राज्य	जिला		
1.	स्वास्थ्य देखभाल	स्वास्थ्य देखभाल	हाँ	झारखंड, सिंहभूम पूर्व	117	सीधे कंपनी द्वारा	लागू नहीं
2.	शिक्षा और कौशल	शिक्षा	हाँ	झारखंड, सिंहभूम पूर्व	35	सीधे कंपनी द्वारा	लागू नहीं
3.	महिला सशक्तिकरण	महिला सशक्तिकरण	हाँ	झारखंड, सिंहभूम पूर्व	5	सीधे कंपनी द्वारा	लागू नहीं
4	सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष	सशस्त्र बल के पूर्व सैनिक, युद्ध, विधवाएं/आश्रित	हाँ	झारखंड, सिंहभूम पूर्व	10	सीधे कंपनी द्वारा	लागू नहीं
5	आकृति केंद्र	विकास परियोजनाओं	हाँ	अरुणाचल डीएई	800	सीधे कंपनी द्वारा	लागू नहीं
6	पेयजल और स्वच्छता	सुरक्षित पेयजल	हाँ	झारखंड, सिंहभूम पूर्व	44	सीधे कंपनी द्वारा	लागू नहीं
7	खेल और संस्कृति	खेल	हाँ	झारखंड, सिंहभूम पूर्व	12	सीधे कंपनी द्वारा	लागू नहीं
8	विकास परियोजनाओं	विकास परियोजनाओं	हाँ	झारखंड, सिंहभूम पूर्व	271	सीधे कंपनी द्वारा	लागू नहीं
	कुल				1294		



(जी) सेट-ऑफ के लिए अतिरिक्त राशि, यदि कोई हो

क्र. सं.	विवरण	राशि (रुपये में)
(i)	धारा 135(5) के अनुसार कंपनी के औसत शुद्ध लाभ का दो प्रतिशत	1075.15 लाख
(ii)	वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई कुल राशि	1294.08 लाख
(iii)	वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई अतिरिक्त राशि {(ii)-(i)}	218.93 लाख
(iv)	सीएसआर परियोजनाओं या पिछले वित्तीय वर्षों के कार्यक्रमों या गतिविधियों से उत्पन्न अधिशेष, यदि कोई हो	शून्य
(v)	आगामी वित्तीय वर्षों में सेट-ऑफ के लिए उपलब्ध राशि {(iii)-(iv)}	218.93 लाख

9. (ए) पिछले तीन वित्तीय वर्षों के लिए अव्ययित सीएसआर राशि का विवरण : शून्य

क्र.सं.	पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष	धारा 135 (6) के तहत अव्ययित सीएसआर खाते में हस्तांतरित राशि (रुपये में)	रिपोर्टिंग वित्तीय वर्ष में खर्च की गई राशि (रुपये में)	धारा 135(6) के अनुसार अनुसूची VII के तहत निर्दिष्ट किसी भी फंड को हस्तांतरित राशि, यदि कोई हो			आगामी वित्तीय वर्षों में व्यय की जाने वाली शेष राशि। (रुपये में)
				फंड का नाम	राशि (रुपये में)	स्थानांतरण की तिथि	
1.							
2.							
3.							
	कुल						

(बी) पिछले वित्तीय वर्ष (वर्षों) की चल रही परियोजनाओं के लिए वित्तीय वर्ष में खर्च की गई सीएसआर राशि का विवरण: शून्य

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
क्र.सं.	परियोजना आईडी	परियोजना का नाम	वित्तीय वर्ष जिसमें परियोजना शुरू की गई थी	परियोजना अवधि	परियोजना के लिए आवंटित कुल राशि (रुपये में)	रिपोर्टिंग वित्तीय वर्ष में परियोजना पर खर्च की गई राशि (रुपये में)	वित्तीय वर्ष की रिपोर्टिंग के अंत में खर्च की गई संचयी राशि (रुपये में)	परियोजना की स्थिति - पूर्ण / जारी
1								
2								
3								
	कुल							

10. पूंजीगत संपत्ति के निर्माण या अधिग्रहण के मामले में, वित्तीय वर्ष में खर्च किए गए सीएसआर के माध्यम से इस प्रकार बनाई या अर्जित की गई संपत्ति से संबंधित विवरण प्रस्तुत करें. लागू नहीं

(संपत्ति-वार विवरण)

(ए) पूंजीगत संपत्ति के निर्माण या अधिग्रहण की तिथि: शून्य

(बी) पूंजीगत संपत्ति के निर्माण या अधिग्रहण के लिए खर्च की गई सीएसआर की राशि: शून्य

(सी) इकाई या सार्वजनिक प्राधिकरण या लाभार्थी का विवरण जिनके नाम पर ऐसी पूंजीगत संपत्ति पंजीकृत है, उनका पता आदि: शून्य

(डी) सृजित या अर्जित (पूंजीगत संपत्ति का पूरा पता और स्थान सहित) पूंजीगत संपत्ति (संपत्तियों) का विवरण प्रदान करें: शून्य

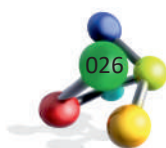
11. कारण निर्दिष्ट करें, यदि कंपनी धारा 135(5) के अनुसार औसत शुद्ध लाभ का दो प्रतिशत खर्च करने में विफल रही है : लागू नहीं

प्रमुख आंकड़े

अनुलग्नक-I

(रु. लाख में)

विवरण	2022-23	2021-22	2022-23 की तुलना में वृद्धि (कमी)	2021-22 की तुलना में वृद्धि (कमी) % के रूप में
क. परिचालन परिणाम				
कारोबार	219211.2	257176.21	-37965.01	-15%
सकल आय	227957.95	261472.02	-33514.07	-13%
सकल व्यय	218240.65	183724.38	34516.27	19%
सकल लाभ	9717.3	77747.64	-68030.34	-88%
कर के बाद शुद्ध लाभ	6570.3	57672.01	-51101.71	-89%
ख. वर्ष के अंत में वित्तीय स्थिति				
शेयर पूंजी	209461.78	209461.78	0	0%
अन्य इक्विटी	160811.07	185008.24	-24197.17	-13%
नियोजित पूंजी	396924.17	420292.62	-23368.45	-6%
कुल मूल्य (नेटवर्थ)	370272.85	394470.02	-24197.17	-6%
सकल ब्लॉक	334448.27	310538.69	23909.58	8%
मूलह्रास	163282.43	136856.66	26425.77	
शुद्ध ब्लॉक	171165.84	173682.03	-2516.19	-1%
माल सूची (इंवेन्टरी)	20488.9	21594.47	-1105.57	-5%
ग. लाभ प्रदत्ता एवं अन्य अनुपात				
(i) प्रतिशत :				
बिक्री में सकल लाभ/हानि	0%	30%		
बिक्री में शुद्ध लाभ/हानि	0%	22%		
कुल मूल्य में सकल लाभ/हानि	0%	20%		
कुल मूल्य में शुद्ध लाभ/हानि	0%	15%		
नियोजित पूंजी में शुद्ध लाभ/हानि	0%	18%		
नियोजित पूंजी में सकल लाभ/हानि	0%	14%		
इक्विटी पूंजी में सकल लाभ/हानि	0%	37%		
बिक्री के लिए माल सूची	0%	8%		
नियोजित पूंजी की बिक्री	8	0%	61%	
(ii) अनुपात :				
वर्तमान परिसंपत्तियां एवं वर्तमान देयताएं	: 1 31	: 1		
वर्तमान देनदारियों के लिए त्वरित संपत्ति	2.28:1	2.83:1		



अनुगणक – II

कंपनी का वित्तीय स्थिति

31 मार्च 2022 और 2023 को तुलन-पत्र सारांश

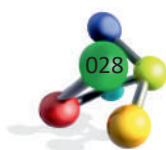
(रु. लाख में)

क्रम. स.	विवरण	2022-23	2021-22	2022-2023 की तुलना में वृद्धि/कमी
1	कंपनी का स्वामित्व			
(क)	अचल संपत्ति			
	सकल ब्लॉक	321664.59	297755.01	23909.58
	घटायी: संचित मूल्यह्रास	151102.79	124762.22	26340.57
	नेट ब्लॉक	170561.8	172992.79	-2430.99
	अपूर्त परिसम्पतियाँ	604.04	689.24	-85.2
	अन्य दीर्घकालीन ऋण एवं अग्रिम (वित्तीय व गैर वित्तीय) गैर	112271.51	85359.8	26911.71
	मौजूदा पूंजीगत कार्य/स्टॉक		0	0
	प्रगतिशील पूंजीगत कार्य/स्टॉक	22619.82	27496.68	-4876.86
	उप-योग(क)	306057.17	286538.51	19518.66
(ख)	चालू परिसम्पति			
	(i) सम्पत्ति सूची	20488.9	21594.47	-1105.57
	(ii) प्राप्त योग्य व्यापार	21897.74	128764.81	-106867.07
	(iii) ऋण एवं अन्य वित्तीय सम्पतियाँ	7541.6	3242.76	4298.84
	(iv) नकद और बैंक अधिशेष	78852.96	29741.32	49111.64
	(v) अन्य चालू सम्पतियाँ	17271.96	11819.87	5452.09
	उप-योग(ख)	146053.16	195163.23	-49110.07
	कुल { 1(क)+(ख)}	452110.33	481701.74	-29591.41
2	कंपनी का स्वामित्व			
(क)	गैर वित्तीय देनदारियाँ, सेवाओं, चालू देनदारियाँ तथा अन्य प्रावधानों के लिए	75749.01	78439.8	-2690.79
(ख)	कंपनी शुद्ध मालियत इक्विटी शेयर पूंजी अन्य इक्विटी			
		209461.78	209461.78	0
		160811.07	185008.24	-24197.17
	उप-योग(ख)	370272.85	394470.02	-24197.17
(ग)	आस्थागत कर दायित्व			
		6088.47	8791.92	-2703.45
	कुल { 1(क)+(ख)+(ग)}	452110.33	481701.74	-29591.41

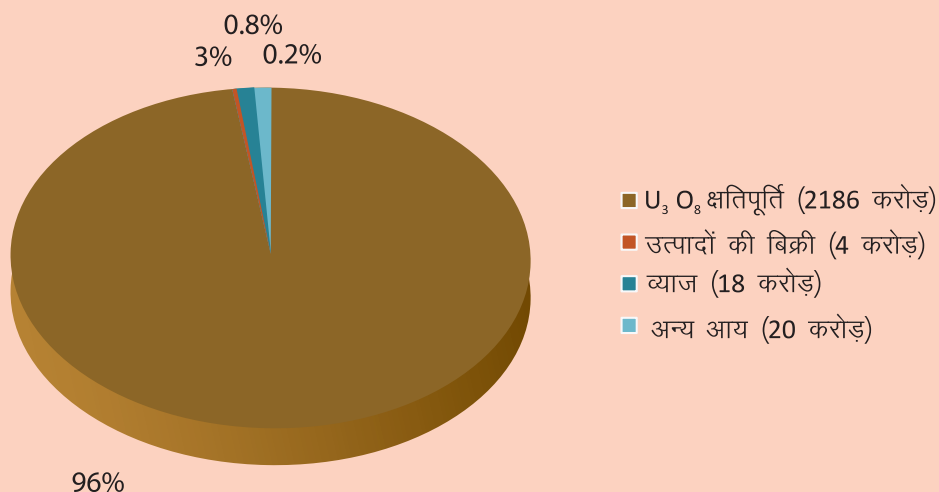
कंपनी का आय और व्यय का विवरण

31 मार्च 2022 और 2023 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ और हानि लेखा का सारांश

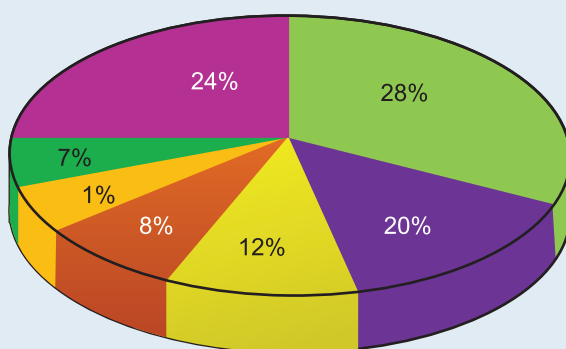
क्रम. स.	विवरण	2022-23	2021-22	2022-2023 की तुलना में वृद्धि/कमी
1	कंपनी का स्वामित्व			
	कंपनी की आय			
	क) परमाणु ऊर्जा विभाग द्वारा यूरेनियम सांद्रता के अधिकरण से	218644.64	256560.06	-37915.42
	ख) गौण उत्पादों की बिक्री से (उत्पाद शुल्क को छोड़कर)	566.56	616.15	-49.59
	ग) अन्य प्राप्तियाँ	8746.75	4295.81	4450.94
	उप-योग	227957.95	261472.02	-33514.07
	घ) अंतिम रखाँक में वृद्धि/कमी	-2298.21	-1028.57	-1269.64
	कुल (1)	225659.74	260443.45	-34783.71
2	कंपनी द्वारा भुगतान और व्यवस्था			
	क) खपत की गई सामग्री की लागत	25841.52	16831.34	9010.18
	ख) कर्मचारी लाभ व्यय	60408.46	58742.6	1665.86
	ग) वित्तीय लागत (व्याज व्यय)	754.93	71.05	683.88
	घ) मूल्यहास और परिशोधन व्यय	26425.07	22815.23	3609.84
	इ) अन्य व्यय	102512.46	84235.59	18276.87
	कुल (2)	215942.44	182695.81	33246.63
3	कंपनी का सकल लाभ समायोजन से पहले	9717.30	77747.64	-68030.34
	घटाया : आयकर के लिए प्रावधान (आस्थागित कर सहित)	3147	20075.63	-16928.63
4	अवधि के लिए शुद्ध लाभ	6570.30	57672.01	-51101.71
	वर्ष के लिए अन्य व्यापक आय	-843.49	-271.8	-571.69
5	वर्ष के लिए व्यापक आय	5726.81	57400.21	-51673.40



आय का वर्गीकरण

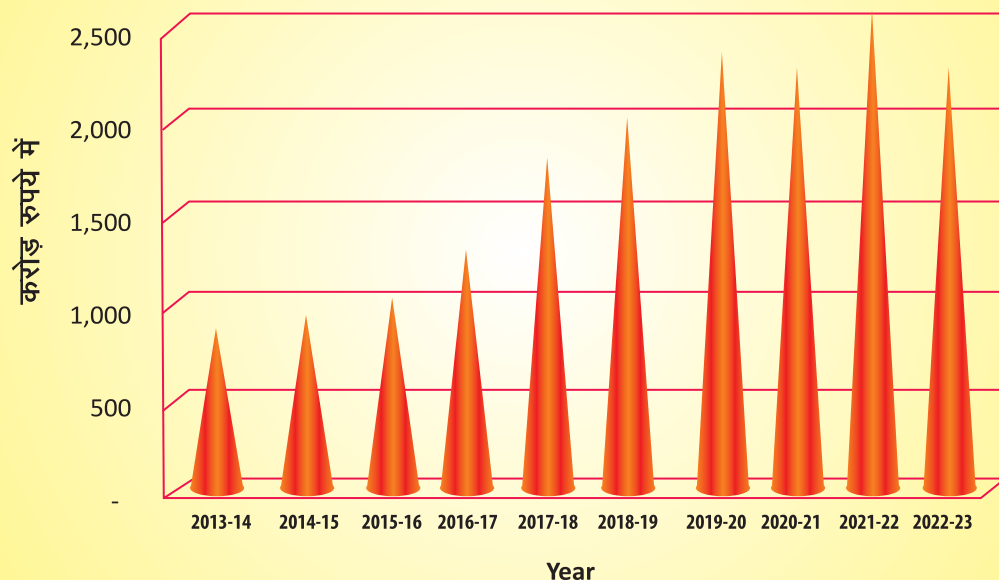


व्यय/परिचय का वितरण

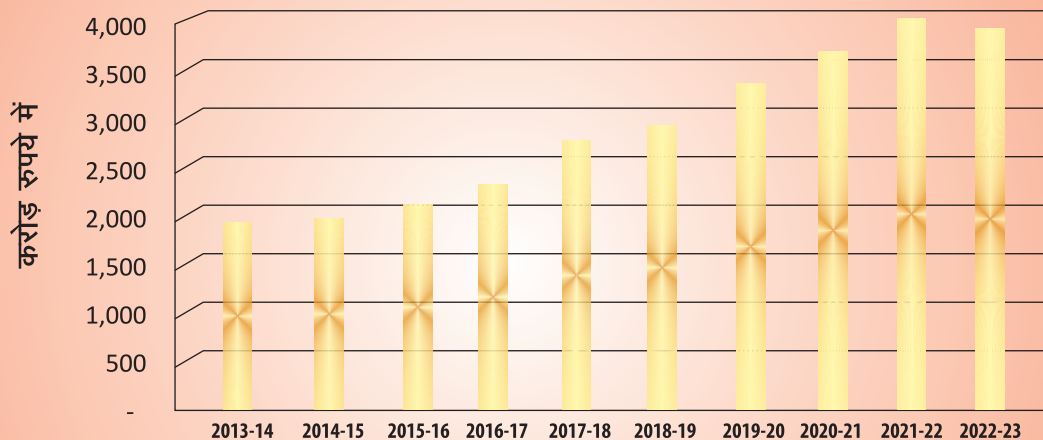


- कर्मचारियों का भुगतान (604 करोड़) 28%
- कच्चा माल, स्टोर और स्पेयर्स (442 करोड़) 20%
- ह्रास (264 करोड़) 12%
- मरम्मत एवं अनुरक्षण व्यय (166 करोड़) 8%
- कर (आस्थागत कर सहित) (31 करोड़) 1%
- ऊर्जा (152 करोड़) 7%
- अन्य व्यावसायिक व्यय (523 करोड़) 24%

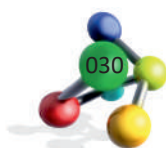
आय में बृद्धि



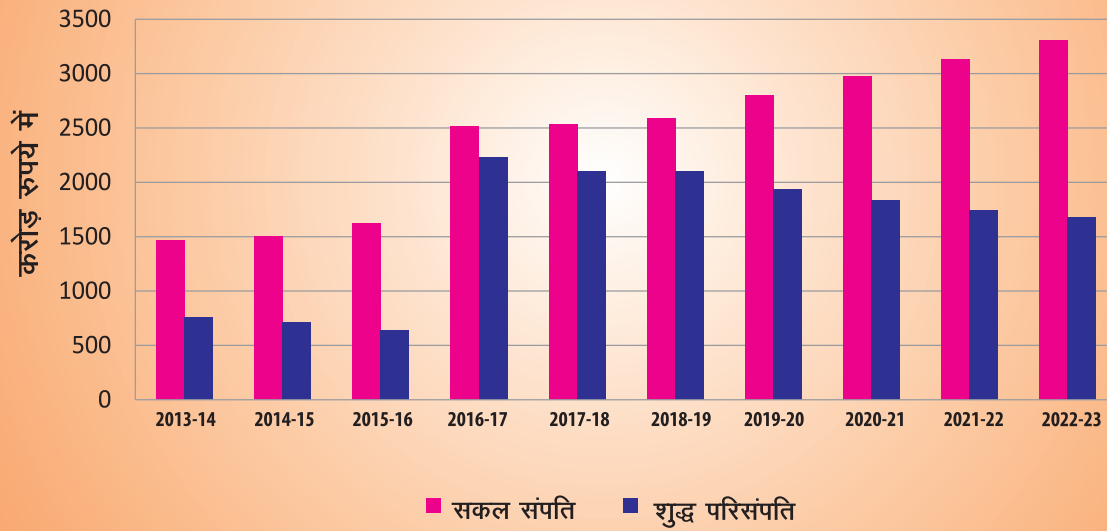
निवल संपत्ति में बृद्धि



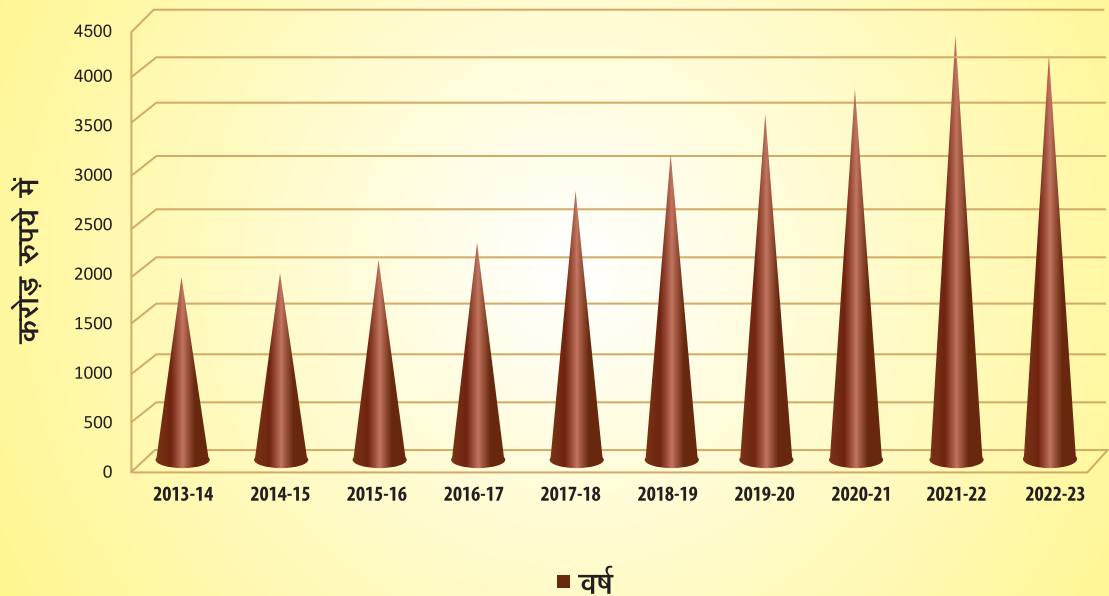
आरक्षित एवं अधिकोष	365	361	426	550	848	753	1157	1463	1850	1608
इक्विटी	1470	1540	1565	1616	1816	2070	2070	2095	2095	2095



सकल एवं शुद्ध परिसंपत्ति

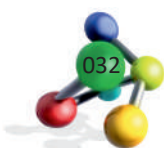


नियोजित पूंजी





टीबी मुक्त कार्यशाला नीति और टीबी को समाप्त करने के लिए कॉर्पोरेट एंगेजमेंट पर राज्य शिखर सम्मेलन 12.07.2023 को रांची में आयोजित किया गया, जिसमें मुसाबोनी, पोटका और के 616 टीबी रोगियों को गोद लेकर टीबी मुक्त झारखंड बनाने में सीएस के तहत 73.92 लाख रुपये के योगदान के लिए यूसीआईएल को सम्मानित किया गया। जुगसलाई ब्लॉक एक वर्ष की अवधि के लिए।



स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

सेवा में

यूरेनियम कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के सदस्य

वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा की रिपोर्ट

हमने यूरेनियम कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (इसके बाद फ़क़्त कंपनी के रूप में संदर्भित) के वित्तीय विवरणों का लेखा-जोखा किया है, जिसमें 31 मार्च, 2023 को बैलेंस शीट, अन्य व्यापक आय के विवरण सहित लाभ और हानि का विवरण, समाप्त वर्ष के लिए नकदी प्रवाह विवरण, वित्तीय विवरण के लिए नोट्स और महत्वपूर्ण लेखा नीतियों का सारांश और कंपनी की अन्य व्याख्यात्मक जानकारी शामिल है।

हमारी राय में और सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, उपरोक्त वित्तीय विवरण कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) द्वारा आवश्यक जानकारी को आवश्यक तरीके से देते हैं और एक सही और निष्पक्ष जानकारी देते हैं। कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 133 के तहत निर्धारित भारतीय लेखा मानकों के अनुरूप, कंपनी (भारत लेखा मानक) नियम, 2015 के साथ पठित, जैसा कि संशोधित है, ("आईएनएस एएस") और भारत में आम तौर पर स्वीकृत अन्य लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप है।

ए) 31 मार्च, 2022 तक कंपनी की स्थिति की बैलेंस शीट

बी) लाभ और हानि के विवरण के मामले में, समाप्त वर्ष के लिए अन्य व्यापक आय और नकदी प्रवाह विवरण सहित इसका लाभ

राय का आधार

हमने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 (10) के तहत निर्दिष्ट ऑडिटिंग (एसएसएस) के मानकों के अनुसार वित्तीय विवरणों के ऑडिट का आयोजन किया। उन मानकों के तहत हमारे उत्तरदायित्वों का वर्णन हमारी रिपोर्ट के वित्तीय विवरण अनुभाग के लेखापरीक्षक के उत्तरदायित्वों में किया गया है। हम कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधान के तहत वित्तीय विवरणों के हमारे ऑडिट के लिए प्रासंगिक नैतिक आवश्यकता के साथ-साथ भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी आचार संहिता के अनुसार कंपनी और उसके तहत बनाए गए नियम से स्वतंत्र हैं और हमने इन आवश्यकताओं और आईसीएआई की आचार संहिता के अनुसार अपनी अन्य नैतिक जिम्मेदारियों को पूरा किया है। हम मानते हैं कि हमारे द्वारा प्राप्त लेखा परीक्षा साक्ष्य वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त है।

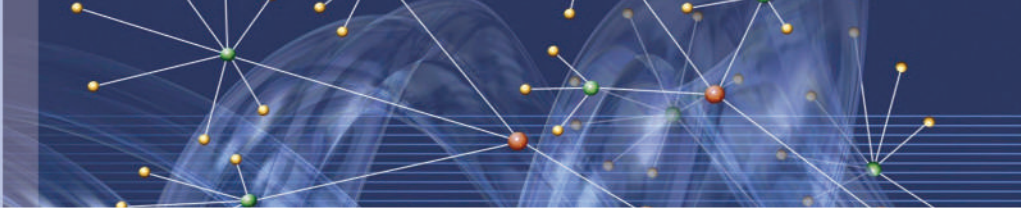
प्रमुख लेखापरीक्षा मामले:

मुख्य ऑडिट मैटर (केएएम) वे मामले हैं, जो हमारे पेशेवर निर्णय में, वर्तमान अवधि के वित्तीय विवरणों के हमारे ऑडिट में सबसे महत्वपूर्ण थे। इन मामलों को समग्र रूप से वित्तीय विवरण की हमारी लेखापरीक्षा और उस पर अपनी राय बनाने के संदर्भ में संबोधित किया गया था, और हम इन मामलों पर एक अलग राय प्रदान नहीं करते हैं।

मामलों पर जोर

हम वित्तीय विवरणों की टिप्पणियों में निम्नलिखित मामलों की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं

- हम महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों के बिंदु संख्या -2.8 की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं - मूल्यहास, वित्तीय विवरणों के नोट नंबर -3 और नोट नंबर -26 के साथ पढ़ा जाता है, कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची -2 में निर्धारित उपयोगी जीवन के बजाय तकनीकी अनुमान के आधार पर परिसंपत्तियों के उपयोगी जीवन पर कुछ परिसंपत्तियों पर मूल्यहास प्रदान किया है।

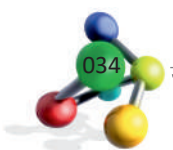


- 2) हम महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों के बिंदु संख्या -2.8 पर ध्यान आकर्षित करते हैं - मूल्यहास, वित्तीय विवरणों के नोट नंबर -3 और नोट नंबर -26 के साथ पढ़ा जाता है, कंपनी ने कुछ अचल संपत्तियों का निर्धारित बचाव मूल्य प्रदान किया है।
- 3) हम नोट संख्या-21 - विवरणों के संचालन से राजस्व की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं, जिसमें कंपनी ने पिछले वर्षों से संबंधित यूरेनियम की बिक्री के लिए डीईई द्वारा मुआवजे की दर में कमी के आधार पर वित्तीय वर्ष 2022-23 के संचालन से अपने राजस्व को 39,204.60 लाख रुपये तक प्रदान किया है। समायोजित किया है।
- 4) बकाया पार्टी संतुलन पार्टियों से सुलह और पुष्टि के अधीन हैं। विशेष रूप से मेकॉन लिमिटेड के साथ लेन-देन का वर्षों से मिलान नहीं किया गया है और मेकॉन लिमिटेड से कोई शेष राशि की पुष्टि प्राप्त नहीं हुई है।
- 5) हम केपीएम परियोजना के लिए नोट संख्या 35.11 पर ध्यान आकर्षित करते हैं, कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान उक्त परियोजना को बंद कर दिया है और खातों की किताबों में रु.1004.76 लाख रुपये का प्रावधान किया है, हालांकि वही केपीएम परियोजना नोट संख्या 4 के तहत दिखाई दे रही है - पूंजीगत कार्य प्रगति पर - पूर्व-परियोजना व्यय और खातों की पुस्तक में रु.1004.76 लाख रुपये की काल्पनिक देनदारी भी दर्ज की गई है।
- 6) हम नोट संख्या 35.9 मेसर्स माहेश्वरी एंटरप्राइजेज की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं और अंबिका एंटरप्राइजेज को काम पूरा करने के लिए अनुबंध दिया गया था, जो 31.12.2014 तक अंतिम रूप से विस्तारित समय सीमा के अनुसार पूरा करने में विफल रहे। कंपनी ने बैंक गारंटी के रूप में 247.61 लाख रुपये का अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट (ईएमडी) लिया है जो 14.01.2015 को समाप्त हो गया है। उक्त परियोजना के लिए प्रगति पर चल रहा पूंजीगत कार्य एक विशेषज्ञ से उचित मूल्य पर मूल्यांकन करने और तदनुसार निपटने के लिए लंबित है। कंपनी ने मुकदमा प्रक्रिया शुरू कर दी है और मेसर्स माहेश्वरी एंटरप्राइजेज और अंबिका एंटरप्राइजेज से 103.47 करोड़ रुपये की वसूली के लिए मध्यस्थ नियुक्त किए हैं। हालांकि, विक्रेताओं ने वाणिज्यिक अदालत से संपर्क किया और वाणिज्यिक अदालत ने मेसर्स माहेश्वरी एंटरप्राइज और मेसर्स अंबिका एंटरप्राइज के पक्ष में फैसला सुनाया। कंपनी ने वाणिज्यिक अदालत के आदेश के खिलाफ झारखंड के माननीय उच्च न्यायालय, रांची में अपील की। इसके बाद, प्रबंधन आगे की कानूनी कार्यवाही शुरू करने की प्रक्रिया में है।
- 7) हम मोहुलडीह खानों के संबंध में चल रहे पूंजीगत कार्य से संबंधित लेखाओं की टिप्पणियों के नोट संख्या 35.10 की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं कि मोहलडीह खदान में 283 मीटर वर्टिकल शाफ्ट सिंकिंग और इसके उपकरण का काम मेसर्स माहेश्वरी एंटरप्राइजेज और अंबिका एंटरप्राइजेज (जेवी) को कुल लागत 18.63 करोड़ रुपए पर दिया गया। चूंकि, ठेकेदार ने काम पूरा किए बिना साइट छोड़ दी, कंपनी जोखिम और लागत और उत्पादन के नुकसान के दावे के लिए 102.42 करोड़ रुपये की वसूली के लिए मध्यस्थता के लिए चली गई है।
- 8) हम नोट संख्या-4 की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं - वित्तीय विवरण की प्रगति में पूंजी कार्य, स्टॉक लंबित स्थापनाधुपयोग में पूंजीगत परिसंपत्ति की राशि 930.55 लाख रुपये है। तथापि, प्रबंधन ने पूंजीगत परिसंपत्तियों की संस्थापना के लिए कार्रवाई की है।
- 9) कंपनी ने अपने प्लांट और मशीनरी के लिए इंश्योरेंस पॉलिसी नहीं ली है।
- 10) हम वित्तीय विवरण के नोट संख्या 31 की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं, कंपनी के प्रबंधन ने कुछ मामलों में आकस्मिक देनदारियों की मात्रा निर्धारित की है और उनका खुलासा किया है। हालांकि अन्य मामलों में आकस्मिक देनदारी को मापना संभव नहीं था और इसलिए वित्तीय विवरण में इसका खुलासा नहीं किया गया था।

इन मामलों के संबंध में हमारी राय में कोई बदलाव नहीं है।

अन्य सूचना

कंपनी का प्रबंधन और निदेशक मंडल अन्य जानकारी तैयार करने के लिए जिम्मेदार है। अन्य जानकारी में कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट में



शामिल जानकारी है, लेकिन इसमें वित्तीय विवरण और हमारे ऑडिटर की रिपोर्ट शामिल नहीं है। इस ऑडिटर की रिपोर्ट की तारीख के बाद कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट हमें उपलब्ध कराए जाने की उम्मीद है।

वित्तीय विवरणों पर हमारी राय में अन्य जानकारी शामिल नहीं है और हम उस पर किसी भी प्रकार के आश्वासन निष्कर्ष को व्यक्त नहीं करते हैं।

कंपनी के वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा के संबंध में, हमारी जिम्मेदारी है कि ऊपर दी गई अन्य जानकारी के उपलब्ध होने पर उसे पढ़ें और ऐसा करने में, विचार करें कि क्या अन्य जानकारी हमारे पाठ्यक्रम के दौरान प्राप्त वित्तीय विवरणों या ज्ञान के साथ असंगत है या अन्यथा भौतिक रूप से गलत बताया गया प्रतीत होता है।

जब हम कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट पढ़ते हैं, यदि हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि इसमें कोई महत्वपूर्ण गलत विवरण है, तो हमें इस मामले को गवर्नर्स के आरोपितों से संप्रेषित करने और संबंधित कानूनों और विनियमों के तहत आवश्यक कार्रवाई लागू करने की आवश्यकता है।

वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन और निदेशक मंडल की जिम्मेदारियां

कंपनी का प्रबंधन और निदेशक मंडल कंपनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") की धारा 134(5) में इन वित्तीय विवरणों की तैयारी के संबंध में मामलों के लिए जिम्मेदार है जो वित्तीय स्थिति का सही और निष्पक्ष दृश्य देते हैं, भारतीय लेखा मानकों (इंड एएस) के अनुसार कंपनी की अन्य व्यापक आय सहित वित्तीय प्रदर्शन, कंपनी (भारत लेखा मानक) नियम, 2015 के साथ पठित अधिनियम की धारा 133 के तहत निर्दिष्ट लेखा मानकों सहित, संशोधित और भारत में आम तौर पर स्वीकृत अन्य लेखांकन सिद्धांत है।

इस जिम्मेदारी में कंपनी की परिसंपत्तियों की सुरक्षा के लिए और धोखाधड़ी और अन्य अनियमितताओं को रोकने और उनका पता लगाने के लिए अधिनियम के प्रावधान के अनुसार पर्याप्त लेखा रिकॉर्ड का रखरखाव भी शामिल है। उपयुक्त लेखा नीतियों का चयन और अनुप्रयोग ऐसे निर्णय और अनुमान लगाना जो उचित और विवेकपूर्ण हों और आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव, जो लेखांकन रिकॉर्ड की सटीकता और पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे, वित्तीय विवरणों की तैयारी और प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक जो एक सही और निष्पक्ष दृश्य देते हैं और भौतिक गलत विवरण से मुक्त हैं, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण है।

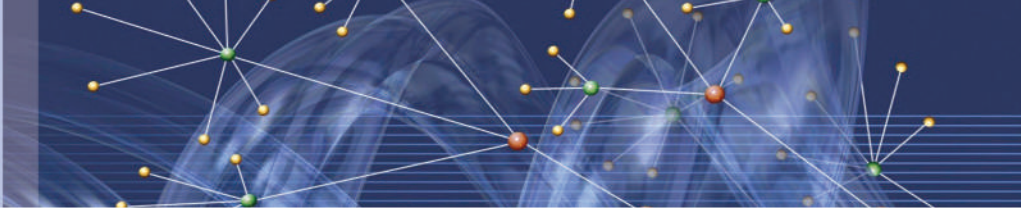
वित्तीय विवरण तैयार करने में, कंपनी के संबंधित प्रबंधन और निदेशक मंडल कंपनी की क्षमता का आकलन करने के लिए जिम्मेदार हैं, जैसा कि लागू होता है, प्रकटीकरण के रूप में लागू होने वाले मामलों का खुलासा करने और लेखांकन के चलते चिंता के आधार का उपयोग करने के लिए जब तक कि निदेशक मंडल या तो परिचालन बंद करने के लिए कंपनी को परिसमाप्ति करने का इरादा रखता है, या ऐसा करने के अलावा कोई वास्तविक विकल्प नहीं है।

कंपनी के निदेशक मंडल भी कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की देखरेख के लिए जिम्मेदार हैं।

वित्तीय विवरणों के लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षकों की जिम्मेदारियां

हमारा उद्देश्य इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या संपूर्ण रूप से भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरण भौतिक दुर्व्यवहार से मुक्त हैं, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण, और एक ऑडिटर की रिपोर्ट जारी करने के लिए जिसमें हमारी राय भी शामिल है। उचित आश्वासन उच्च स्तर का आश्वासन है, लेकिन यह गारंटी नहीं है कि के अनुसार किया गया ऑडिट हमेशा किसी सामग्री के गलत होने का पता लगाएगा, जब यह मौजूद रहे। गलतफहमी, धोखाधड़ी या त्रुटि से उत्पन्न हो सकती है और माना जाता है कि सामग्री, यदि, व्यक्तिगत रूप से या कुल मिलाकर, तो इन भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों के आधार पर हमसे लिए गए आर्थिक फैसलों को प्रभावित करने की अपेक्षा की जा सकती है।

एसएएस के अनुसार एक ऑडिट के भाग के रूप में, हम पेशेवर निर्णय लेते हैं और पूरे ऑडिट में पेशेवर संदेह को बनाए रखते हैं, हम भीरु



वित्तीय विवरणों की सामग्री के गलत विवरण के जोखिमों की पहचान करते हैं और उनका आकलन करते हैं, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण, उन जोखिमों के लिए ऑडिट प्रक्रियाओं को डिजाइन और निष्पादित करते हैं और ऑडिट साक्ष्य प्राप्त करते हैं जो हमारी राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उचित हो। धोखाधड़ी के परिणामस्वरूप उत्पन्न होने वाली एक से अधिक सामग्री के गलत होने का जोखिम न उठाना या त्रुटि के परिणामस्वरूप जो कि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, जानबूझकर, गलत बयानी, या आंतरिक नियंत्रण की अधिकता शामिल हो सकती है।

ऑडिट प्रक्रियाओं को डिजाइन करने के लिए ऑडिट के लिए आंतरिक नियंत्रण के लिए प्रासंगिक आंतरिक नियंत्रण की समझ प्राप्त करना, जो परिस्थितियों में उपयुक्त हैं। कंपनियों के अधिनियम, 2013 की धारा 143 (3) (प) के तहत, हम इस बात पर अपनी राय व्यक्त करने के लिए भी जिम्मेदार हैं कि क्या कंपनी के पास पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण वित्तीय विवरण के संदर्भ में और इस तरह के नियंत्रणों की परिचालन प्रभावशीलता है।

उपयोग की गई लेखांकन नीतियों और लेखा अनुमानों के तर्क और प्रबंधन द्वारा किए गए संबंधित

- खुलासों के मूल्यांकन का मूल्यांकन करते हैं।
- लेखांकन की चिंता के आधार के प्रबंधन के उपयोग की उपयुक्तता पर निष्कर्ष निकालन, और प्राप्त ऑडिट साक्ष्य के आधार पर, क्या एक घटना या शर्तों से सम्बंधित सामग्री अनिश्चितता मौजूद है जो कंपनी की क्षमता पर महत्वपूर्ण सदेह डाल सकती है जो एक चिंता का विषय है। यदि हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि एक परिपक्वता अनिश्चितता मौजूद है, तो हमें अपने लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में वित्तीय विवरणों में संबंधित
- खुलासों पर ध्यान आकर्षित करना होगा या, यदि वित्तीय विवरणों में इस तरह के खुलासे या, यदि इस तरह के
- खुलासे हमारी राय को संशोधित करने के लिए अपर्याप्त हैं। हमारे निष्कर्ष हमारे लेखा परीक्षक की रिपोर्ट की तारीख तक प्राप्त ऑडिट साक्ष्य पर आधारित हैं। हालांकि, भविष्य में होने वाली घटनाओं या स्थितियों से कंपनी को चिंता का विषय बना रह सकता है।
- खुलासे सहित वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति, संरचना और सामग्री का मूल्यांकन करना कि क्या वित्तीय विवरण अतर्निहित लेनदेन और घटनाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो निष्पक्ष प्रस्तुति प्राप्त करते हैं।

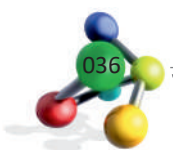
हम उन लोगों के साथ शासन के बारे में बातचीत करते हैं, जो ऑडिट के नियत दायरे और समय और महत्वपूर्ण ऑडिट निष्कर्षों के साथ-साथ आंतरिक नियंत्रण में किसी भी महत्वपूर्ण कमी को शामिल करते हैं, जिसे हम अपने ऑडिट के दौरान पहचानते हैं।

हम उन लोगों को एक बयान के साथ शासन प्रदान करते हैं जिन्हें हमने स्वतंत्रता के संबंध में प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं के साथ अनुपालन किया है, और उन सभी रिश्तों और अन्य मामलों के साथ सवाद करने के लिए जिन्हें हमारी स्वतंत्रता पर सहन करने के लिए उचित माना जा सकता है, और सुरक्षा उपाय से संबंधित जहां लागू हो।

शासन के प्रभारी के साथ संप्रेषित मामलों से, हम उन मामलों का निर्धारण करते हैं जो वर्तमान अवधि के वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा में सबसे महत्वपूर्ण थे और इसलिए प्रमुख लेखापरीक्षा मामले हैं। हम अपने लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में इन मामलों का वर्णन करते हैं जब तक कि कानून या विनियमन मामले के बारे में सार्वजनिक प्रकटीकरण को रोकता नहीं है या जब, अत्यंत दुर्लभ परिस्थितियों में, हम यह निर्धारित करते हैं कि हमारी रिपोर्ट में किसी मामले को संप्रेषित नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि ऐसा करने के प्रतिकूल परिणामों की उचित रूप से अपेक्षा की जाएगी इस तरह के संचार के सार्वजनिक हित के लाभों से अधिक है।

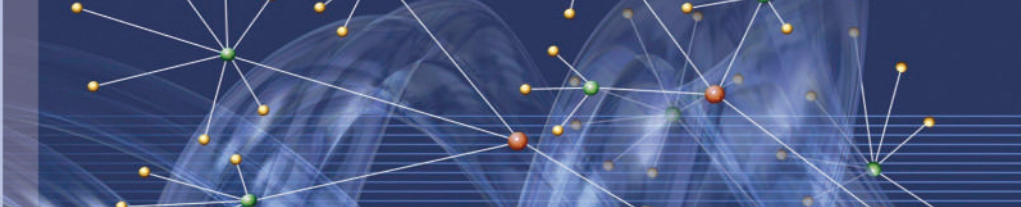
अन्य कानूनी और नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट

1. जैसा कि कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 (5) के तहत आवश्यक है, हम अनुलग्नक 1 में देते हैं, ऑडिट की सुझाई गई



कार्यप्रणाली का अनुपालन करने के बाद भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक द्वारा जारी किए गए निर्देशों पर एक बयान, उस पर की गई कार्रवाई और कंपनी के खातों और वित्तीय विवरणों पर इसका प्रभाव।

2. जैसा कि कंपनियों (ऑडिटर की रिपोर्ट) आदेश, 2020 संशोधित ("आदेश") के अनुसार आवश्यक है, अधिनियम की धारा 143 की उप-धारा (11) के संदर्भ में भारत की केंद्र सरकार द्वारा जारी, हम 'अनुलग्नक ८' में देते हैं आदेश के पैराग्राफ 3 और 4 में निर्दिष्ट मामलों पर एक बयान लागू सीमा तक होता है।
3. अधिनियम की धारा 143 (3) के अनुसार, हम रिपोर्ट करते हैं किरू
 - क) हमने उन सभी सूचनाओं और स्पष्टीकरणों की तलाश की और प्राप्त की, जो हमारे ऑडिट के उद्देश्यों के लिए हमारे ज्ञान और विश्वास के लिए सर्वोत्तम थे।
 - ख) हमारी राय में, कंपनी द्वारा कानून की आवश्यकता के अनुसार उचित पुस्तकों को अभी तक रखा गया है, क्योंकि यह उन पुस्तकों की हमारी परीक्षा से प्रकट होता है।
 - ग) कंपनी के लिए लागू नहीं है।
 - घ) इस रिपोर्ट द्वारा दी गई बैलेंस शीट, लाभ और हानि का विवरण अन्य व्यापक आय सहित और कैश फ्लो स्टेटमेंट खाते की पुस्तकों के साथ हैं।
 - ङ) हमारी राय में, उपरोक्त वित्तीय विवरण अधिनियम की धारा 133 के तहत निर्दिष्ट लेखांकन मानकों का अनुपालन करते हैं, कंपनियों (भारतीय लेखा मानकों) के नियमों, 2015 में संशोधन के साथ पढ़ा जाता है।
 - च) कंपनी एक सरकारी कंपनी है और इसलिए कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 164 (2) और धारा 197 के प्रावधान एमसीए द्वारा जारी अधिसूचना संख्या जीएसआर 463 (ई) दिनांक 5 जून, 2015 के अनुसार कंपनी पर लागू नहीं हैं।
 - छ) कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की पर्याप्तता और इस तरह के नियंत्रणों के संचालन की प्रभावशीलता के संबंध में, 'अनुलग्नक ८' रिपोर्ट देखें।
 - ज) कंपनी के ऑडिट नियम (ऑडिट एंड ऑडिटर्स) नियम, 2014 के अनुसार, हमारी राय में और हमारी जानकारी के अनुसार और उन्हें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार ऑडिटर की रिपोर्ट में शामिल किए जाने वाले अन्य मामलों के संबंध में रू
 - i) कंपनी ने अपने वित्तीय विवरणों में अपनी वित्तीय स्थिति पर लंबित मुकदमों के प्रभाव का खुलासा किया है। वित्तीय विवरणों की टिप्पणी 31 को संदर्भित करें।
 - ii) कंपनी के पास व्युत्पन्न अनुबंधों सहित कोई दीर्घकालिक अनुबंध नहीं था, जिसके लिए किसी भी तरह की सामग्री नुकसानदेह थी।
 - iii) कंपनी द्वारा निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष में हस्तांतरित किए जाने के लिए कोई राशि नहीं थी।
 - iv) (क) प्रबंधन ने यह अभ्यावेदन किया है कि, इसकी जानकारी और विश्वास के अनुसार, कंपनी द्वारा विदेशी संस्थाओं ("मध्यस्थों") सहित किसी भी अन्य व्यक्ति या संस्थाओं को या किसी अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं में कोई धनराशि अग्रिम या उधार या निवेश नहीं की गई है (या तो उधार ली गई धनराशि या शेयर प्रीमियम या किसी अन्य स्रोत या प्रकार की निधियों से) इस समझ के साथ कि क्या लिखित या अन्यथा दर्ज किया गया है, मध्यस्थ, चाहे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कंपनी ("अंतिम लाभार्थी") द्वारा या उसकी ओर से किसी भी तरीके से पहचाने गए अन्य व्यक्तियों और संस्थाओं में उधार या निवेश करेगा या अंतिम लाभार्थियों की ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा या इसी तरह प्रदान करेगा।



- (ख) प्रबंधन ने यह अभ्यावेदन किया है कि अपनी जानकारी और विश्वास के अनुसार, कंपनी को विदेशी संस्थाओं सहित किसी भी व्यक्ति या संस्था से कोई धनराशि प्राप्त नहीं हुई है।
- (ग) निष्पादित की गई ऐसी लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं के आधार पर, जिन्हें परिस्थितियों में युक्तिसंगत और उपयुक्त माना गया है, हमारी जानकारी में ऐसा कुछ भी नहीं आया है जिससे हमें यह विश्वास हो कि नियम 11 (ई) के उपखंड (प) और (पप) के अधीन अभ्यावेदन, जैसा कि ऊपर (क) और (ख) के अंतर्गत उपबंधित किया गया है, में कोई सामग्री गलत विवरण है।
- v) दिनांक 5 जून, 2015 की अधिसूचना संख्या जीडीआर 463 (ई) के अनुसार, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 123 के प्रासंगिक प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होते हैं।
- vi) कंपनी (लेखा) नियम, 2014 (यथा संशोधित) के नियम 3(1) के परंतुक के अनुसार, जिसमें 1 अप्रैल, 2023 से शुरू होने वाले वित्तीय वर्ष से केवल कंपनी द्वारा उपयोग किए जाने वाले लेखा सॉफ्टवेयर में लेखा खातों के विवरण, लॉग और संबंधित मामले को संपादित करने की सुविधा प्रदान की गई है, कंपनी (लेखा परीक्षा और लेखा) नियमों 2014 (यथा संशोधित) के नियम 11 के खंड (जी) के तहत रिपोर्टिंग, वर्तमान में लागू नहीं है।

कृते मेसर्स कदमावाला एड कंपनी

चार्टर्ड अकाउंटेंट

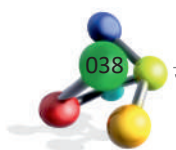
FRN: 323212E

CA राकेश कुमार जैन

सहभागी

M-No- 063654

यूडीआईएन: 23063654BGPMJF2624



मेसर्स यूरेनियम कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के भारतीय लेखा मानक के वित्तीय विवरण पर हमारी तारीख की स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट का अनुबंध - I

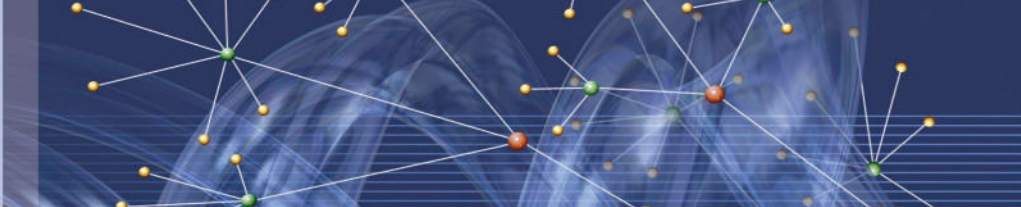
(हमारी तारीख की हमारी रिपोर्ट के अन्य कानूनी और नियामक आवश्यकताओं पर 'रिपोर्ट के तहत पैराग्राफ 1 में संदर्भित)

निर्देश	उत्तर
क्या आईटी प्रणाली के माध्यम से सभी लेखांकन लेनदेन को संसाधित करने के लिए कंपनी के पास व्यवस्था है? यदि हाँ, तो इंडियातीय निहितार्थ, यदि कोई हो, के साथ-साथ खातों की अखंडता पर आईटी प्रणाली के बाहर लेखांकन लेनदेन के प्रसंस्करण के निहितार्थ बताए जा सकते हैं।	प्राप्त जानकारी के अनुसार, कंपनी के पास ओएलएफएएस लेखा पैकेज है और सभी लेखांकन लेनदेन आईटी सिस्टम के माध्यम से दर्ज किए जाते हैं। आईटी प्रणाली के बाहर सभी लेखांकन लेनदेन विधिवत रूप से लेखांकन पैकेज में दर्ज किए जाते हैं और फिर सिस्टम से वाउचर उत्पन्न होते हैं और सहायक भौतिक दस्तावेजों के साथ दायर किए जाते हैं। हालाँकि, हमारे पास कंपनी द्वारा उपयोग की जाने वाली प्रणाली तक कोई पहुँच नहीं है क्योंकि हमने लॉकडाउन (कोविद -19 महामारी) के कारण हमारे कार्यालय से ऑडिट किया है।
कृपया रिपोर्ट करें कि क्या किसी मौजूदा ऋण का पुनर्गठन हो रहा है या कंपनी को ऋण चुकाने में असमर्थता के कारण किसी ऋणदाता द्वारा कंपनी को दिए गए ऋण/ऋण/ब्याज आदि की छूट/लिखावट के मामले हैं? यदि हाँ, तो वित्तीय प्रभाव को बताया जा सकता है।	मौजूदा ऋण के किसी भी पुनर्गठन या छूट/ऋण/ऋण/ब्याज आदि को लिखने के मामले नहीं थे।
क्या केंद्रीय/राज्य एजेंसियों से विशिष्ट योजनाओं के लिए प्राप्त धनराशि/प्राप्त को इसकी अवधि और शर्तों के अनुसार ठीक से उपयोग/उपयोग किया गया था? विचलन के मामलों की सूची बनाए।	प्रबंधन से प्राप्त जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, केंद्रीय/राज्य एजेंसियों से विशिष्ट योजनाओं के लिए प्राप्त/प्राप्त धनराशि का उसके कार्यकाल और शर्तों के अनुसार सही तरीके से उपयोग/उपयोग किया गया था।

CA राकेश कुमार जैन
साथी

M-No- 063654

यूडीआईएन : 223063654BGPMJF2624



यूरेनियम कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के वित्तीय विवरणों पर सम तारीख की स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट का अनुबंध "II"

वित्तीय वर्ष 31.03.2023 को समाप्त हुआ

(सम दिनांक की हमारी रिपोर्ट के "अन्य कानूनी और नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट" अनुभाग के तहत पैराग्राफ 2 में संदर्भित)

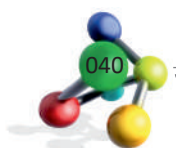
- (i) (ए)(ए) कंपनी ने इलेक्ट्रॉनिक रूप में संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की मात्रात्मक विवरण और स्थिति सहित पूर्ण विवरण दिखाने वाले उचित रिकॉर्ड बनाए रखे हैं।?
- (बी) कंपनी ने इलेक्ट्रॉनिक रूप में अमूर्त संपत्तियों का पूरा विवरण दिखाने वाले उचित रिकॉर्ड बनाए रखे हैं।
- (बी) जैसा कि हमें बताया गया है, कंपनी की हर तीन साल में एक बार संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के भौतिक सत्यापन की नीति है। हालाँकि, विभिन्न स्थानों/साइटों पर कंपनी के संपत्ति संयंत्र और उपकरण को तीन साल की अवधि के बाद भौतिक रूप से सत्यापित किया जाता है।

क्रम. संख्या	विशिष्ट	वर्ष के दौरान कंपनी की संपत्ति, संयंत्र और उपकरण का भौतिक सत्यापन किया गया
1.	तुमलापल्ले स्थल—आंध्र प्रदेश	2018-2019
2.	नरवापहाड़ और बागजाता—झारखंड	2019-2020
3.	नरवापहाड़ - झारखंड	आंतरिक लेखा परीक्षक द्वारा अचल संपत्तियों का भौतिक सत्यापन किया गया अवधि 02.06.2023 to 08.06.2023. Report dated 03.07.2023
4.	बागजाता माईन्स—झारखंड	आंतरिक लेखा परीक्षक द्वारा अचल संपत्तियों का भौतिक सत्यापन किया गया अवधि 01.12.2022 to 07.12.2022, Report dated 25.05.2023
5.	तुमलापल्ले स्थल—आंध्र प्रदेश	आंतरिक लेखा परीक्षक द्वारा अचल संपत्तियों का भौतिक सत्यापन किया गया अवधि 03.03.2023 to 09.03.2023 and 21.06.2023 to 27.06.2023 Report dated 22.07.2023

- (सी) जैसा कि प्रबंधन द्वारा सूचित किया गया है, मोसाबनी में 3 एकड़ भूमि को छोड़कर, वित्तीय विवरणों में प्रकट की गई सभी अचल संपत्तियों के शीर्षक विलेख कंपनी के नाम पर हैं। हालाँकि, कंपनी के गठन के बाद से उसके पास बड़ी मात्रा में भूमि दस्तावेज मौजूद होने के कारण, भूमि के स्वामित्व विलेखों का भौतिक सत्यापन मुश्किल हो गया है।

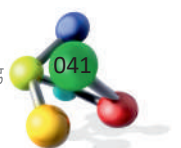
अचल संपत्ति का स्वामित्व विलेख कंपनी के नाम पर नहीं है

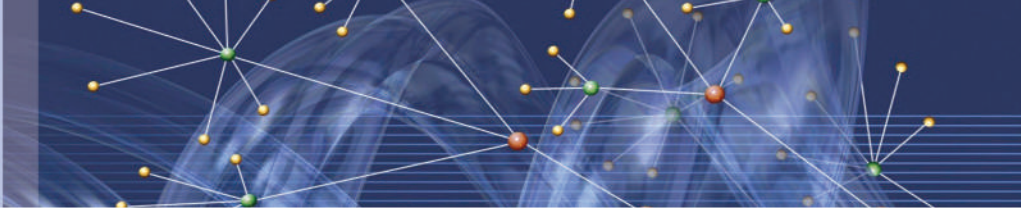
बैलेंस शीट में प्रासंगिक लाइन आइटम	संपत्ति का विवरण	सकल वहन मूल्य (रु.लाख में)	के नाम मालिकाना हक	क्या मालिकाना हकदार एक प्रमोटर, निदेशक या प्रमोटर/निदेशक के रिश्तेदार हैं या प्रमोटर/निदेशक के कर्मचारी है	संपत्ति किस तारीख से है	कंपनी के नाम पर नहीं होने का कारण
पीपीई	निःशुल्क भूमि/पट्टे की भूमि	15.85	राज्य सरकार/निजी पार्टियां	नहीं	1986	पंजीकरण प्रक्रियाधीन है



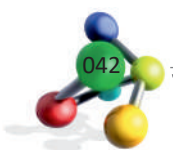
अधिनियम का नाम	देय राशि की प्रकृति	राशि लाख में	अवधि जिससे राशि संबंधित है	फोरम जहां विवाद लंबित है
आयकर अधिनियम, 1961	आयकर अधिनियम, 1961	128.22	वित्तीय वर्ष 2017-18	सीआईटी (ए)
		204.70	वित्तीय वर्ष 2018-19	सीपीसी

- (क) कंपनी ने वर्ष के दौरान अपनी किसी भी संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों (संपत्ति का उपयोग करने के अधिकार सहित) और अमूर्त संपत्ति का पुनर्मूल्यांकन नहीं किया है।
- (ख) जैसा कि हमें सूचित किया गया है, 31 मार्च, 2022 तक ऑडिट के तहत वर्ष के दौरान ऐसी कोई कार्यवाही नहीं की गई या कंपनी के खिलाफ बेनामी लेनदेन (निषेध) अधिनियम, 1988 (1988 के 45) और नियमों के तहत किसी भी बेनामी संपत्ति को रखने के लिए लंबित नहीं है।
- (ii) (क) जैसा कि हमें बताया गया है, प्रबंधन द्वारा कच्चे माल, डब्ल्यूआईपी और तैयार माल का भौतिक सत्यापन किया गया है और आंतरिक लेखा परीक्षक द्वारा उचित अंतराल पर स्टोर और स्पेयर का भौतिक सत्यापन किया गया है। हमारी राय में, स्टोर्स और स्पेयर्स के भौतिक सत्यापन की आवृत्ति, प्रबंधन द्वारा अपनाई गई इन्वेंट्री के भौतिक सत्यापन की प्रक्रियाएं कंपनी के आकार और उसके व्यवसाय की प्रकृति के संबंध में उचित और पर्याप्त हैं। वस्तु सूची के भौतिक सत्यापन में पाई गई विसंगतियां सामग्री नहीं थीं।
- (ख) जैसा कि हमें सूचित किया गया है, कंपनी को ऑडिट के तहत वर्ष के दौरान चालू परिसंपत्तियों की सुरक्षा के आधार पर बैंकों या वित्तीय संस्थानों से कुल मिलाकर पांच करोड़ रुपये से अधिक की ऐसी कार्यशील पूंजी सीमा मंजूरी नहीं दी गई है।
- (iii) जैसा कि हमें समझाया गया है, कंपनी ने न कोई भी निवेश नहीं किया है, किसी को भी गारंटी या सुरक्षा प्रदान की है या ऋण की प्रकृति में कोई भी ऋण या अग्रिम, सुरक्षित या असुरक्षित, कंपनियों, फर्मों, सीमित देयता भागीदारी या रजिस्टर में शामिल अन्य पार्टियों को अधिनियम की धारा 189 के तहत प्रदान किया है। इसलिए, उक्त आदेश के खंड 3 (पपप) (ए), (बी), (सी), (डी), (ई), (एफ) के प्रावधान कंपनी के लिए लागू नहीं हैं।
- (iv) जैसा कि हमें समझाया गया है, कंपनी ने न तो कोई निवेश किया है, न ही कोई ऋण दिया है, कोई गारंटी या सुरक्षा प्रदान की है। तदनुसार, उक्त आदेश की धारा 3(पअ) के तहत रिपोर्टिंग कंपनी पर लागू नहीं होती है।
- (v) कंपनी ने अधिनियम की धारा 73 से 76 के अर्थ के भीतर जनता से किसी भी जमा को स्वीकार नहीं किया है और नियमों के तहत तय किए गए हैं। तदनुसार, उक्त आदेश की धारा 3(पअ) के तहत रिपोर्टिंग कंपनी पर लागू नहीं होती है।
- (vi) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी को अपने उत्पादों के संबंध में अधिनियम की धारा 148 (1) के तहत लागत रिकॉर्ड बनाए रखने की आवश्यकता है। हमने आम तौर पर इसकी समीक्षा की है और राय है कि, प्रथम दृष्टया, निर्धारित खाते और रिकॉर्ड इलेक्ट्रॉनिक रूप में बनाए गए हैं। हमने वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए हमें उपलब्ध कराई गई सबसे हालिया लागत ऑडिट रिपोर्ट की भी समीक्षा की है और लागत रिकॉर्ड के रखरखाव पर कोई प्रतिकूल टिप्पणी नहीं देखी है।
- (vii) (क) कंपनी उचित प्राधिकरणों के साथ आम तौर पर निर्विवाद वैधानिक देय राशि जमा करने में नियमित रही है, जिसमें भविष्य निधि, कर्मचारियों के राज्य बीमा, आयकर, माल और सेवा कर, सीमा शुल्क, उपकर और अन्य सामग्री वैधानिक देय राशि शामिल हैं। हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, वित्त वर्ष 2007-08 से 2022-23 से संबंधित 23.04 लाख रुपये आयकर (टीडीएस) ध्वजा मांग को छोड़कर, उपरोक्त बकाया राशि 31 मार्च, 2022 तक देय होने की तारीख से छह महीने से अधिक की अवधि के लिए देय कोई भी अविवादित राशि बकाया नहीं थी।
- (ख) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, ऊपर उप-खंड (ए) में निर्दिष्ट वैधानिक बकाया है, जिसे विवाद के कारण जमा नहीं किया गया है।





- (viii) जैसा कि हमें सूचित किया गया है, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के तहत आयकर निर्धारण में लेखा परीक्षा के तहत वर्ष के दौरान आय के रूप में सरेंडर या प्रकट किए गए खाते की पुस्तकों में किसी भी लेनदेन की रिकॉर्डिंग नहीं करने से संबंधित कोई भी मामला नहीं था।
- (ix) (a) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, हमारी राय है कि कंपनी ने ऋण या किसी अन्य उधार की अदायगी या किसी भी ऋणदाता को उस पर ब्याज के भुगतान में चूक नहीं की है।
- (b) जैसा कि हमें सूचित किया गया है, कंपनी को किसी भी बैंक या वित्तीय संस्थान या किसी अन्य ऋणदाता द्वारा विलफुल डिफॉल्टर घोषित नहीं किया गया है।
- (c) जैसा कि हमें सूचित किया गया है, कंपनी ने वर्ष के दौरान ऋण प्राप्त नहीं किया है।
- (d) जैसा कि हमें सूचित किया गया है, कंपनी ने वर्ष के दौरान अल्पावधि आधार पर धन नहीं जुटाया है।
- (e) जैसा कि हमें सूचित किया गया है, कंपनी ने अपनी सहायक कंपनियों, सहयोगियों, या संयुक्त उद्यमों या सहयोगी कंपनियों के दायित्वों को पूरा करने के लिए किसी भी इकाई या व्यक्ति से कोई धन नहीं लिया है।
- (f) जैसा कि हमें सूचित किया गया है, कंपनी ने वर्ष के दौरान अपनी सहायक कंपनियों, संयुक्त उद्यम, या सहयोगी कंपनियों में रखी प्रतिभूतियों को गिरवी रखकर वर्ष के दौरान ऋण नहीं लिया है।
- (x) (a) कंपनी ने वर्ष के दौरान प्रारंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव या आगे के सार्वजनिक प्रस्ताव (ऋण साधन सहित) के माध्यम से धन नहीं जुटाया है।
- (b) कंपनी ने वर्ष के दौरान शेयरों या परिवर्तनीय डिबेंचर (पूरी तरह, आंशिक या वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय) का कोई अधिमान्य आवंटन या निजी प्लेसमेंट नहीं किया है।
- (xi) (a) हमें प्रदान की गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, ऑडिट के तहत वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा कोई धोखाधड़ी और कंपनी पर कोई धोखाधड़ी नहीं देखी गई है या रिपोर्ट नहीं की गई है।
- (b) कंपनी अधिनियम की धारा 143 की उप-धारा 12 के तहत ऐसी कोई रिपोर्ट केंद्र सरकार के पास कंपनी (लेखा परीक्षा और लेखा परीक्षक) नियम, 2014 के नियम 13 के तहत निर्धारित प्रपत्र एडीटी -4 में लेखा परीक्षकों द्वारा दर्ज नहीं की गई है।
- (c) जैसा कि हमें सूचित किया गया है, कंपनी को वर्ष के दौरान ऐसी कोई व्हिसल-ब्लोअर शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।
- (xii) कंपनी निधि कंपनी नहीं है और इसलिए खंड 3(पप)(), (इ) और (ब) के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं हैं।
- (xiii) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, संबंधित पक्षों के साथ दर्ज किए गए सभी लेन-देन कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 177 और 188 के तहत जहां लागू हो अनुपालन में हैं और विवरणों का खुलासा वित्तीय विवरणों आदि में किया गया है, जैसा कि भारतीय लेखांकन मानकों द्वारा अपेक्षित है।
- (xiv) (a) कंपनी के पास उसके आकार और व्यवसाय की प्रकृति के अनुरूप पर्याप्त आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली है। हालाँकि, OLFAAS—अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर में लेखांकन डेटा और लेनदेन के प्रसंस्करण की पुरानी प्रणाली, आवश्यक दस्तावेजों की अनुपलब्धताधिलंब और प्रबंधन से स्पष्टीकरण के कारण, आंतरिक लेखा परीक्षा रिपोर्ट उचित समय के भीतर प्रस्तुत नहीं की जाती है। इसलिए, आंतरिक लेखा परीक्षक रिपोर्ट में उल्लिखित कमियों पर सुधारात्मक कार्रवाई में भी देरी होती है।
- (b) हमने लेखापरीक्षा की अवधि के लिए आंतरिक लेखापरीक्षक की आंतरिक लेखापरीक्षा रिपोर्टों पर विचार किया है।
- (xv) जैसा कि हमें सूचित किया गया है, कंपनी ने निदेशकों या उससे जुड़े व्यक्तियों के साथ कोई गैर-नकद लेनदेन नहीं किया है।
- (xvi) कंपनी को भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45-IA के तहत पंजीकृत होने की आवश्यकता नहीं है। तदनुसार, उक्त आदेश के खंड 3 (xvi) (a), (b), (c) और (d) के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होती है।



- (xvii) कंपनी को वित्तीय वर्ष में और पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में नकद हानि नहीं हुई है।
- (xviii) वर्ष के दौरान कंपनी के सांविधिक लेखापरीक्षकों का कोई त्यागपत्र नहीं दिया गया है।
- (xix) लेखा पुस्तकों की हमारी जांच के आधार पर, प्रासंगिक अनुपातों के विश्लेषण, डेटा और जानकारी और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के आधार पर, हमारी राय है कि, ऑडिट रिपोर्ट की तारीख तक कोई भौतिक अनिश्चितता मौजूद नहीं है कि कंपनी सक्षम है तुलन पत्र की तिथि पर विद्यमान अपनी देनदारियों को पूरा करने के लिए, जब वे तुलन पत्र की तिथि से एक वर्ष की अवधि के भीतर देय हों।
- xx) (a) जैसा कि हमें सूचित किया गया है, कंपनी की सीएसआर देयता निर्धारित की गई है और वर्ष के दौरान खर्च की गई कोई भी अव्ययित राशि बैलेंस शीट की तारीख के अनुसार मौजूद नहीं है।
- (b) जैसा कि हमें सूचित किया गया है, किसी भी चालू परियोजना के अनुसरण में ऐसी कोई अव्ययित सीएसआर राशि नहीं है।
- (xxi) उक्त आदेश के खंड 3 (••प) के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होती है।

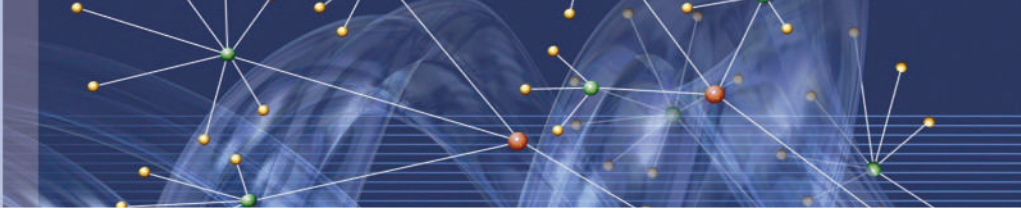
सम तिथि की हमारी रिपोर्ट के अनुसार
कृते मेसर्स कदमावाला एड कंपनी
चार्टर्ड अकाउंटेंट

CA राकेश कुमार जैन

सहभागी

M-No- 063654

यूडीआईएन: 23063654BGPMJF2624



31.03.2023 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए यूरेनियम कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के वित्तीय विवरणों पर स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की सम तिथि की रिपोर्ट का अनुलग्नक-III

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 की उप-धारा 3 के खंड (प) के तहत आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर रिपोर्ट

हमने इस तारीख को समाप्त हुए वर्ष के लिए कंपनी के वित्तीय विवरणों के हमारे ऑडिट के साथ 31 मार्च, 2023 तक मेसर्स यूरेनियम कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (कंपनी) की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का ऑडिट किया है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी

कंपनी का प्रबंधन आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर आंतरिक नियंत्रण के आधार पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित करने और बनाए रखने के लिए जिम्मेदार है, कंपनी द्वारा स्थापित आंतरिक नियंत्रण के आवश्यक घटकों पर विचार करते हुए संस्थान द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के ऑडिट नोट में आवश्यक आंतरिक घटकों पर विचार करना। भारत के चार्टर्ड एकाउंटेंट के इन जिम्मेदारियों में पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव शामिल है जो कंपनी के नीतियों के पालन, अपनी संपत्ति की सुरक्षा, धोखाधड़ी और त्रुटियों की रोकथाम और पहचान सहित अपने व्यवसाय के क्रमबद्ध और कुशल आचरण को सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से चल रहे थे। धोखाधड़ी और त्रुटियों की रोकथाम और पता लगाना, लेखा रिकॉर्ड की सटीकता और पूर्णता, और विश्वसनीय वित्तीय जानकारी की समय पर तैयारी, जैसा कि कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) के तहत आवश्यक है।

लेखा परीक्षकों की जिम्मेदारी

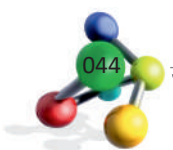
हमारी जिम्मेदारी हमारी ऑडिट के आधार पर वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर एक राय व्यक्त करना है। हमने वित्तीय ऑडिट पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के ऑडिट (प्वाइडेंस नोट) और आईसीएआई द्वारा जारी किए गए मानकों और कंपनी अधिनियम, 2013, की धारा 143 (10) के तहत निर्धारित माना जाता है। आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के ऑडिट के लिए लागू सीमा तक, आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के ऑडिट के लिए लागू और, भारत के चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा जारी दोनों। उन मानकों और मार्गदर्शन नोट की आवश्यकता है कि हम नैतिक आवश्यकताओं का पालन करते हैं और योजना के बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए ऑडिट करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि वित्तीय विवरण के संदर्भ में वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित और बनाए रखा गया था या नहीं और इस तरह के नियंत्रण सभी सामग्री के मामलों में प्रभावी ढंग से संचालित होते हैं।

हमारी ऑडिट में इन वित्तीय विवरणों और उनके संचालन प्रभावशीलता के संदर्भ में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता के बारे में ऑडिट साक्ष्य प्राप्त करने की प्रक्रियाएं शामिल हैं। वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के हमारे ऑडिट में भारतीय लेखा मानक के वित्तीय विवरणों के संदर्भ में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की समझ प्राप्त करना, जोखिम का आकलन करना शामिल है जो एक भौतिक कमजोरी मौजूद है, और मूल्यांकन किए गए जोखिम के आधार पर आंतरिक नियंत्रण के डिजाइन और संचालन प्रभावशीलता का परीक्षण और मूल्यांकन करता है। चयनित प्रक्रियाएं ऑडिटर के फैसले पर निर्भर करती हैं, जिसमें वित्तीय विवरणों की सामग्री के गलत मूल्यांकन के जोखिम का मूल्यांकन शामिल है, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो।

हम मानते हैं कि हमने जो ऑडिट साक्ष्य प्राप्त किए हैं, वे वित्तीय विवरणों के संदर्भ में वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली पर हमारी ऑडिट राय के लिए एक आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

वित्तीय विवरणों के संदर्भ में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का अर्थ

वित्तीय विवरणों के संदर्भ में वित्तीय रिपोर्टिंग पर एक कंपनी का आंतरिक वित्तीय नियंत्रण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसे वित्तीय रिपोर्टिंग की विश्वसनीयता और आमतौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार बाहरी उद्देश्यों के लिए वित्तीय विवरणों की तैयारी के बारे में उचित आश्वासन प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। वित्तीय विवरणों के संदर्भ में वित्तीय रिपोर्टिंग पर एक कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण में उन नीतियों और प्रक्रियाओं को शामिल किया जाता है जो (1) अभिलेखों के रखरखाव से संबंधित, जो उचित विस्तार से, कंपनी की परिसंपत्तियों के लेनदेन और निपटान को सही और निष्पक्ष रूप से प्रतिबिंबित करते हैं (2) उचित आश्वासन प्रदान करें कि लेनदेन को वित्तीय



विवरणों की तैयारी के लिए आम तौर पर स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुसार अनुमति देने के लिए रिकॉर्ड किया जाता है, और कंपनी की प्राप्ति और व्यय कंपनी के प्रबंधन और निदेशकों के प्राधिकरणों के अनुसार ही किए जा रहे हैं तथा (3) अनधिकृत अधिग्रहण, उपयोग, या कंपनी की संपत्ति के निपटान के समय पर पता लगाने के संबंध में उचित आश्वासन प्रदान करें जो वित्तीय विवरणों पर एक सामग्री प्रभाव डाल सकता है।

वित्तीय विवरणों के संदर्भ में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की निहित सीमाएं

वित्तीय विवरणों के संदर्भ में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की अतर्निहित सीमाओं की वजह से, नियंत्रण की मिलीभगत या अनुचित प्रबंधन ओवरराइड की संभावना सहित, त्रुटि या धोखाधड़ी के कारण सामग्री की गड़बड़ी हो सकती है और पता नहीं लगाया जा सकता है। इसके अलावा, भविष्य की अवधि के लिए वित्तीय विवरणों के संदर्भ में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के किसी भी मूल्यांकन के अनुमान इस जोखिम के अधीन हैं कि वित्तीय विवरणों के संदर्भ में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थितियों में परिवर्तन के कारण अपर्याप्त हो सकता है, या यह कि नीतियों या प्रक्रियाओं के अनुपालन की डिग्री बिगड़ सकती है।

राय

हमारी राय में, कंपनी के पास सभी भौतिक मामलों में, वित्तीय विवरणों के संदर्भ में वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली और वित्तीय विवरणों के संदर्भ में वित्तीय रिपोर्टिंग पर इस तरह के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण 31 मार्च, 2023 तक प्रभावी रूप से चल रहे थे, जो वित्तीय रिपोर्टिंग मानदंडों पर आंतरिक नियंत्रण के आधार पर स्थापित किए गए थे। कंपनी द्वारा चार्टर्ड इस्टीमेट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स द्वारा जारी किए गए आंतरिक वित्तीय नियंत्रण से अधिकवित्तीय रिपोर्टिंग के ऑडिट पर मार्गदर्शन नोट में बताए गए आंतरिक नियंत्रण के आवश्यक घटकों पर विचार करना है जो वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण है।

सम तिथि की हमारी रिपोर्ट के अनुसार
कृते मेसर्स कदमावाला एड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट

CA राकेश कुमार जैन

सहभागी

M-No- 063654

यूडीआईएन: 23063654BGPMJF2624

कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा
पर्यावरण एवं वैज्ञानिक विभाग
ए.जी.सी.आर. भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट,
नई दिल्ली-110002



OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF AUDIT
ENVIRONMENT & SCIENTIFIC DEPARTMENTS
A.G.C.R. BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002

DGAESD/EA/PR-68963/AA/UCIL/2023-24 / 100

दिनांक

सेवा में,

14 SEP 2023

The Director (Finance Office),
Uranium Corporation of India Limited
PO: Jaduguda Mines
Singhbhum East
Jharkhand-832102

विषय: भारत के नियन्त्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा कम्पनी अधिनियम 2013 के अनुच्छेद 143
(6)(व) के अंतर्गत Uranium Corporation of India Limited के 31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष
के वित्तीय खातों पर टिप्पणियां

महोदय,

इस पत्र के साथ कम्पनी अधिनियम 2013 के अनुच्छेद 143 (6)(व) के अंतर्गत Uranium
Corporation of India Limited के 31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के वित्तीय खातों पर Nil-Comment
प्रमाणपत्र भेजा जा रहा है।

कृपया इस पत्र की पावती भेजने की कृपा करें।

भवदीया,

संलग्न: यथोपरि

अश्वीन

महानिदेशक लेखापरीक्षा
(पर्यावरण एवं वैज्ञानिक विभाग)

कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143(6) (ख) के अंतर्गत 31 मार्च 2023 को समाप्त हुए वर्ष के लिए यूरेनियम कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के लेखे पर भारत के नियंत्रण एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणीयां

कंपनी अधिनियम, 2013 के अंतर्गत बनाए गए वित्तीय रिपोर्टिंग संरचना के अनुरूप में 31 मार्च 2023 को समाप्त हुए वर्ष के लिए यूरेनियम कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के वित्तीय विवरण प्रस्तुत करना कंपनी के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। अधिनियम की धारा 139(5) के अंतर्गत भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा नियुक्त वैधानिक लेखा परीक्षक धारा के तहत निर्धारित लेखा परीक्षा के मानकों के अनुसार स्वतंत्र लेखा परीक्षा के आधार पर अधिनियम की धारा 143 के अंतर्गत वित्तीय विवरणों पर राय व्यक्त करने के लिए जिम्मेदार हैं। अधिनियम की धारा 143(10)। ऐसा उनके द्वारा दिनांक 31 जुलाई 2023 की ऑडिट रिपोर्ट के माध्यम से किया गया बताया गया है।

मैंने, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की ओर से, अधिनियम की धारा 143(6) (ए) के तहत 31 मार्च 2023 को समाप्त हुए वर्ष के लिए यूरेनियम कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के वित्तीय विवरणों का पूरक ऑडिट किया है। यह पूरक ऑडिट वैधानिक लेखा परीक्षकों के कामकाजी कागजात तक पहुंच के बिना स्वतंत्र रूप से किया गया है और यह मुख्य रूप से वैधानिक लेखा परीक्षकों और कंपनी कर्मियों की पूछताछ और कुछ लेखांकन रिकॉर्ड की चयनात्मक जांच तक सीमित है।

मेरे पूरक लेखापरीक्षा के आधार पर मेरी जानकारी में कुछ भी महत्वपूर्ण नहीं आया है जो अधिनियम की धारा 143(6)(बी) के तहत वैधानिक लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट पर किसी भी टिप्पणी या पूरक को जन्म दे।

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 14 / 09 / 23

कृते
भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक नियंत्रक



(Gurveen Sidhu)

महानिदेशक लेखापरीक्षा
पर्यावरण एवं वैज्ञानिक विभाग

31 मार्च, 2023 तक तुलन-पत्र

विवरण	टिप्पणी	331 मार्च 2023	31 मार्च 2022
संपत्ति			
गैर-वर्तमान परिसंपत्तियां			
संपत्ति, सयंत्र और उपकरण	3	1,70,561.80	1,72,992.79
प्रगतिधीन कार्य पूजा	4	22,619.82	27,496.69
अमूर्त परिसंपत्तियां	5	604.04	689.25
वित्तीय परिसंपत्तियां			
— ऋण	6	624.80	691.92
— अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां	12	1,11,551.86	83,913.54
अन्य गैर-वर्तमान परिसंपत्तियां	7	94.85	754.34
कुल गैर-वर्तमान परिसंपत्तियां		3,06,057.17	2,86,538.53
वर्तमान संपत्ति			
मालसूची (इन्वेंटरी)	8	20,488.90	21,594.46
वित्तीय परिसंपत्तियां	9	21,897.74	1,28,764.81
— व्यापार प्राप्य	10	5,011.50	29,710.10
— नकद और नकद समतुल्य के अलावा बैंक शेष राशि	11	73,841.46	31.21
— ऋण	6	4,122.52	2,984.70
— अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां	12	3,419.09	258.08
अन्य वर्तमान परिसंपत्तियां	13	17,271.96	11,819.86
कुल वर्तमान परिसंपत्तियां		1,46,053.16	1,95,163.22
कुल परिसंपत्तियां		4,52,110.33	4,81,701.75
इक्विटी और देनदारियां			
इक्विटी	14		2,09,461.78
अन्य इक्विटी	15	1,60,811.07	1,85,008.26
कुल इक्विटी		3,70,272.85	3,94,470.04
देयताएं			
गैर-वर्तमान देनदारियां			
वित्तीय देनदारियां			
— अन्य वित्तीय देनदारियां	16	1,386.53	1,199.50
प्रावधान	17	19,176.32	15,831.17
आस्थगित कर देनदारियां (शुद्ध)	19	6,088.47	8,791.92
कुल गैर-वर्तमान देनदारियां		26,651.32	25,822.60
वर्तमान देनदारियां			
वित्तीय देनदारियां			
— उधार	16(a)	-	-
— व्यापार देय			
— सूक्ष्म और लघु उद्यमों का कुल बकाया	16(b)	2,808.50	80.14
— उपर्युक्त के अलावा	16(b)	12,608.54	10,127.20
— अन्य वित्तीय देनदारियां	16(c)	48,300.50	48,628.05
अन्य वर्तमान देनदारियां	20	3,750.24	3,196.97
प्रावधान	17	441.00	876.30
वर्तमान कर देनदारियां (शुद्ध)	18	(12,722.63)	(1,499.55)
कुल वर्तमान देनदारियां		55,186.16	61,409.11
कुल देनदारियां		81,837.48	87,231.71
कुल इक्विटी और देनदारियां		4,52,110.33	4,81,701.75
खातों के लिए नोट्स, महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां, खातों पर अतिरिक्त नोट और अतिरिक्त नियामक नीतियां	1,2, 35, 36		

खातों पर नोट्स, महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां, खातों पर अतिरिक्त नोट और अतिरिक्त नियामक जानकारी

संलग्न टिप्पणियाँ इन वित्तीय विवरणों का एक अभिन्न भाग हैं।

संलग्न समिति की हमारी रिपोर्ट के अनुसार

कृते मेसर्स कदमावाला एड कंपनी

चार्टर्ड अकाउंटेंट

कृते एवं निदेशक मंडल की ओर से

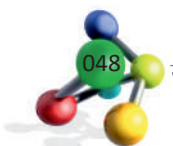
स्थान : मुंबई
दिनांक: 31.07.2023
यूडीआईएन : 23063654BGPJF2624

CA राकेश कुमार जैन
सहभागी
M-No- 063654

बी सी गुप्ता
कंपनी सचिव
ईआरपीजी 9596

राजेश कुमार
निदेशक(तकनीकी)
सी डीआईएन: 09217107

सी के असनानी
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक
डीआईएन 03497356



31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ और हानि विवरणी

विवरण	टिप्पणी	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
आय			
परिचालन से राजस्व	21	2,19,211.20	2,57,176.21
अन्य आय	22	8,746.75	4,295.81
कुल आय		2,27,957.95	2,61,472.03
व्यय			
तैयार माल और जारी कार्य की सूची में परिवर्तन	23(a)	25,841.52	16,831.34
कर्मचारी लाभ व्यय	23 (b)	2,298.21	1,028.57
वित्तीय लागत	24	60,408.46	58,742.60
वित्तीय लागत	25	754.93	71.05
ह्रास और परिशोधन व्यय	26	26,425.07	22,815.22
अन्य व्यय	27	1,02,512.46	84,235.59
कुल व्यय		2,18,240.65	1,83,724.37
कर से पहले लाभ / (हानि)		9,717.30	77,747.65
कर व्यय			
(1) वर्तमान कर	28	5,186.38	21,598.06
(2) आस्थगित कर	28	(2,039.38)	(1,522.43)
कुल कर व्यय		3,147.00	20,075.63
वर्ष के लिए लाभ / (हानि)		6,570.30	57,672.03
अन्य व्यापक आमदनी			
ऐसे वस्तुएं जिन्हें लाभ या हानि के लिए पुनर्वर्गीकृत नहीं किया जाएगा			
परिभाषित लाभ योजनाओं की पुनः माप		(1,507.56)	(557.80)
उपरोक्त वस्तुओं से संबंधित आयकर		664.07	286.00
वर्ष के लिए अन्य व्यापक आय (कर का शुद्ध)		(843.49)	(271.80)
वर्ष के लिए कुल व्यापक आय		5,726.81	57,400.23
प्रति शेयर आय			
बेसिक और डाइल्यूट	29	31.37	275.33

संलग्न टिप्पणियाँ इन वित्तीय विवरणों का एक अभिन्न भाग हैं।

संलग्न समिति की हमारी रिपोर्ट के अनुसार
कृते मेसर्स कदमावाला एड कंपनी
चार्टर्ड अकाउंटेंट
फर्म पंजीकरण संख्या **323212E**

कृते एवं निदेशक मंडल की ओर से

CA राकेश कुमार जैन
सहभागी
M-No- 063654

बी सी गुप्ता
कंपनी सचिव
आईआरपीजी 9596

राजेश कुमार
निदेशक(तकनीकी)
सी डीआईएन: 09217107

सी के असनानी
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक
डीआईएन 03497356

स्थान : मुंबई
दिनांक: 31.07.2023
यूडीआईएन : 23063654BGPMJF2624

31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए इक्विटी में परिवर्तन का विवरण

क. इक्विटी शेयर कैपिटल

वर्तमान रिपोर्टिंग अवधि (वित्त वर्ष 2022-23)

वर्तमान रिपोर्टिंग अवधि की शुरुआत में शेष राशि	पूर्व अवधि की त्रुटियों के कारण इक्विटी शेयर पूंजी में परिवर्तन	वर्तमान रिपोर्टिंग अवधि की शुरुआत में पुनर्निर्धारित शेष राशि	वर्तमान के दौरान इक्विटी शेयर पूंजी में परिवर्तन	वर्तमान रिपोर्टिंग अवधि के अंत में शेष राशि
2,09,461.78	-	-	-	2,09,461.78

पिछले रिपोर्टिंग अवधि (वित्त वर्ष 2021-22)

वर्तमान रिपोर्टिंग अवधि की शुरुआत में शेष राशि	पूर्व अवधि की त्रुटियों के कारण इक्विटी शेयर पूंजी में परिवर्तन	वर्तमान रिपोर्टिंग अवधि की शुरुआत में पुनर्निर्धारित शेष राशि	वर्तमान के दौरान इक्विटी शेयर पूंजी में परिवर्तन	वर्तमान रिपोर्टिंग अवधि के अंत में शेष राशि
2,09,461.78	-	-	-	2,09,461.78

ख. अन्य इक्विटी

विवरण	शेयर आवेदन धन आबंटन लंबित	आरक्षित और अधिशेष		
		सामान्य आरक्षित	प्रतिधारित आय	कुल
1 अप्रैल 2021	-	14,336.03	1,31,035.00	1,45,371.03
वर्ष के लिए लाभ	-	-	57,672.03	57,672.03
वर्ष के लिए अन्य व्यापक आय	-	-	(271.80)	(271.80)
शेयर आवंटन से प्राप्त राशि	-	-	-	-
शेयर निर्गमन	-	-	-	-
प्रदत्त लाभांश	-	-	(17,763.00)	(17,763.00)
लाभांश वितरण कर (डीडीटी)	-	-	-	-
31 मार्च 2022	-	14,336.03	1,70,672.23	1,85,008.26
वर्ष के लिए लाभ	-	-	6,570.30	6,570.30
अन्य व्यापक आय	-	-	(843.49)	(843.49)
शेयर आवंटन से प्राप्त राशि	-	-	-	-
शेयर निर्गमन	-	-	-	-
प्रदत्त लाभांश	-	-	(19,724.00)	(19,724.00)
अंतरिम लाभांश	-	-	(10,200.00)	(10,200.00)
31 मार्च 2023	-	14,336.03	1,46,475.04	1,60,811.07

सामान्य रिजर्व:

रिजर्व इक्विटी के एक घटक से विनियोग द्वारा बनाया गया था यानी अन्य व्यापक आय का एक आइटम नहीं होने के कारण कमाई को दूसरे में बरकरार रखा गया था। संलग्न नोट इन वित्तीय विवरणों का एक अभिन्न अंग हैं।

संलग्न समिति की हमारी रिपोर्ट के अनुसार
कृते मेसर्स कदमावाला एड कंपनी
चार्टर्ड अकाउंटेंट

कृते एवं निदेशक मंडल की ओर से

स्थान : मुंबई
दिनांक: 31.07.2023
यूडीआईएन : 23063654BGPJMF2624

CA राकेश कुमार जैन
सहभागी
M-No- 063654

बी सी गुप्ता
कंपनी सचिव
ईआईआरपीजी 9596

राजेश कुमार
निदेशक(तकनीकी)
सी डीआईएन: 09217107

सी के असनानी
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक
डीआईएन 03497356



31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए खातों के लिए नोट्स

1. कॉर्पोरेट सूचना

यूरेनियम कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) ("कंपनी") शेयरों द्वारा सीमित एक सार्वजनिक कंपनी है, जो 4 अक्टूबर, 1967 को निगमित हुई और भारत में स्थापित हुई। यह परमाणु ऊर्जा विभाग के तहत एक सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है, जो परमाणु ऊर्जा चक्र में सबसे आगे है। दबावयुक्त भारी जल रिएक्टरों के लिए यूरेनियम की आवश्यकता को पूरा करते हुए, यूसीआईएल देश के परमाणु ऊर्जा उत्पादन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यूसीआईएल एक आईएसओ 9001:2015 और 14001:2015 कंपनी है और इसने अपनी खदानों और प्रक्रिया संयंत्रों के लिए आधुनिक तकनीकों को अपनाया है।

2. महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

2.1 तैयारी का आधार

वित्तीय विवरण कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015, कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम), परमाणु ऊर्जा अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत अधिसूचित भारतीय लेखा मानकों (इंड एस) के अनुसार तैयार किए गए हैं। 1962 और अन्य लागू वैधानिक अधिनियम। लेखांकन नीतियां वित्तीय विवरणों में प्रस्तुत सभी अवधियों पर लगातार लागू होती हैं।

2.2 माप का आधार

निम्नलिखित मामलों को छोड़कर, वित्तीय विवरण चालू चिंता अवधारणा, संचय आधार और ऐतिहासिक लागत सम्मेलन के तहत तैयार किए गए हैं।

एक। मेडिकल स्टोर, खेल सामग्री और कैंटीन और गेस्ट हाउस के प्रावधान का हिसाब नकद आधार पर किया जाता है, यानी खरीद के समय के खर्चों से शुल्क लिया जाता है।

बी। परिभाषित लाभ योजनाएं – उचित मूल्य पर मापी गई योजना परिसंपत्तियां, और

सी। खदान बंद करने का दायित्व उचित मूल्य पर मापा जाता है।

2.3 अनुमानों और निर्णयों का उपयोग

वित्तीय विवरणों की तैयारी में उपयोग किए गए अनुमानों और निर्णयों का कंपनी द्वारा लगातार मूल्यांकन किया जाता है और ये ऐतिहासिक अनुभव और विभिन्न अन्य मान्यताओं और कारकों (भविष्य की घटनाओं की अपेक्षाओं सहित) पर आधारित होते हैं जिन्हें कंपनी मौजूदा परिस्थितियों में उचित मानती है। वास्तविक परिणामों और अनुमानों के बीच अंतर उस अवधि में पहचाना जाता है जिसमें परिणाम ज्ञातधूमौतिक रूप में सामने आते हैं।

उक्त अनुमान उन तथ्यों और घटनाओं पर आधारित हैं, जो रिपोर्टिंग तिथि पर मौजूद थे, या जो उस तिथि के बाद घटित हुए थे, लेकिन रिपोर्टिंग तिथि पर मौजूद स्थितियों के बारे में अतिरिक्त सबूत प्रदान करते हैं।

2.4 कार्यात्मक मुद्रा और विदेशी मुद्रा अनुवाद

एक। कार्यात्मक और प्रस्तुति मुद्रा

कंपनी की रिपोर्ट की गई मुद्रा और इसके अधिकांश परिचालनों के लिए कार्यात्मक मुद्रा भारतीय रुपये (₹) में है, जो उस आर्थिक माहौल की प्रमुख मुद्रा है जिसमें यह संचालित होती है, और दो दशमलव बिंदु तक शलाख में ₹ २ तक पूर्णांकित होती है, अन्यथा बताए गए को छोड़कर।

बी। लेन-देन और शेष

विदेशी मुद्राओं में लेनदेन को लेनदेन की तारीख पर प्रचलित विनिमय दर का उपयोग करके कंपनी की रिपोर्ट की गई मुद्रा में परिवर्तित किया जाता है। रिपोर्टिंग अवधि के अंत में बकाया विदेशी मुद्राओं में अंकित मौद्रिक संपत्ति और देनदारियों को रिपोर्टिंग अवधि के अंत में प्रचलित विनिमय दरों पर अनुवादित किया जाता है। विदेशी मुद्रा में मूल्यवर्गित गैर-मौद्रिक वस्तुओं का मूल्य लेनदेन की तिथि पर प्रचलित विनिमय दरों पर किया जाता है।

मौद्रिक संपत्तियों और देनदारियों के निपटान पर या मौद्रिक संपत्तियों और देनदारियों को उन दरों से

भिन्न दरों पर अनुवाद करने पर उत्पन्न होने वाले विनिमय अंतर, जिस पर उन्हें अवधि के दौरान प्रारंभिक मान्यता पर या पिछले वित्तीय विवरणों में अनुवादित किया गया था, लाभ और हानि के विवरण में मान्यता दी जाएगी। जिस अवधि में वे उत्पन्न होती हैं, पूंजीगत संपत्तियों के मामले में उत्पन्न होने वाले अंतर को अचल संपत्तियों/ध्रुंजी में स्थानांतरित कर दिया जाता है।

2.5 वर्तमान और गैर-वर्तमान वर्गीकरण

सभी परिसंपत्तियों और देनदारियों को तब चालू के रूप में वर्गीकृत किया जाता है जब यह कंपनी के सामान्य परिचालन चक्र, यानी बारह महीने के भीतर देय होता है। अन्य सभी संपत्तियों और देनदारियों को गैर-चालू के रूप में वर्गीकृत किया गया है। आस्थगित कर परिसंपत्तियों और आस्थगित कर देनदारियों को हमेशा गैर-वर्तमान परिसंपत्तियों/धेनदारियों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

2.6 संपत्ति, संयंत्र और उपकरण

फ्रीहोल्ड और लीजहोल्ड भूमि ऐतिहासिक कीमत पर ली जाती है। ऐतिहासिक लागत में वह व्यय शामिल होता है जो सीधे तौर पर भूमि के अधिग्रहण से जुड़ा होता है जैसे पुनर्वास व्यय, पुनर्वास लागत और संबंधित विस्थापित व्यक्तियों के लिए किया गया मुआवजा आदि।

नई खदान के निर्माण के दौरान उत्पादित अयस्क से होने वाली आय को घटाने के बाद नई खदान की स्थापना पर होने वाले व्यय को पूंजीकृत किया जाता है।

सिस्टम सॉफ्टवेयर को संबंधित परिसंपत्तियों के साथ पूंजीकृत किया जाता है।

अन्य सभी संपत्ति, संयंत्र और उपकरण को ऐतिहासिक लागत पर संचित मूल्यहास और संचित हानि हानि, यदि कोई हो, घटाकर बताया गया है। लागत में परियोजनाओं के संबंध में पूर्व-संचालन व्यय, संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के अधिग्रहण या स्व-निर्माण के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार व्यय और निर्माण & स्थापना के लिए किए गए व्यय और परिसंपत्तियों को उनके इच्छित उद्देश्य के लिए काम करने की स्थिति में लाने की अन्य जिम्मेदार लागतें शामिल हैं। उपयोग।

कंपनी द्वारा कुछ संपत्तियों के निर्माण/विकास पर किए

गए पूंजीगत व्यय, जो उत्पादन, माल की आपूर्ति या कंपनी की किसी भी मौजूदा संपत्ति तक पहुंच के लिए आवश्यक हैं, को संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के तहत सक्षम संपत्ति के रूप में मान्यता दी जाती है।

जब संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की किसी वस्तु के महत्वपूर्ण हिस्सों का उपयोगी जीवन अलग-अलग होता है, तो उन्हें संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की अलग-अलग वस्तुओं (घटकों) के रूप में गिना जाता है।

मरम्मत और रखरखाव के रूप में वर्णित दिन-प्रतिदिन की सर्विसिंग की लागत को उस अवधि में लाभ और हानि के विवरण में मान्यता दी जाती है, जिसमें वह खर्च किया जाता है।

संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की पहले से ही पूंजीकृत वस्तु पर बाद के व्यय को पूंजीकृत किया जाता है, जब यह किसी मौजूदा वस्तु में सन्निहित भविष्य के आर्थिक लाभों को बढ़ाता है और संभावित रूप से मूल्यहास किया जाता है।

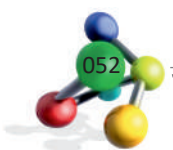
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की किसी वस्तु के निपटान या सेवानिवृत्ति पर उत्पन्न होने वाले किसी भी लाभ या हानि को लाभ और हानि विवरण में मान्यता दी जाती है।

बीमा पुर्जें जिनका उपयोग केवल संपत्ति, संयंत्र या उपकरण की किसी वस्तु के संबंध में किया जा सकता है और इसका उपयोग अनियमित होने की उम्मीद है, पूंजीकृत हैं। स्टैंड बाई उपकरण को संपत्ति, संयंत्र या उपकरण के रूप में वर्गीकृत किया जाता है यदि उन्हें वस्तुओं या सेवाओं के उत्पादन या आपूर्ति में उपयोग के लिए रखा जाता है और एक से अधिक अवधि के लिए उपयोग किए जाने की उम्मीद है अन्यथा ऐसी संपत्तियों को इन्वेंट्री के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

2.7 पट्टे

एक पट्टेदार के रूप में कंपनी सभी पट्टों के लिए एकल मान्यता और माप दृष्टिकोण लागू करती है। कंपनी पट्टा भुगतान करने के लिए पट्टा देनदारियों और अंतर्निहित परिसंपत्तियों के उपयोग के अधिकार का प्रतिनिधित्व करने वाली परिसंपत्तियों के उपयोग के अधिकार को पहचानती है। लीज देनदारियों को प्रारंभ तिथि पर या उससे पहले किए गए लीज भुगतान पर मापा जाता है।

कंपनी पट्टे की आरंभ तिथि पर परिसंपत्तियों के उपयोग के



अधिकार को मान्यता देती है (अर्थात्, वह तिथि जब अंतर्निहित परिसंपत्ति उपयोग के लिए उपलब्ध होती है)। उपयोग के अधिकार वाली संपत्तियों को लागत पर मापा जाता है, किसी भी संचित मूल्यह्रास और हानि हानि को घटाकर, और पट्टे की देनदारियों के किसी भी पुनरू माप के लिए समायोजित किया जाता है। उपयोग के अधिकार वाली संपत्तियों की लागत में मान्यता प्राप्त पट्टा देनदारियों की राशि, प्रारंभिक प्रत्यक्ष लागत, और प्रारंभ तिथि पर या उससे पहले किए गए पट्टे के भुगतान में प्राप्त किसी भी पट्टा प्रोत्साहन को शामिल नहीं किया गया है। उपयोग के अधिकार वाली संपत्तियों का मूल्यह्रास संपत्तियों के अनुमानित उपयोगी जीवन के दौरान सीधी रेखा के आधार पर किया जाता है।

2.8 मूल्यह्रास

संपत्ति, संयंत्र और उपकरण पर मूल्यह्रास कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची ८ में निर्दिष्ट उपयोगी जीवन के आधार पर या कंपनी के तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा किए गए तकनीकी अनुमान के आधार पर सीधी रेखा पद्धति पर प्रदान किया जाता है। संपत्ति, संयंत्र और उपकरण जिनके लिए तकनीकी अनुमान पर मूल्यह्रास प्रदान किया गया है, नीचे उल्लिखित हैं :

उपयोगी जीवन –

- सड़क, पुल और पुलिया : 30 वर्ष
- दस्ता और गिरावट : 21 वर्ष
- विद्युत संस्थापन : 15 वर्ष
- संयंत्र और मशीनरी (मिल) : 8.5–9.5 वर्ष
(ट्रिपल शिफ्ट के आधार पर)
- आवासीय भवन तुरामडीह : 45 वर्ष
- कॉन्सर्टिना वायर फेंसिंग : 15 वर्ष
- चेन लिंक बाड़ लगाना : 10 वर्ष
- कांटेदार तार की बाड़ : 5 वर्ष

ओपनकास्ट खदान के विकास, ओवरबर्डन को हटाने और कमीशनिंग की तारीख तक खनन बेंच की तैयारी पर किए गए व्यय को खदान के जीवन पर परिशोधन किया जाता है।

खान विकास व्यय खनिज भंडार तक पहुंच स्थापित करना है। इसमें सड़कों, क्रॉस-कट, ड्रिप्ट, नालियों, रैंप आदि के विकास जैसी विभिन्न गतिविधियां शामिल हैं।

तकनीकी अनुमान के अनुसार खदान विकास व्यय को संबंधित परिसंपत्ति के उपयोगी जीवन पर पूंजीकृत और मूल्यह्रास किया जाता है।

तकनीकी अनुमान के अनुसार, तुरामडीह मिल विस्तार को संबंधित परिसंपत्तियों के शेष उपयोगी जीवन पर पूंजीकृत और मूल्यह्रास किया गया है।

एक वित्तीय वर्ष में पूरा किए गए टेलिंग बांध (स्लम बांध) के उत्थान का हिस्सा पूंजीकृत किया जाता है और तकनीकी मूल्यांकन के अनुसार ऐसे उत्थान के उपयोगी जीवन पर मूल्यह्रास किया जाता है।

परिवर्धन या विस्तार, जो मौजूदा परिसंपत्तियों का अभिन्न अंग बन जाता है, उस परिसंपत्ति के शेष उपयोगी जीवन पर मूल्यह्रास किया जाता है।

टेलिंग तालाबों के निर्माण के लिए उपयोग की जाने वाली सरकारी भूमि, निजी भूमि और वन भूमि का मूल्य टेलिंग तालाबों के उपयोगी जीवन से कम हो जाता है।

अन्य उद्देश्यों के लिए उपयोग की जाने वाली पट्टे के तहत अर्जित सरकारी भूमि का मूल्य परिसंपत्ति के उपयोगी जीवन और पट्टे की अवधि के कम होने पर कम हो जाता है यदि कोई उचित निश्चितता नहीं है कि कंपनी पट्टे की अवधि के अंत में स्वामित्व प्राप्त करेगी।

बीमा पुर्जों का मूल्यह्रास संबंधित परिसंपत्तियों के शेष उपयोगी जीवन पर उस दर पर किया जाता है जो मौजूदा परिसंपत्तियों पर लागू होता है और मौजूदा परिसंपत्तियों के अधिग्रहण से लेकर बीमा पुर्जों के अधिग्रहण की तारीख तक मूल्यह्रास की राशि वर्ष में वसूल की जाती है। अधिग्रहण का.

प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में परिसंपत्तियों के अवशिष्ट मूल्यों और परिसंपत्तियों के अनुमानित उपयोगी जीवन की समीक्षा की जाती है, और यदि उपयुक्त हो तो समायोजित किया जाता है।

वर्ष के दौरान जोड़ी गई धनिपट्टाई गई संपत्तियों पर आनुपातिक आधार पर मूल्यह्रास लगाया जाता है, जिसमें अधिग्रहणध्वालू करने के लिए महीने का पहला दिन और

निपटान के लिए महीने का आखिरी दिन शामिल होता है।

2.9 अमूर्त संपत्ति और परिशोधन

अमूर्त संपत्तियों को लागत पर प्रारंभिक पहचान पर मापा जाता है। प्रारंभिक मान्यता के बाद, अमूर्त संपत्तियों को किसी भी संचित परिशोधन और संचित हानि हानि को घटाकर लागत पर ले जाया जाता है।

पहले से ही पूंजीकृत अमूर्त संपत्तियों पर बाद के व्यय को पूंजीकृत किया जाता है जब यह मौजूदा संपत्ति में सन्निहित भविष्य के आर्थिक लाभों को बढ़ाता है और संभावित रूप से परिशोधन किया जाता है।

आंतरिक उपयोग के लिए प्राप्त सॉफ्टवेयर की लागत (जो संबंधित हार्डवेयर का अभिन्न अंग नहीं है) और जिसके परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण भविष्य के आर्थिक लाभ होते हैं, को एक अमूर्त संपत्ति के रूप में मान्यता दी जाती है जब वह इसके उपयोग के लिए तैयार होता है।

भूमि के उपयोग के अधिकार जैसी पहचान योग्य अमूर्त संपत्तियों के अधिग्रहण के लिए भुगतान की गई राशि को भुगतान किए गए विचार के उचित मूल्य पर पूंजीकृत किया जाता है और संचित मूल्यह्रास और हानि शुल्क को घटाकर लागत पर दर्ज किया जाता है। अमूर्त संपत्ति (सीमित जीवन के साथ) को उनके अपेक्षित उपयोगी जीवन के दौरान सीधी रेखा के आधार पर लागत मॉडल के अनुसार परिशोधित किया जाता है।

विकास गतिविधियाँ वाणिज्यिक उत्पादन या उपयोग की शुरुआत से पहले नई या काफी हद तक बेहतर सामग्री, प्रक्रियाओं, प्रणालियों के उत्पादन के लिए एक योजना या डिजाइन के लिए निष्कर्ष या अन्य ज्ञान का अनुप्रयोग है। लागत का परिशोधन सीधी रेखा के आधार पर पांच वर्षों में किया जाएगा।

2.10 पूंजीगत कार्य प्रगति पर है

प्रगति में पूंजीगत कार्य में परिसंपत्तियों के अधिग्रहण और निर्माण के लिए व्यय और संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की लागत शामिल है जो अभी तक अपने इच्छित उपयोग के लिए तैयार नहीं हैं।

2.11 खदान बंद करना, साइट की बहाली और डिकमीशनिंग दायित्व

अनुमानित नकदी प्रवाह का उपयोग करके दायित्व को

निपटाने के लिए अपेक्षित लागत के वर्तमान मूल्य पर डिकमीशनिंग लागत प्रदान की जाती है और इसे संबंधित परिसंपत्तियों की लागत के हिस्से के रूप में मान्यता दी जाती है। नकदी प्रवाह को मौजूदा कर-पूर्व दर पर छूट दी जाती है जो पैसे के समय मूल्य के वर्तमान बाजार मूल्यांकन को दर्शाता है। छूट को समाप्त करने का व्यय वित्त लागत के रूप में लाभ और हानि के विवरण में किया जाता है। अनुमानित भविष्य की लागत या लागू छूट दर में परिवर्तन, परिसंपत्ति की लागत में जोड़ा या घटाया जाता है। खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 के अनुसार खान बंद करने और पर्यावरण की बहाली के दायित्व को पूरा करने का दायित्व तकनीकी रूप से मेसर्स मेकॉन लिमिटेड द्वारा अनुमानित है।

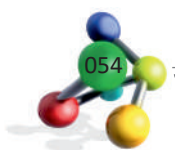
2.12 सहायता अनुदान

पूंजीगत व्यय के लिए केंद्र सरकार से प्राप्त अनुदान सहायता जहां अर्जित परिसंपत्तियों का स्वामित्व सरकार के पास होता है, अनुदान को ऐसी परिसंपत्तियों की वहन लागत में समायोजित किया जाता है।

2.13 गैर-वित्तीय परिसंपत्तियों की क्षति

यह निर्धारित करने के लिए कि क्या हानि का कोई संकेत है, प्रत्येक बैलेंस शीट तिथि पर परिसंपत्तियों की अग्रणीत राशि की समीक्षा की जाती है। यदि कोई संकेत मौजूद है, तो संपत्ति की वसूली योग्य राशि का अनुमान लगाया जाता है। किसी परिसंपत्ति की वहन राशि उसकी वसूली योग्य राशि से अधिक होने पर हानि हानि को मान्यता दी जाती है। वसूली योग्य राशि परिसंपत्ति के विक्रय मूल्य और उपयोग में मूल्य से अधिक है। उपयोग में मूल्य का आकलन करने में, अनुमानित भविष्य के नकदी प्रवाह को उनके वर्तमान मूल्य से छूट दी जाती है।

वहन राशि को वसूली योग्य राशि में घटा दिया जाता है और कमी को लाभ और हानि के विवरण में हानि हानि के रूप में मान्यता दी जाती है। परिस्थितियों में बदलाव के आधार पर पहले से मान्यता प्राप्त हानि हानि को बढ़ाया या घटाया जाता है। हालाँकि, एक हानि हानि को वहन राशि से अधिक राशि तक कम नहीं किया जाता है जो कि निर्धारित की गई होती (परिशोधन या मूल्यह्रास का शुद्ध) यदि पिछले वर्ष में कोई हानि हानि मान्यता नहीं दी गई थी। क्षति के बाद, उसके शेष उपयोगी जीवन के दौरान क्षतिग्रस्त संपत्ति के संशोधित मूल्य पर मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है।



2.14 वित्तीय साधन

एक वित्तीय साधन कोई भी अनुबंध है जो एक इकाई की वित्तीय संपत्ति और किसी अन्य इकाई की वित्तीय देनदारी या इक्विटी साधन को जन्म देता है।

एक। वित्तीय पूंजी

कंपनी की वित्तीय संपत्तियों में नकदी और बैंक शेष, कर्मचारियों को ऋण और अग्रिम, व्यापार प्राप्त्य और सुरक्षा जमा शामिल हैं।

व्यापार प्राप्त्य को उनके लेनदेन मूल्य पर मापा जाता है।

निश्चित परिपक्वता के बिना सुरक्षा जमा राशि उस मूल्य पर ले जाई जा रही है जिस पर यह अनुबंध की समाप्ति पर प्राप्त होगी और यही वह राशि है जिसका वास्तव में भुगतान किया जा रहा है। जिस समय अवधि में राशि प्राप्त होगी वह निश्चित नहीं है क्योंकि राशि तब प्राप्त होगी जब अनुबंध समाप्त किया जा रहा है। समयावधि अनिश्चित होने के कारण छूट देना छोड़ दिया गया है।

वित्तीय परिसंपत्तियों की मान्यता रद्द करना

किसी वित्तीय परिसंपत्ति की मान्यता केवल तभी रद्द की जाती है जब कंपनी ने वित्तीय परिसंपत्ति से नकदी प्रवाह प्राप्त करने के अधिकार हस्तांतरित कर दिए हों, या वित्तीय परिसंपत्तियों के नकदी प्रवाह प्राप्त करने के लिए संविदात्मक अधिकार बरकरार रखे हों, लेकिन किसी एक को नकदी प्रवाह का भुगतान करने के लिए संविदात्मक दायित्व मान लिया हो। अधिक प्राप्तकर्ता।

बी। वित्तीय देनदारियों

कंपनी की वित्तीय देनदारियां किसी अन्य इकाई को नकदी या अन्य वित्तीय परिसंपत्ति वितरित करने या कंपनी के लिए संभावित रूप से प्रतिकूल परिस्थितियों में किसी अन्य इकाई के साथ वित्तीय परिसंपत्तियों या वित्तीय देनदारियों का आदान-प्रदान करने के लिए संविदात्मक दायित्व हैं।

कंपनी की वित्तीय देनदारियों में ऋण और उधार, व्यापार और अन्य देय शामिल हैं। उन्हें उनके लेनदेन मूल्य पर पहचाना जाता है।

वित्तीय दायित्व की मान्यता रद्द करना

किसी वित्तीय दायित्व की मान्यता तब रद्द कर दी जाती है

जब दायित्व के तहत दायित्व का निर्वहन या रद्द कर दिया जाता है या समाप्त हो जाता है। किसी वित्तीय देनदारी की वहन राशि के बीच का अंतर जिसे समाप्त कर दिया गया है या किसी अन्य पार्टी को हस्तांतरित कर दिया गया है और भुगतान किए गए विचार, जिसमें हस्तांतरित की गई कोई भी गैर-नकद संपत्ति या देनदारियां शामिल हैं, को लाभ और हानि के विवरण में अन्य आय या वित्त लागत के रूप में मान्यता दी गई है।

वित्तीय साधनों की ऑफसेटिंग

वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देनदारियों की भरपाई की जाती है और शुद्ध राशि को बैलेंस शीट में रिपोर्ट किया जाता है यदि मान्यता प्राप्त राशियों की भरपाई करने के लिए वर्तमान में लागू करने योग्य कानूनी अधिकार हैं और परिसंपत्तियों का एहसास करने और देनदारियों का निपटान करने के लिए शुद्ध आधार पर निपटान करने का इरादा है। इसके साथ ही।

2.15 इन्वेंटरी

एक। इन्वेंटरी का मापन

इन्वेंटरी का मूल्य कम लागत और शुद्ध वसूली योग्य मूल्य पर किया जाता है। शुद्ध वसूली योग्य मूल्य इन्वेंट्री के लिए अनुमानित बिक्री मूल्य है, जिसमें पूरा होने की अनुमानित लागत और बिक्री करने के लिए आवश्यक अनुमानित लागत शामिल है।

बी। लागत सूत्र

सी। भण्डार एवं पुर्ज

स्पेयर पार्ट्स और स्टैंडबाय उपकरण को इन्वेंट्री के रूप में वर्गीकृत किया जाता है यदि उनका उपयोग किसी वस्तु के उत्पादन या आपूर्ति में किया जाता है। ढीले उपकरण जारी करने के वर्ष में बड़े खाते में डाल दिए जाते हैं। पूंजीगत भंडार और बीमा पुर्जों को छोड़कर पांच वर्षों तक स्थानांतरित नहीं किए गए स्टोरस्पेयर के लिए नॉन-मूविंग का प्रावधान बनाया गया है। अप्रचलित घोषित की गई सामग्रियों को आवश्यक निपटान के लिए अलग कर दिया जाता है और उनका बही मूल्य बड़े खाते में डाल दिया जाता है। निपटान पर प्राप्त मूल्य को आय में जमा किया जाता है।

2.16 नकद और नकद समकक्ष

नकदी प्रवाह के विवरण में प्रस्तुतिकरण के उद्देश्य से, नकदी और नकदी समकक्षों में हाथ में नकदी, बैंक में नकदी, अधिग्रहण की तारीख से तीन महीने या उससे कम की मूल परिपक्वता के साथ अल्पकालिक अत्यधिक तरल निवेश शामिल हैं जो आसानी से ज्ञात में परिवर्तनीय हैं। नकदी की मात्रा और जो मूल्य में मामूली जोखिम परिवर्तन के अधीन है, और बैंक ओवरड्राफ्ट। बैंक ओवरड्राफ्ट को बैलेंस शीट में वर्तमान देनदारियों में उधार के भीतर दिखाया जाता है।

2.17 कराधान

आयकर व्यय वर्तमान और आस्थगित कर के योग का प्रतिनिधित्व करता है। कर को लाभ और हानि के विवरण में मान्यता दी जाती है, सिवाय इसके कि यह सीधे इक्विटी या अन्य व्यापक आय में मान्यता प्राप्त वस्तुओं से संबंधित है।

एक। वर्तमान आयकर

वर्तमान कर आयकर अधिनियम, 1961 के तहत वर्ष के लिए कर योग्य लाभ पर आधारित है।

बी। आस्थगित कर

आस्थगित कर को कंपनी के वित्तीय विवरणों में परिसंपत्तियों और देनदारियों की वहन मात्रा और कर योग्य लाभ की गणना में उपयोग किए जाने वाले संबंधित कर आधारों के बीच अस्थायी अंतर पर मान्यता दी जाती है और बैलेंस शीट देयता पद्धति का उपयोग करके इसका हिसाब लगाया जाता है।

आस्थगित कर परिसंपत्तियों को आम तौर पर सभी कटौती योग्य अस्थायी अंतरों, अप्रयुक्त कर हानियों और अप्रयुक्त कर क्रेडिट के लिए इस हद तक मान्यता दी जाती है कि यह संभव है कि भविष्य में कर योग्य लाभ उपलब्ध होगा जिसके विरुद्ध उन कटौती योग्य अस्थायी अंतर, अप्रयुक्त कर हानियों और अप्रयुक्त कर क्रेडिट का उपयोग किया जा सकता है। प्रत्येक बैलेंस शीट तिथि पर आस्थगित कर परिसंपत्तियों की वहन राशि की समीक्षा की जाती है और इस हद तक कम कर दी जाती है कि यह अब संभव नहीं है कि पर्याप्त कर योग्य लाभ उपलब्ध होगा जिसके विरुद्ध अस्थायी अंतर का

उपयोग किया जा सकता है।

आस्थगित कर परिसंपत्तियों और देनदारियों को उन कर दरों पर मापा जाता है जो उस अवधि में लागू होने की उम्मीद होती है जिसमें देयता का निपटान किया जाता है या परिसंपत्ति की वसूली की जाती है, कर दरों (और कर कानूनों) के आधार पर जो बैलेंस शीट द्वारा अधिनियमित या मूल रूप से अधिनियमित की गई हैं तारीख।

2.18 राजस्व पहचान

कंपनी राजस्व को तब पहचानती है जब राजस्व की मात्रा को विश्वसनीय रूप से मापा जा सकता है, यह संभव है कि भविष्य में आर्थिक लाभ इकाई को मिलेगा, यानी, जब यूरेनियम सांद्रण भारत सरकार को सौंप दिया जाएगा। उप-उत्पादों की बिक्री से प्राप्त राजस्व को रिटर्न और भत्ते, व्यापार छूट और वॉल्यूम छूट के अलावा प्राप्त या प्राप्य (जीएसटी का शुद्ध) प्रतिफल के आधार पर पहचाना जाता है।

2.19 उधार लेने की लागत

योग्य संपत्तियों के अधिग्रहण या निर्माण के लिए सीधे तौर पर उधार लेने की लागत को ऐसी संपत्तियों की लागत के हिस्से के रूप में पूंजीकृत किया जाता है (अस्थायी रूप से फंड की तैनाती पर आय का शुद्ध) जब तक कि संपत्ति इच्छित उपयोग के लिए तैयार न हो जाए। अर्हक परिसंपत्तियाँ वे परिसंपत्तियाँ हैं जिन्हें अपने इच्छित उपयोग के लिए तैयार होने में आवश्यक रूप से पर्याप्त समय लगता है।

अन्य सभी उधार लागतों को उस अवधि में लाभ और हानि के विवरण में मान्यता दी जाती है जिसमें वे खर्च किए गए हैं।

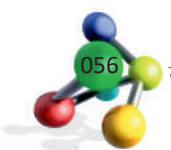
2.20 कर्मचारी लाभ

एक। अल्पकालिक लाभ

सभी अल्पकालिक कर्मचारी लाभों को उस वर्ष के लाभ और हानि विवरण में मान्यता दी जाती है जिसमें संबंधित सेवाएं प्रदान की जाती हैं।

बी। नकदीकरण लाभ छोड़ें

अर्जित अवकाश और बीमारी अवकाश की देनदारियों का निपटान उस अवधि की समाप्ति के



बाद 12 महीनों के भीतर होने की उम्मीद नहीं है जिसमें कर्मचारी संबंधित सेवा प्रदान करता है। इसलिए उन्हें इस संबंध में किए जाने वाले अपेक्षित भविष्य के भुगतान के वर्तमान मूल्य के रूप में मापा जाता है। अनुमानित यूनिट क्रेडिट पद्धति का उपयोग करके रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक कर्मचारियों द्वारा प्रदान की गई सेवाओं की संख्या। संबंधित दायित्व की शर्तों के अनुरूप सरकारी प्रतिभूतियों पर रिपोर्टिंग अवधि के अंत में बाजार की पैदावार का उपयोग करके लाभों में छूट दी जाती है। अनुभव समायोजन और बीमांकिक मूल्यांकन में परिवर्तन के परिणामस्वरूप पुनरू माप को अन्य व्यापक आय में मान्यता दी जाती है।

यदि इकाई के पास रिपोर्टिंग अवधि के बाद कम से कम बारह महीने के लिए निपटान को स्थगित करने का बिना शर्त अधिकार नहीं है, तो दायित्वों को बैलेंस शीट में वर्तमान देनदारियों के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, भले ही वास्तविक निपटान होने की उम्मीद हो।

सी। रोजगार के बाद के लाभ और अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ

कंपनी निम्नलिखित रोजगारोत्तर योजनाएं संचालित करती हैरू –

1. परिभाषित लाभ योजनाएं जैसे ग्रेच्युटी, रोजगार के बाद चिकित्सा लाभ।

एक। ग्रेच्युटी दायित्व

परिभाषित लाभ सेवानिवृत्ति योजनाओं के लिए, लाभ प्रदान करने की लागत अनुमानित यूनिट क्रेडिट पद्धति का उपयोग करके निर्धारित की जाती है, जिसमें प्रत्येक वार्षिक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में बीमांकिक मूल्यांकन किया जाता है।

परिभाषित लाभ ग्रेच्युटी योजनाओं के संबंध में बैलेंस शीट में मान्यता प्राप्त देनदारी या परिसंपत्ति, रिपोर्टिंग अवधि के अंत में परिभाषित लाभ दायित्वों का वर्तमान मूल्य है, जिसमें से योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य कम होता है।

परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य सरकारी बांडों

पर रिपोर्टिंग अवधि के अंत में बाजार की पैदावार के संदर्भ में अनुमानित भविष्य के नकदी बहिर्वाह को छूट देकर निर्धारित किया जाता है, जिनकी शर्तें संबंधित दायित्वों की शर्तों के करीब होती हैं।

शुद्ध ब्याज लागत की गणना परिभाषित लाभ दायित्व के शुद्ध शेष और योजना परिसंपत्तियों के उचित मूल्य पर छूट दर लागू करके की जाती है। यह लागत लाभ और हानि विवरण में कर्मचारी लाभ व्यय में शामिल है।

बीमांकिक मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न पुनरू मापन लाभ और हानि को उस अवधि में मान्यता दी जाती है जिसमें वे घटित होते हैं, सीधे अन्य व्यापक आय में। उन्हें इक्विटी में परिवर्तन के विवरण में बरकरार रखी गई कमाई में शामिल किया गया है। योजना समायोजन या कटौती के परिणामस्वरूप परिभाषित लाभ दायित्वों के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन को पिछली सेवा लागत के रूप में लाभ और हानि के विवरण में तुरंत मान्यता दी जाती है।

बी। रोजगार के बाद चिकित्सा लाभ

इन लाभों की अपेक्षित लागत रोजगार की अवधि के दौरान उसी लेखांकन पद्धति का उपयोग करके अर्जित की जाती है जिसका उपयोग परिभाषित लाभ योजनाओं के लिए किया जाता है। अनुभव समायोजन और बीमांकिक धारणाओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले लाभ और हानि को अन्य व्यापक आय में चार्ज या जमा किया जाता है जिसमें वे उत्पन्न होते हैं।

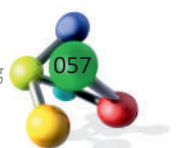
द्वितीय परिभाषित योगदान योजनाएं जैसे भविष्य निधि, सेवानिवृत्ति निधि।

भविष्य निधि में कंपनी का योगदान प्रोद्भव आधार पर लाभ और हानि के विवरण में लगाया जाता है।

सेवानिवृत्ति निधि के लिए योगदान कंपनी की नीतियों के अनुसार किया जाता है और भारतीय जीवन बीमा निगम के साथ वित्त पोषित होता है और उस वर्ष के लाभ और हानि के विवरण में लगाया जाता है जिसमें योगदान (प्रीमियम) देय होता है।

2.21 अनुसंधान एवं विकास व्यय

पूँजीगत मदों से संबंधित व्यय विशिष्ट संपत्ति, संयंत्र और उपकरण पर लगाया जाता है और लागू दरों पर मूल्यह्रास किया जाता है। राजस्व व्यय उस वर्ष के लाभ और हानि के विवरण में लगाया जाता है जिसमें यह खर्च किया जाता



है।

2.22 प्रीपेड व्यय

प्रीपेड खर्चों का हिसाब केवल तभी लगाया जाता है जहां असमाप्त अवधि से संबंधित राशि प्रत्येक मामले में 50,000 रुपये से अधिक हो।

23.0 स्ट्रिपिंग गतिविधि व्ययधसमायोजन

खदान के विकास चरण के दौरान अयस्क निकाय के विकास पर स्ट्रिपिंग व्यय को पूंजीकृत किया जाता है जबकि उत्पादन चरण के दौरान इसे लाभ और हानि के विवरण में शामिल किया जाता है।

2.24 दावा न किया गया दायित्व

नौकरीधनबंधन पूरा होने के बाद, दावा न किए गए अनुबंध मूल्य, बयाना राशि जमाधसुरक्षा जमाधनौकरीधनबंधन बंद होने के बाद पांच साल से अधिक समय से बकाया सावधानी राशि को अविवादित होने पर विविध आय में स्थानांतरित कर दिया जाएगा। यदि निर्विवाद क्रेडिट शेष अनुबंध मूल्य के कारण परियोजना से संबंधित है, और या अब कंपनी की देनदारियों के रूप में निर्धारित किया गया है, तो उसे पहचानी गई प्रासंगिक परिसंपत्तियों की लागत में समायोजित किया जाना है। ऐसी वस्तु का विवरण रखा जाएगा। बाद में रिफंड के मामले में, समीक्षा के बाद रिफंड के वर्ष में इसे विविध व्यय में डेबिट किया जाएगा।

2.25 प्रावधान और आकस्मिकताएँ

एक। प्रावधानों

प्रावधानों को तब मान्यता दी जाती है जब किसी पिछली घटना के परिणामस्वरूप वर्तमान दायित्वों के कारण संभवतः कंपनी से आर्थिक संसाधनों का बहिर्वाह हो जाएगा और मात्रा का अनुमान विश्वसनीय रूप से लगाया जा सकता है। बहिर्वाह का समय या मात्रा अभी भी अनिश्चित हो सकती है। वर्तमान दायित्व से जुड़े जोखिमों और अनिश्चितताओं सहित, रिपोर्टिंग तिथि पर उपलब्ध सबसे विश्वसनीय साक्ष्य के आधार पर प्रावधानों को वर्तमान दायित्व को निपटाने के लिए आवश्यक अनुमानित व्यय पर मापा जाता है। प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर सभी प्रावधानों की समीक्षा की जाती है और वर्तमान सर्वोत्तम अनुमान को प्रतिबिंबित करने के लिए समायोजित किया जाता है।

बी। आकस्मिक देयता

आकस्मिक देनदारियों का खुलासा पिछली घटनाओं से उत्पन्न संभावित दायित्वों के संबंध में किया जाता है, लेकिन उनके अस्तित्व की पुष्टि एक या अधिक अनिश्चित भविष्य की घटनाओं के घटित होने या न होने से होती है जो पूरी तरह से कंपनी के नियंत्रण में नहीं हैं या जहां किसी भी वर्तमान दायित्व को मापा नहीं जा सकता है। भविष्य में संसाधनों के बहिर्वाह के संदर्भ में या जहां दायित्व का विश्वसनीय अनुमान नहीं लगाया जा सकता है।

सी। आकस्मिक संपत्ति

आकस्मिक संपत्ति एक संभावित संपत्ति है जो पिछली घटनाओं से उत्पन्न होती है और जिसके अस्तित्व की पुष्टि केवल एक या अधिक अनिश्चित घटनाओं के घटित होने या न होने से होती है जो पूरी तरह से कंपनी के नियंत्रण में नहीं हैं।

आकस्मिक परिसंपत्तियों को मान्यता नहीं दी जाती है, लेकिन आर्थिक लाभ का प्रवाह संभावित होने पर खातों के नोट्स में इसका खुलासा किया जाता है। जब एक प्रवाह वस्तुतः निश्चित होता है, तो एक परिसंपत्ति को मान्यता दी जाती है।

2.26 शेयर पूंजी

साधारण शेयरों को इक्विटी के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

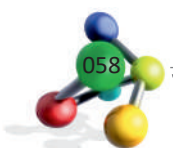
2.27 प्रति शेयर आय

प्रति शेयर मूल आय की गणना शेयरधारकों के लिए वर्ष के लिए शुद्ध लाभ और वर्ष के दौरान बकाया शेयरों की भारित औसत संख्या का उपयोग करके की जाती है।

प्रति शेयर पतला आय की गणना शेयरधारकों के लिए वर्ष के शुद्ध लाभ और वर्ष के दौरान बकाया इक्विटी और संभावित इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या का उपयोग करके की जाती है, सिवाय इसके कि जहां परिणाम—विरोधी होगा।

2.28 पूर्व अवधि समायोजन

पूर्व अवधि से संबंधित आयध्वय, जो प्रत्येक मामले में टर्नओवर के 0.50: से अधिक नहीं है, को चालू वर्ष की आयध्वय के रूप में माना जाता है।



2.29 नकदी प्रवाह विवरण

नकदी प्रवाह को अप्रत्यक्ष विधि का उपयोग करके रिपोर्ट किया जाता है, जिसके तहत कर से पहले लाभ को गैर-नकद प्रकृति के लेनदेन के प्रभाव, अतीत या भविष्य के परिचालन नकदी प्राप्तियों या भुगतानों के किसी भी स्थगन या संचय और निवेश से जुड़ी आय या व्यय की वस्तु के लिए समायोजित किया जाता है। नकदी प्रवाह का वित्तपोषण। नकदी प्रवाह को परिचालन, निवेश और वित्तपोषण गतिविधियों में विभाजित किया गया है।

2.30 महत्वपूर्ण लेखांकन अनुमान, धारणाएँ और निर्णय

कंपनी भविष्य के संबंध में अनुमान और धारणाएँ बनाती है। परिणामी लेखांकन अनुमान, परिभाषा के अनुसार, शायद ही कभी संबंधित वास्तविक परिणामों के बराबर होंगे। अगले वित्तीय वर्ष के भीतर परिसंपत्तियों और देनदारियों की वहन मात्रा में भौतिक समायोजन करने का महत्वपूर्ण जोखिम रखने वाले अनुमानों और मान्यताओं पर अगले पैराग्राफ में चर्चा की गई है।

अनुमानों और अंतर्निहित धारणाओं की निरंतर आधार पर समीक्षा की जाती है। लेखांकन अनुमानों में संशोधन को उस अवधि में मान्यता दी जाती है जिसमें अनुमान संशोधित किए जाते हैं और भविष्य में प्रभावित होने वाली किसी भी अवधि में।

एक। संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की क्षति

जब भी घटनाओं या परिस्थितियों में बदलाव से संकेत मिलता है कि परिसंपत्तियों का वहन मूल्य पुनर्प्राप्त नहीं किया जा सकता है, तो कंपनी संभावित हानि के लिए अपनी संपत्तियों, संयंत्र और उपकरणों का आकलन करती है। एक हानि हानि को तब मान्यता दी जाती है जब किसी परिसंपत्ति का वहन मूल्य उसके उचित मूल्य से अधिक हो जाता है, जिसमें बेचने की लागत और उपयोग में मूल्य कम हो जाता है।

किसी परिसंपत्ति की क्षति हुई है या नहीं और कितनी है, इसका निर्धारण करने में अनिश्चित मामलों पर प्रबंधन का

अनुमान शामिल होता है। हालाँकि, हानि की समीक्षा और गणना उन मान्यताओं पर आधारित होती है जो कंपनी की व्यावसायिक योजनाओं और दीर्घकालिक निवेश निर्णयों के अनुरूप होती हैं।

बी। संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (पीपीई) और अमूर्त वस्तुओं का उपयोगी जीवन

पीपीई का अनुमानित उपयोगी जीवन कई कारकों पर आधारित है, जिसमें अप्रचलन के प्रभाव, संपत्ति का उपयोग और अन्य आर्थिक कारक (जैसे ज्ञात तकनीकी प्रगति) शामिल हैं।

कंपनी प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि के अंत में पीपीई और अमूर्त वस्तुओं के उपयोगी जीवन की समीक्षा करती है।

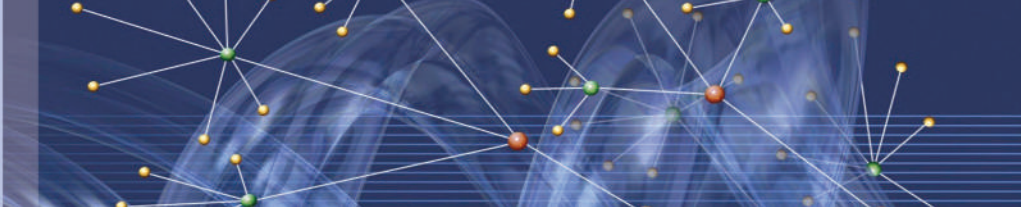
सी। साइट पुनर्स्थापना दायित्व

अनुमान तभी लगाया जाता है जब कंपनी पर वर्तमान दायित्व हो और यह संभव है कि भविष्य में पुनर्वासधुनर्स्थापना लागत खर्च की जाएगी। दायित्व तब मौजूद होता है जब पुनर्वासधुनर्स्थापना के अलावा कोई यथार्थवादी विकल्प नहीं होता है या जब इकाई कानूनी या रचनात्मक रूप से हुई क्षति को सुधारने और पर्यावरण को बहाल करने के लिए बाध्य हो जाती है।

डी। आय कर

आयकर के लिए प्रावधान निर्धारित करने में महत्वपूर्ण निर्णय की आवश्यकता है। ऐसे कई लेनदेन और गणनाएँ हैं जिनके लिए व्यवसाय के सामान्य पाठ्यक्रम के दौरान अंतिम कर निर्धारण अनिश्चित है। अतिरिक्त कर देय होंगे या नहीं, इसके अनुमान के आधार पर कंपनी प्रत्याशित कर मुद्दों के लिए देनदारियों को पहचानती है। जहां इन मामलों का अंतिम कर परिणाम प्रारंभ में दर्ज की गई राशियों से भिन्न होता है, ऐसे अंतर उस अवधि में आयकर और स्थगित कर प्रावधानों को प्रभावित करेंगे जिसमें ऐसा निर्धारण किया जाता है।

उन कारकों में कोई भी बदलाव उस अवधि में आयकर और स्थगित कर प्रावधानों को प्रभावित करेगा जिसमें ऐसा निर्धारण किया गया है।



3. संपत्ति, सयंत्र और उपकरण

विवरण	पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि	पट्टे वाली भूमि	कारखाने की इमारत	प्रशासनिक एवं अन्य भवन	सयंत्र और मशीनरी (स्वामित्व)	विद्युत संस्थापन	खुली खदान एवं भूमिगत खदान का विकास	फर्नीचर और स्थावर	उपकरण	वाहन	योग
सकल ब्लॉक											
1 अप्रैल 2021	5,435.70	263.93	34,950.20	8,293.52	2,04,907.11	21,078.84	8,415.19	396.79	691.44	371.02	2,84,803.75
परिवर्धन	27.19	-	39.67	139.36	2,518.89	347.76	9,559.18	29.45	142.50	147.26	12,951.26
31 मार्च 2022	5,462.89	263.93	34,989.87	8,432.88	2,07,426.00	21,426.60	17,974.37	426.25	833.94	518.29	2,97,755.01
परिवर्धन	-	-	2,888.25	248.67	10,178.83	1,949.18	8,539.24	28			
31 मार्च 2023	5,462.89	263.93	37,878.12	8,681.55	2,17,604.83	23,375.78	26,513.61	454.42	911.17	518.29	3,21,
संचित मूल्यदास और हानि											
1 अप्रैल 2021	57.12	136.83	7,647.66	1,235.52	80,856.30	9,113.13	3,649.97	246.25	548.33	265.99	1,03
वर्ष के लिए मूल्यदास प्रभार	13.44	18.62	1,453.40	209.17	15,985.79	1,706.52	1,493.11	29.77	69.76	25.54	21,005.13
वर्ष के लिए समायोजन	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
1 अप्रैल 2021	70.56	155.45	9,101.06	1,444.69	96,842.09	10,819.65	5,143.08	276.02	618.10	291.53	1,24,762.22
वर्ष के लिए मूल्यदास प्रभार	13.44	18.37	1,570.14	214.40	18,196.55	1,826.23	4,375.54	29.40	62.11	34.	-
वर्ष के लिए समायोजन	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
31 मार्च 2023	84.00	173.82	10,671.21	1,659.09	1,15,038.64	12,645.88	9,518.62	305.42	680.20	325.91	1,51,102.78
शुद्ध बही मूल्य											
31 मार्च 2023	5,378.89	90.11	27,206.91	7,022.46	1,02,566.19	10,729.90	16,995.00	149.00	230.96	192.38	1,70,561.80
31 मार्च 2022	5,392.33	108.48	25,888.81	6,988.19	1,10,583.91	10,606.95	12,831.29	150.23	215.84	226.76	1,72,992.79

इसके अलावा सीडब्ल्यूआईपी से रुपये का स्थानांतरण भी शामिल है। 18,880.87 लाख



4. प्रगतिधीन कार्य पूंजी

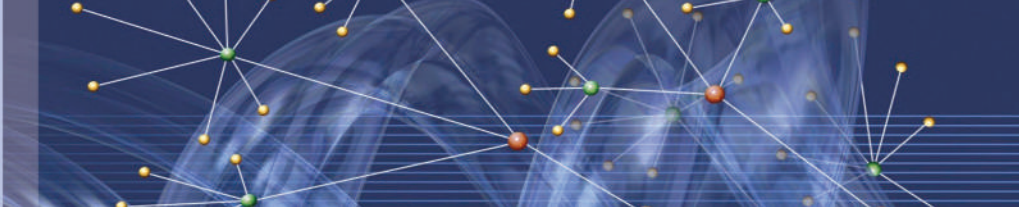
(₹ लाख में)

विवरण	प्रगतिधीन कार्य पूंजी (परिचालन इकाई)	प्रगतिधीन कार्य पूंजी (चालू परियोजना)	प्रगतिधीन कार्य पूंजी (परियोजना पूर्व व्यय)	स्थापना हेतु लंबित स्टॉक में पूंजी परिसंपत्ति	कुल
1 अप्रैल 2021	7,167.19	10,867.78	4,780.65	329.78	23,145.41
अतिरिक्त स्थानांतरण	3,972.70 (223.73)	636.74 0.00	169.02 (148.93)	1,148.90 (1,203.42)	5,927.37 (1,576.08)
31 मार्च 2022	10,916.16	11,504.52	4,800.74	275.27	27,496.69
अतिरिक्त स्थानांतरण	4,312.70 (1,006.19)	61.06 (9,202.76)	389.82 (86.78)	3,462.67 (2,807.39)	8,226.25 (13,103.12)
31 मार्च 2023	14,222.66	2,362.82	5,103.78	930.55	22,619.82

परियोजनाओं का विवरण इस प्रकार है

(₹ लाख में)

विवरण	प्रगतिधीन कार्य पूंजी (परिचालन इकाई)	प्रगतिधीन कार्य पूंजी (चालू परियोजना)	प्रगतिधीन कार्य पूंजी (परियोजना पूर्व व्यय)
परिचालन इकाईयें:			
क. जादूगोड़ा माइंस एवं मिल	1,242.92		2,168.83
ख. तुरामडीह खदान	344.06		98.47
ग. बागजाता खदान	4,356.61		4,221.39
घ. तुरामडीह मिल	54.63		30.16
च. मोहुलडीह खदान	2,138.56		1,311.11
दृ. तुम्मलापल्ली माइंस एवं मिल मिल	5,900.97		3,043.96
ज. नरवापहाड खदान	184.92		42.24
	14,222.66		10,916.16
चालू परियोजनाएं :			
क. तुरामडीह मिल विस्तार परियोजना	-		4,624.27
ख. तुरामडीह मैग्नेटाइट संयंत्र परियोजना	2,326.59		2,326.59
ग. तुरामडीह पेरोक्साइड संयंत्र परियोजना	-		-
घ. जादूगोड़ा में चतुर्थ चरण की टेलिंग तालाब परियोजना	-		-
च. संचालन की डीबॉटलनेकिंग	36.23		4,448.35
दृ. भूमिगत खानों का आधुनिकीकरण	-		105.31
	2,362.82		11,504.52
परियोजना पूर्व व्यय:			
क. लांबापुर परियोजना	968.69		938.96
ख. केपीएम परियोजना	1,004.76		1,004.76
ग. तुम्मलापल्ली विस्तार परियोजना	238.15		238.15
घ. गोगी परियोजना	625.04		547.49
ङ. रोहिल प्रोजेक्ट	1,875.01		1,706.23
च. यूरेनियम रिकवरी संयंत्र (मुसाबनी)	-		-
दृ. गाराडीह	27.04		27.04
ज. कन्नमपल्ले	227.17		227.17
झ. जजवाल परियोजना	137.91		110.93
लंबित स्टॉक में पूंजी परिसंपत्ति की स्थापना / उपयोग	5,103.78		4,800.74
कुल			



सीडब्ल्यूआईपी एजिंग शेड्यूल 31 मार्च, 2023 तक

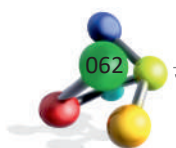
(₹ लाख में)

सीडब्ल्यूआईपी	अवधि के लिए सीडब्ल्यूआईपी में राशि				कुल
	एक वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	तीन वर्ष से अधिक	
A. परियोजनाएं चल रही हैं					
संचालन इकाइयां	8,340.84	-	-	5,881.82	14,222.66
जारी प्रोजेक्ट					
a. तुरामडीह मिल विस्तार परियोजना	-	-	-	-	-
b. तुरामडीह मैग्नेटाइट संयंत्र परियोजना	-	-	-	2,326.59	2,326.59
c. तुरामडीह पेरोक्साइड संयंत्र परियोजना	-	-	-	-	-
d. चौथा चरण टेलिंग पॉण्ड	-	-	-	-	-
e. डी-बोटलनेकिंग	-	-	36.16	0.07	36.23
f. भूमिगत खान का आधुनिकीकरण	-	-	-	-	-
कुल	-	-	36.16	2,326.66	2,362.82
पूर्व-परियोजना व्यय					
a. लाम्बापुर परियोजना	30.01	17.76	47.53	873.38	968.69
b. केपीएम परियोजना	-	-	-	1,004.76	1,004.76
c. तुम्मालपल्ले विस्तार परियोजना	-	-	154.76	83.40	238.15
d. गोगी परियोजना	76.14	88.29	66.61	394.01	625.04
e. रोहिल परियोजना	173.37	38.34	1,629.08	34.22	1,875.01
f. यूआरपी (मोसाबनी)	-	-	-	-	-
g. गाराडीह	-	-	27.04	-	27.04
h. कन्नमपल्ली	-	-	227.17	-	227.17
i. जजवाल परियोजना	26.29	21.86	69.23	20.54	137.91
कुल	305.82	166.24	2,221.42	2,410.30	5,103.78
स्टॉक में पूंजीगत संपत्ति लंबित स्थापना/उपयोग	898.67	-	-	31.88	930.55
G.Total					22,619.82

सीडब्ल्यूआईपी एजिंग शेड्यूल 31 मार्च, 2023 तक

(₹ लाख में)

सीडब्ल्यूआईपी	अवधि के लिए सीडब्ल्यूआईपी में राशि				कुल
	एक वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	तीन वर्ष से अधिक	
परियोजनाएं चल रही हैं					
संचालन इकाइयां	3,748.97	(552.49)	(2,006.04)	9,725.72	10,916.16
जारी प्रोजेक्ट					
a. तुरामडीह मिल विस्तार परियोजना	-	-	-	4,624.27	4,624.27
b. तुरामडीह मैग्नेटाइट संयंत्र परियोजना	-	-	-	2,326.59	2,326.59
c. तुरामडीह पेरोक्साइड संयंत्र परियोजना	-	(47.52)	-	47.52	-
d. चौथा चरण टेलिंग पॉण्ड	-	(208.18)	47.62	160.57	-
e. डी-बोटलनेकिंग	67.58	64.58	2,563.48	1,752.71	4,448.35
f. भूमिगत खान का आधुनिकीकरण	105.31	0.00	-	-	105.31
कुल	172.89	(191.13)	2,611.09	8,911.66	11,504.52
पूर्व-परियोजना व्यय					
a. लाम्बापुर परियोजना	18.05	47.53	46.16	827.22	938.96
b. केपीएम परियोजना	-	-	1,004.76	-	1,004.76
c. तुम्मालपल्ले विस्तार परियोजना	-	154.76	-	83.40	238.15
d. गोगी परियोजना	86.87	66.61	84.41	309.59	547.49
e. रोहिल परियोजना	42.93	1,629.08	14.14	20.08	1,706.23
f. यूआरपी (मोसाबनी)	(148.93)	17.44	19.25	112.24	-
g. गाराडीह	-	27.04	-	-	27.04
h. कन्नमपल्ली	-	227.17	-	-	227.17
i. जजवाल परियोजना	21.17	69.23	20.54	-	110.93
कुल	20.09	2,238.86	1,189.26	1,352.53	4,800.74
स्टॉक में पूंजीगत संपत्ति लंबित स्थापना/उपयोग	(54.51)	68.22	231.25	30.31	275.27
G.Total					27,496.69



5. अमूर्त संपत्ति

(₹ लाख में)

विवरण	उत्पाद विकास गतिविधि	वन भूमि के उपयोग का अधिकार	कुल
सकल ब्लॉक			
01 अप्रैल 2021	11,524.72	1,258.96	12,783.68
परिवर्धन / समायोजन		-	-
31 मार्च 2022	11,524.72	1,258.96	12,783.68
परिवर्धन / समायोजन			-
31 मार्च 2023	11,524.72	1,258.96	12,783.68
ऋण परिशोधन और क्षति			
01 अप्रैल 2021	9,796.01	484.50	10,280.51
ऋण परिशोधन	1,728.71	85.21	1,813.92
31 मार्च 2022	11,524.72	569.71	12,094.43
ऋण परिशोधन	-	85.21	85.21
31 मार्च 2023	11,524.72	654.92	12,179.64
शुद्ध बही मूल्य			
31 मार्च 2023		604.04	604.04
31 मार्च 2022		689.25	689.25

वन भूमि के उपयोग का अधिकार विविध उपयोग और स्वामित्व के लिए झारखंड सरकार से प्राप्त की गई 437.164 एकड़ (31.03.2022 रु 437.164 एकड़) की वन भूमि झारखंड सरकार के पास ही पड़ी है।

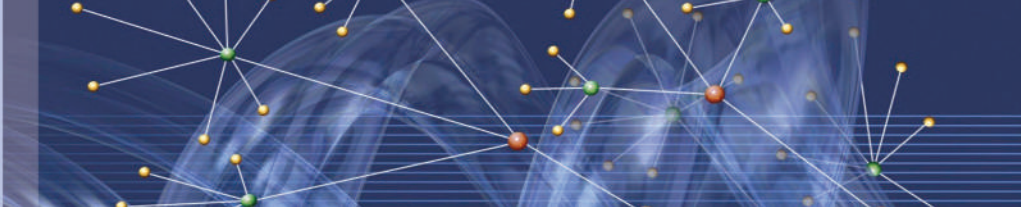
6. ऋण

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
गैर-वर्तमान		
प्रतिभूति युक्त, जो वसूली योग्य समझे गए		
— कर्मचारियों को घर निर्माण के लिए अग्रिम 520.57 581.70		
प्रतिभूति-रहित, जो वसूली योग्य समझे गए हैं		
— कर्मचारियों को अग्रिम	104.23	110.22
	624.80	691.92
वर्तमान		
प्रतिभूति युक्त, जो वसूली योग्य समझे गए		
— कर्मचारियों को घर निर्माण के लिए अग्रिम	153.77	168.54
प्रतिभूति-रहित, जो वसूली योग्य समझे गए		
— कर्मचारियों को अग्रिम	520.44	541.88
— कर्मचारियों से अन्य प्राप्तियां	8.84	22.84
— अन्य प्राप्तियां	3,439.47	2,251.43
	4,122.52	2,984.70

7. अन्य गैर-वर्तमान परिसंपत्तियां

विवरण	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
पूजी अग्रिम (प्रतिभूति युक्त, जो वसूली योग्य समझे गए)	94.85	754.34
	94.85	54.34



8. मालसूची (इन्वेंटरी)

(₹ लाख में)

विवरण		31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
कच्चा माल		3,452.15	2,191.09
कार्य प्रगति पर		6,405.18	10,081.77
तैयार माल		-	-
अयस्क		4,783.03	3,601.40
गौण उत्पाद	40.41		
घटाए : प्रावधान	3.25	37.16	18.20
रद्दी माल		471.84	294.06
स्ओर और पुर्जे		5,472.98	5,601.70
घटाए : अप्रचलित स्टोर और पुर्जे के लिए प्रावधान		(478.82)	(448.39)
		4,994.16	5,153.31
स्ओर और पुर्जे – पारगमन में		345.39	254.64
		20,488.90	21,594.46

7. कोराबार प्राप्तियां

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
कारोबार प्राप्तियां (सुरक्षित युक्त, जिन्हें वसूली योग्य समझा गया)	21,897.74	1,28,764.81
	21,897.74	1,28,764.81

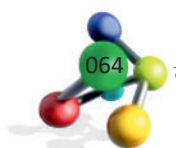
—बिल प्राप्त करने वाले व्यापार : 21897.74 लाख

—अनिर्दिष्ट व्यापार प्राप्य शून्य

31 मार्च 2023

(₹ लाख में)

	प्राप्ति की नियत तिथि से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया					कुल
	6 महीने से कम	6 महीने-1 साल	1-2 साल	2-3 साल	3 साल से अधिक	
1. निर्विवाद व्यापार प्राप्य —अच्छा माना जाता है	21897.74	—	—	—	—	21897.74
2. अविवादित व्यापार प्राप्य —जिनके जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है	—	—	—	—	—	—
3. विवादित व्यापार प्राप्य —ऋण बाधित	—	—	—	—	—	—
4. विवादित व्यापार प्राप्य —अच्छा माना जाता है	—	—	—	—	—	—
5. विवादित व्यापार प्राप्य —जिनके जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है	—	—	—	—	—	—
6. अविवादित व्यापार प्राप्य —ऋण बाधित	—	—	—	—	—	—
कुल	21897.74	—	—	—	—	21897.74



31 मार्च 2022 तक

(₹ लाख में)

	प्राप्ति की नियत तिथि से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया					कुल
	6 महीने से कम	6 महीने-1 साल	1-2 साल	2-3 साल	3 साल से अधिक	
1. निर्विवाद व्यापार प्राप्य —अच्छा माना जाता है	91,657.38	-	36,695.84	-	-	1,28,353.22
2. अविवादित व्यापार प्राप्य —जिनके जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है	—	—	—	—	—	—
3. विवादित व्यापार प्राप्य —ऋण बाधित	—	—	—	—	—	—
4. विवादित व्यापार प्राप्य —अच्छा माना जाता है	—	-	-	-	411.59	411.59
5. विवादित व्यापार प्राप्य —जिनके जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है	—	—	—	—	—	—
6. अविवादित व्यापार प्राप्य —ऋण बाधित	—	—	—	—	—	—
कुल	91,657.38	-	36,695.84	-	411.59	1,28,764.81

10. नकद और नकद समतुल्य

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
हाथ में नकदी (अग्रदाय नकदी और स्टॉप सहित)	1.02	1.34
बैंकों में जमा शेष:		
— चालू खातों में	4,646.96	14,216.70
— तीन महीने से कम अवधि की मूल परिपक्वता वाली जमाएं (ग्रहणाधिकार के बिना)	47.83	15,187.62
— तीन महीने से कम अवधि की मूल परिपक्वता वाली जमाएं (ग्रहणाधिकार)	315.68	304.45
	5,011.50	29,710.10

11. नकद और नकद समतुल्यों के अलावा बैंक जमा शेष

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
3 महीने से अधिक लेकिन 12 महीने से कम की परिपक्वता अवधि वाली जमाएं (ग्रहणाधिकार के बिना)	73,808.08	20.04
3 महीने से अधिक लेकिन 12 महीने से कम की परिपक्वता अवधि वाली जमाएं (ग्रहणाधिकार के साथ)*	33.38	11.17
	73,841.46	31.21

* ऋण पत्र के खिलाफ ग्रहणाधिकार के रूप में।

12. अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
गैर-वर्तमान		
प्रतिभूति जमा	987.97	858.12
कर्मचारी से अर्जित ब्याज	728.32	726.65
12 महीने से अधिक की परिपक्वता अवधि वाली जमाएं (ग्रहणाधिकार के बिना)	97,638.24	81,298.17
12 महीने से अधिक की परिपक्वता अवधि वाली जमाएं (ग्रहणाधिकार के साथ)*	1,061.15	1,030.60
जीएलएस पॉलिसी में भारतीय जीवन बीमा निगम के साथ संतुलन	11,136.17	-
	1,11,551.86	83,913.54
वर्तमान		
उपार्जित ब्याज		
— बैंकों से	3,336.91	178.32
— कर्मचारियों से	81.41	78.99
— अन्य से	0.77	0.77
	3,419.09	258.08

13. अन्य वर्तमान परसपशतियां

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
पूर्वदत्त व्यय	30.80	34.53
अग्रिम (प्रतिभूति-रहित):		
– ठेकेदारों, सरकारी विभाग आदि को अग्रिम	16,100.82	10,569.04
– आपूर्तिकर्ताओं को अग्रिम		
क) वसूली योग्य समझे गए	1,140.34	1,216.29
ख) संदिग्ध माने गए	2.33	2.33
	1,142.68	1,218.63
घटाए : संदिग्ध अग्रिमों के लिए प्रावधान	2.33	2.33
	1,140.34	1,216.29
	17,271.96	11,819.86

टिप्पणी : ठेकेदारों, सरकारी विभागों आदि को दिए गए अग्रिम में, विवादित मांग के खिलाफ जिला खनन कार्यालय, झारखण्ड सरकार के प्रतिवाद के तहत वर्ष 2007-08 में मैग्नेटाइट पर रॉयल्टी के लिए जमा किए गए ₹.165.63 लाख शामिल हैं, मामला कानूनी न्यायालय में विचाराधीन हैं।

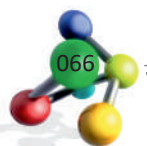
14. शेयर पूंजी

क) अधिकृत शेयर पूंजी

विवरण	इक्विटी शेयर	
	संख्या	राशि
अधिकृत शेयर पूंजी		
1 अप्रैल 2021	350,00,000	3,50,000.00
शेयर पूंजी में वृद्धि / (कमी)	-	-
31 मार्च 2022	350,00,000	3,50,000.00
शेयर पूंजी में वृद्धि / (कमी)	-	-
31 मार्च 2023	350,00,000	3,50,000.00

ख) इक्विटी पूंजी निर्गम

विवरण	संख्या	लाख में
I. ₹.1000/- प्रत्येक मूल्य के इक्विटी शेयर (प्रत्येक ₹. 581/- तक का भुगतान नकद के अलावा में तथा ₹.419/- प्रत्येक का भुगतान नकद में)		
1 अप्रैल 2021	1,00,000	1,000.00
अवधि के दौरान परिवर्तन	-	-
31 मार्च 2022	1,00,000	1,000.00
अवधि के दौरान परिवर्तन	-	-
31 मार्च 2023	1,00,000	1,000.00
II. ₹.1000 /- प्रत्येक मूल्य के इक्विटी शेयर नकद के अलावा अन्य के रूप में मान्य करने हेतु पूर्ण प्रदत्त के रूप में आवंटित किए गए ह		
1 अप्रैल 2021	1,853	18.53
अवधि के दौरान परिवर्तन	-	-
31 मार्च 2022	1,853	18.53
अवधि के दौरान परिवर्तन	-	-
31 मार्च 2023	1,853	18.53
III. ₹.1000/- प्रत्येक मूल्य के इक्विटी शेयर नकद पूर्णतः नकद में भुगतान		
1 अप्रैल 2021	-	-
अवधि के दौरान परिवर्तन	208,44,325	2,08,443.25
31 मार्च 2022	-	-
अवधि के दौरान परिवर्तन	208,44,325	2,08,443.25
31 मार्च 2023	208,44,325	2,08,443.25
31 मार्च 2023	209,46,178	2,09,461.78
31 मार्च 2022	209,46,178	2,09,461.78



ग) इक्विटी शेयरों से जुड़े नियम और अधिकार

कंपनी के पास केवल एक ही श्रेणी के इक्विटी शेयर हैं जिनका प्रति शेयर 1000/- का सममूल्य मूल्य है। प्रत्येक शेयरधारक प्रति शेयर एक वोट के लिए पात्र है।
कंपनी के निदेशक मंडल ने दिनांक 23.03.2023 को अपनी 280वीं बैठक में 10200.00 लाख रुपये के अंतरिम लाभांश के भुगतान को मंजूरी दी।

घ) कंपनी में 5: से अधिक शेयर रखने वाले शेयरधारकों का विवरण

31.03.2023 2,09,46,178100:—
कुल 2,09,46,178100:—

वर्ष के अंत में प्रमोटरों द्वारा धारित शेयर				
क्रम. स.	प्रमोटर का नाम	शेयर की संख्या	कुल शेयरों का प्रतिशत	वर्ष के दौरान प्रतिशत परिवर्तन
1	भारत के राष्ट्रपति	209,46,178	100%	-
कुल		209,46,178	100%	-

31.03.2022

वर्ष के अंत में प्रमोटरों द्वारा धारित शेयर				
क्रम. स.	प्रमोटर का नाम	शेयर की संख्या	कुल शेयरों का प्रतिशत	वर्ष के दौरान प्रतिशत परिवर्तन
1	भारत के राष्ट्रपति	209,46,178	100%	-
कुल		209,46,178	100%	-

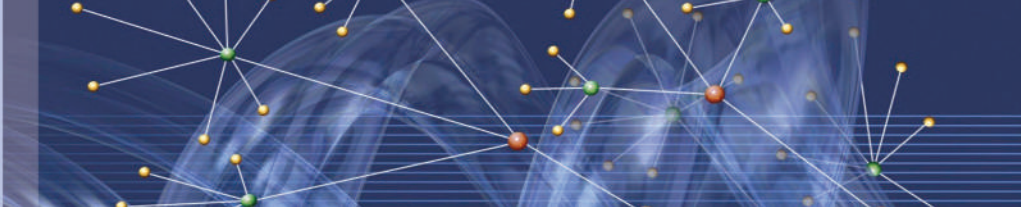
15. अन्य इक्विटी

(₹ लाख में)

विवरण	शेयर आवेदन धन लंबित आवंटन	आरक्षित और अधिशेष		
		सामान्य आरक्षित	प्रतिधारित आय	कुल
1 अप्रैल 2021	-	14,336.03	1,31,035.00	1,45,371.03
वर्ष के लिए लाभ	-	57,672.03	57,672.03	
वर्ष के लिए अन्य व्यापक आय	-	(271.80)	(271.80)	
शेयर आवंटन के लिए प्राप्त राशि	-	-	-	-
शेयर निर्गमन- - - -	-	-	(17,763.00)	(17,763.00)
प्रदत्त लाभांश	-	-	-	-
लाभांश वितरण कर (डीडीटी)	-	-	-	-
31 मार्च 2022	-	14,336.03	1,70,672.23	1,85,008.26
वर्ष के लिए लाभ	-	-	6,570.30	6,570.30
वर्ष के लिए अन्य व्यापक आय	-	-	(843.49)	(843.49)
शेयर आवंटन के लिए प्राप्त राशि	-	-	0	0
शेयर निर्गमन	-	-	0	0
प्रदत्त लाभांश	-	-	(19,724.00)	(19,724.00)
अंतरिम लाभांश प्राप्य	-	-	(10,200.00)	(10,200.00)
31 मार्च 2023	-	14,336.03	1,46,475.04	1,60,811.07

सामान्य आरक्षित:

आरक्षित को इक्विटी के एक घटक से विनियोजन द्वारा बनाया गया था, अर्थात अन्य के लिए प्रतिधारित आय, अन्य व्यापक आय के एक मद के रूप में नहीं है।



16. वित्तीय देनदारियां (क) वर्तमान उधारियां

विवरण	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
प्रतिभूति-रहित	—	—
अन्य संस्था से ऋण	—	—

(ख) व्यापार देय

विवरण	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
विविध लेनदार		
— एमएसएमई	2,808.50	80.14
— अन्य	12,608.54	10,127.20
कुल	15,417.04	10,207.34

व्यापार देय की अनुसूची

31 मार्च 2023 तक

(₹ लाख में)

विवरण	निम्नलिखित अवधि के लिए बकाया				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 साल से अधिक	
एमएसएमई	2,687.42	121.08	-	-	2,808.50
अन्य	8,429.79	3,026.95	618.10	533.71	12,608.54
विवादित बकाया-एमएसएमई	-	-	-	-	-
विवादित बकाया-अन्य	-	-	-	-	-
कुल	11,117.21	3,148.03	618.10	533.71	15,417.04

31 मार्च 2022 तक

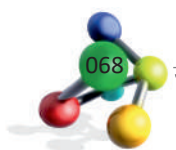
विवरण	निम्नलिखित अवधि के लिए बकाया				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 साल से अधिक	
एमएसएमई	78.45	-	-	1.69	80.14
अन्य	5,083.82	3,874.37	861.85	307.15	10,127.20
विवादित बकाया-एमएसएमई	-	-	-	-	-
विवादित बकाया-अन्य	-	-	-	-	-
कुल	5,162.28	3,874.37	861.85	308.84	10,207.34

सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यमों से सम्बंधित प्रकटीकरण

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
वर्ष के अंत में बकाया मूल राशि	2,808.01	78.17
वर्ष के अंत में बकाया ब्याज राशि	0.49	1.97
वर्ष के दौरान नियत दिन से परे आपूर्तिकर्ताओं को भुगतान की गई मूल राशि	—	—
वर्ष के दौरान नियत दिन से परे आपूर्तिकर्ताओं को एमएसएमईडी अधिनियम की धारा 16 के अलावा भुगतान की गई ब्याज राशि	—	—
वर्ष के दौरान नियत दिन से परे आपूर्तिकर्ताओं को एमएसएमईडी अधिनियम की धारा 16 के तहत भुगतान की गई ब्याज राशि	—	—
पहले से किए गए भुगतानों के लिए आपूर्तिकर्ताओं को बकाया और देय ब्याज	0.49	0.29
पहले के वर्षों के लिए अन्य बकाया एवं देय ब्याज	—	1.69

सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यमों से सम्बंधित प्रकटीकरण सम्बंधित आपूर्तिकर्ताओं से उपलब्ध जानकारी तक सीमित है ।



(ग) अन्य वित्तीय देनदारियां

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
गैर-वर्तमान		
ठेकेदारों और आपूर्तिकर्ताओं के लिए देयता	1,386.53	1,199.50
	1,386.53	1,199.50
वर्तमान		
ठेकेदारों और आपूर्तिकर्ताओं के लिए देयता	39,638.91	36,341.36 कर्मचारी
और एसीईएस के लिए देयता	3,641.81	5,582.68
सरकारी संस्थाओं के लिए को देयता (देखें टिप्पणी (i) और (ii))	4,454.88	6,212.39
अन्य खर्चों के लिए देयता	564.90	491.63
	48,300.50	48,628.05

टिप्पणी:

- (i) वर्ष 1996 में कंपनी ने बंद पड़ी तुरामडीह परियोजना की परिसंपत्तियों को 2322.00 लाख रुपये में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) को हस्तांतरित कर दिया था। तुरामडीह खदान के फिर से खुलने पर परिसंपत्तियों को वापस ले लिया गया है। सीआरपीएफ द्वारा किए गए 3467.00 लाख रुपये के कुल दावे की तुलना में पिछले वर्षों में 2947.00 लाख रुपये का भुगतान किया गया है। शेष 520.00 लाख रुपये अंतिम निपटान के लंबित खातों में उपलब्ध करा दिए गए हैं।
- (ii) कंपनी बंद तुरामडीह खदान की ₹.1110.60 लाख (31.03.2021 ₹.1110.60 लाख) मूल्य की भूमि एवं अन्य परिसंपत्तियों का उपयोग कर रही है, जो भारत सरकार से संबंधित हैं। भारत सरकार द्वारा संचित मूल्य के आधार पर ₹.1110.60 लाख (31.03.2021 ₹.1110.60 लाख) का प्रावधान लेखा में किया गया है।

17. प्रावधान

(₹ लाख में)

	31 मार्च 2023		31 मार्च 2022	
	गैर-वर्तमान	वर्तमान	गैर-वर्तमान	वर्तमान
कर्मचारी लाभ के लिए प्रावधान				
— ग्रेच्युटी	-	(318.47)	-	339.93
— अवकाश नकदीकरण	10,968.32	623.50	10,733.30	458.85
— सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ	7,172.03	129.34	4,138.64	70.89
— छुट्टी यात्रा रियायत	-	-	-	-
	18,140.35	434.37	14,871.94	869.67
अन्य के लिए प्रावधान				
— खादान बंदी दायित्व	1,035.98	-	959.24	-
— सीआईएसएफ बकाया	-	-	-	-
— अन्य	-	6.63	-	6.63
	1,035.98	6.63	959.24	6.63
कुल प्रावधान	19,176.32	441.00	15,831.17	876.30

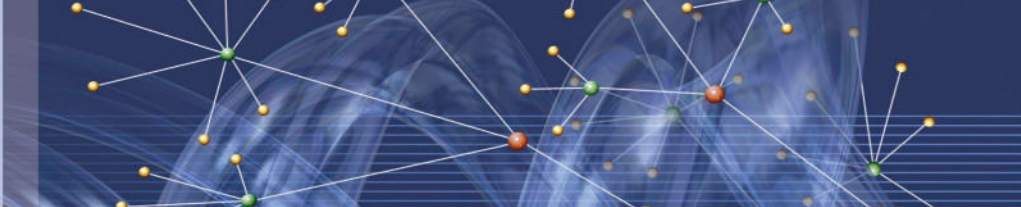
नोट: कामगारों के लिए सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ 2021-22 में शुरू किया गया है।

18. वर्तमान कर देयता (शुद्ध)

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
कराधान के लिए प्रावधान	5,635.97	22,635.58
घटाएं : कराधान के लिए अग्रिम	18,358.60	24,135.13
वर्तमान कर संपत्ति / देनदारियां	(12,722.63)	(1,499.55)

नोट: कराधान के प्रावधान में पिछले वर्षों के लिए 51,85,35,053.00 रुपये और 4,49,59,229.92 रुपये का वर्तमान कर शामिल है। वित्त वर्ष 2022-23 और पिछले वर्षों के दौरान भुगतान किया गया अग्रिम कर।



19. आस्थगित कर देयता (शुद्ध)

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
आस्थगित कर देयता संपत्ति, संयंत्र और उपकरण तथा अमूर्त परिसंपत्तियों से संबंधित	11,223.35	13,024.96
आस्थगित कर परिसंपत्तियों		
पूर्वदत्त व्यय	1.28	0.47
अप्रचलित स्टोर के लिए प्रावधान	120.51	112.85
अवकाश नकदीकरण के लिए देयता	2,914.74	2,818.83
सेवानिवृत्ति के बाद के चिकित्सा लाभ के लिए प्रावधान	1,837.61	1,059.45
खदान बंदी दायित्व के लिए प्रावधान	260.73	241.42
	5,134.88	4,233.03
आस्थगित कर देयता (शुद्ध)	6,088.47	8,791.93

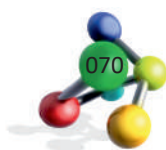
20. अन्य वर्तमान देयताएं

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
केपीएम परियोजना के लिए भारत सरकार से सहायता अनुदान (टिप्पणी i और ii देखें) 754.45 754.45		
गोपी और रोहिल परियोजना के लिए एएमडी से प्राप्त धन (टिप्पणी iii और iv देखें)	733.35	733.35
सरकारी संस्थानों के लिए देयता	2.69	2.44
कर्मचारी एवं एसीईएस के लिए देयता	980.10	940.70
वैधानिक बकाया	1,279.65	766.04
	3,750.24	3,196.97

टिप्पणी:

- केलिंग पेंडिंग सोहियोग माउथाबा खनन और संयंत्र परियोजना में कार्यान्वयन की सुगमता हेतु बुनियादी ढांचे के विकास के लिए भारत सरकार से ₹ 4000 लाख (31.03.2022 ₹ 4000 लाख) की अनुदान सहायता राशि प्राप्त हुई। ₹ 4000 लाख की कुल राशि में से ₹ 3322.03 लाख (31.03.2022: 3322.03 लाख रुपये) की राशि 31.03.2023 तक केचएडीसी को जारी कर दी गयी थी।
- अनुदान सहायता की बाकी राशि में उस पर अर्जित संवर्धी ब्याज की ₹ 76.49 लाख राशि (31.03.2022: ₹ 76.49 लाख) शामिल है।
- राजस्थान के सीकर जिले में रोहिल यूरेनियम निक्षेप में परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय द्वारा अन्वेषण किया जा रहा है। रोहिल में खोजपूर्ण खनन कार्य के लिए एएमडी ने यूसीआईएल के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यूसीआईएल एजेंट के रूप में काम करेगा और स्वामित्व एएमडी के पास रहेगा। एएमडी से प्राप्त निधियों को किए गए कार्य के साथ समायोजित किया जाता है और शेष 596.41 रुपये को बही-खातों में देयता के रूप में दर्शाया जाता है।
- कर्नाटक के यादगिरी जिले में गोपी परियोजना के लिए खोजपूर्ण खनन द्वारा पूर्ववर्ष संचालन कार्य हेतु परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय (एएमडी) और यूरेनियम कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) के बीच दिनांक 06.03.2007 को एक समझौता ज्ञापन किया गया था, जिसके लिए एएमडी द्वारा धन उपलब्ध कराया गया था। यूसीआईएल एजेंट के रूप में काम करेगा और स्वामित्व एएमडी के पास रहेगा। एएमडी से प्राप्त निधि को किए गए कार्य और शेष के साथ समायोजित किया जाता है और शेष 136.93 लाख रुपये लेखा बही में देयता के रूप में दिखाया गया हो।



21. परिचालन से राजस्व

(₹ लाख में)

परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार द्वारा यूरेनियम सांद्रता के अनिवार्य अधिग्रहण के लिए मुआवजा		
क) चालू वर्ष के लिए	2,57,849.24	2,30,463.61
ख) पिछले वर्ष के लिए	(39,204.60)	26,096.45
	2,18,644.64	2,56,560.06
अन्य परिचालन राजस्व		
गौण-उत्पादों की बिक्री	566.56	616.15
कुल	2,19,211.20	2,57,176.21

परमाणु ऊर्जा विभाग द्वारा वर्ष 2019-20 और 20-21 के लिए यूरेनियम सांद्रता के लिए मुआवजे की दर को अंतिम रूप दिया गया है। परमाणु ऊर्जा विभाग द्वारा वर्ष 21-22 के लिए मुआवजे की दर अनंतिम रूप से निर्धारित की गई है। भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग द्वारा वर्ष 2022-23 के लिए यूरेनियम सांद्रण के मुआवजे की दर को अंतिम रूप दिए जाने के लंबित रहने के कारण वर्ष 2022-23 के लिए प्रचालनों से राजस्व निर्धारित करने के लिए वर्ष 2021-22 के लिए यूरेनियम सांद्रण के लिए मुआवजे की अनंतिम दर पर विचार किया गया है। अंतर, यदि कोई हो, का हिसाब दर को अंतिम रूप दिए जाने के वर्ष में किया जाएगा। पिछले वर्षों के लिए मुआवजे को ऊपर दिखाया गया है।

22. अन्य आय

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
बैंकों और एलआईसी में जमा राशि पर ब्याज	6,452.79	2,054.83
आयकर रिफंड पर ब्याज	-	-
अन्य पर ब्याज	250.94	177.02
कबाड़ सामग्री की बिक्री	162.33	155.30
उपकरणों और वाहनों का किराया शुल्क	1.55	0.96
आपूर्तिकर्ताओं से पैकिंग संशोधन भाड़ा दंड आदि से संबंधित वसूली	887.25	239.09
निविदा प्रपत्रों की बिक्री	0.23	0.78
देयताएं और प्रावधान जो अब अनावश्यक हो चुके हैं	383.24	1,088.48
टाउनशिप रसीद	459.33	464.05
विविध रसीद	149.08	115.29
कुल	8,746.75	4,295.81

23(क). खपत सामग्री की लागत

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
कच्चे माल का आरंभिक भंडार 2,191.09 1,636.35		
जोड़ें : खरीद	27,102.59	17,386.08
घटाएं : कच्चे माल का अंतिम भंडार	3,452.15	2,191.09
कच्चे माल की खपत	25,841.52	16,831.34

23(ख). तैयार माल और प्रगतिधीन कार्य की सूची (इन्वेंटरी) में परिवर्तन

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
वर्ष के आरंभमें मालसूची (इन्वेंटरी)		
— तैयार माल- -		
— अयस्क	3,601.40	4,758.49
— गौण—उत्पाद	21.45	9.65
— प्रगतिधीन कार्य	10,081.77	10,139.93
— रद्दी माल	294.06	119.18
	13,998.68	15,027.25
कम : वर्ष के अंत में माल सूची		
— तैयार माल	-	- -
— अयस्क	4,783.03	3,601.40
— गौण—उत्पाद	40.41	21.45
— प्रगतिधीन कार्य	6,405.18	10,081.77
— रद्दी माल	471.84	294.06
	11,700.46	13,998.68
माल सूची में कुल (वृद्धि)/कमी	2,298.21	1,028.57

24. कर्मचारी लाभ व्यय

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
वेतन मजदूरी और भत्ते	49,971.58	49,316.33
भविष्य निधि में योगदान	4,397.04	4,163.78
ग्रेज्युटी निधि में योगदान	800.33	903.95
कल्याण कोष में योगदान	2.00	4.19
सेवानिवृत्ति निधि में योगदान	431.38	229.61
सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ	636.44	1,140.36
एलटीसी व्यय	1.20	1.01
कर्मचारी कल्याण व्यय	826.93	774.00
चिकित्सा व्यय	3,341.55	2,209.37
	60,408.46	58,742.60

वेतन और मजदूरी सहित अन्य लाभ रु. 542.33 लाख (2021-22 रु. 552.88 लाख) पानी की लागत से संबंधित हैं, जिसमें वेतन और मजदूरी और अन्य लाभ शामिल नहीं हैं।

25. वित्त लागत

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
आयकर पर ब्याज	678.19	-
बैंक ब्याज	-	-
खदान बंदी दायित्व के लिए छूट का मोचन	76.74	71.05
	754.93	71.05



26. मूल्यहास और परिशोधन व्यय

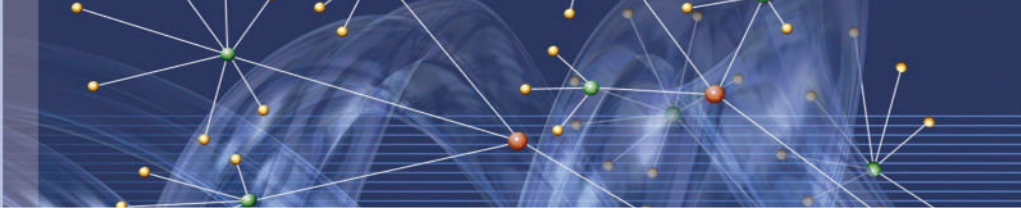
(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
संपत्ति संयंत्र और उपकरण पर मूल्यहास (टिप्पणी 3)	26,340.56	21,005.13
अमूर्त संपत्ति पर परिशोधन (टिप्पणी 5)	85.21	1,813.92
घटाएं : परियोजनाओं पर अप्रत्यक्ष व्यय	-0.70	-3.83
	26,425.07	22,815.22

27. अन्य व्यय

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
संविदात्मक खान विकास व्यय	7,503.18	6,212.79
तुम्मालपल्ली संविदात्मक खनन व्यय	22,685.66	13,646.35
स्ओर और पुर्जों का उपभोग	18,379.48	12,243.75
बिजली और ईंधन	15,195.32	13,800.67
जल प्रभार	1,148.52	1,246.12
रॉयल्टी	5,712.47	6,703.04
परिवहन व्यय	878.44	703.10
मरम्मत और रखरखावरू (टिप्पणी 'क' देखें)		
– संयंत्र एवं मशीन	13,985.89	13,215.24
– इमारते	1,288.97	848.56
– अन्य	1,374.79	1,813.79
माल ढुलाई और अग्रेषण शुल्क	501.30	444.60
अप्रचलित स्टोर प्रावधान	30.59	16.27
दरें और कर	24.99	31.84
सुरक्षा खर्च	8,234.35	7,508.45
बीमा	45.66	54.84
विज्ञापन	30.83	93.42
यात्रा और वाहन	247.26	128.56
वाहन किराया शुल्क	1,719.20	1,715.72
संचार लागत	94.94	73.63
छपाई और लेखन सामग्री	40.22	51.54
परामर्श शुल्क	1,082.62	1,459.16
लेखा परीक्षक का पारिश्रमिक (टिप्पणी 'ख' देखें)	4.83	6.01
विधिक और पेशेवर शुल्क	32.79	16.48
सीएसआर व्यय (नोट 'ग' देखें)	1,245.57	1,294.08
जीएसटी व्यय	6.66	35.54
टाउनशिप और सामाजिक सुविधाओं का व्यय	—	162.65
परियोजनाओं के बंद होने पर नुकसान	257.73	241.18
अशोध्य ऋण माफ कर दिया गया	411.59	—
विविध व्यय	348.60	468.21
कुल	1,02,512.46	84,235.59



टिप्पणी :

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
क) मरम्मत और रखरखाव में शामिल हैं		
– स्टोर का उपभोग	3,259.27	2,800.76
– पुर्जों का उपभोग	9,929.68	10,499.71

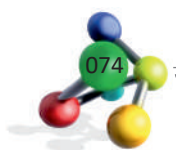
विवरण	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
ख) लेखा परीक्षकों को भुगतान का विवरण		
– लेखा परीक्षा शुल्क	3.76	4.59
– कर लेखा परीक्षा	0.83	0.83
– अन्य सेवाओं के लिए	0.24	0.59
कुल	4.83	6.01

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
ग) कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व व्यय		
वित्तीय वर्ष 2022–23 के लिए कंपनी अधिनियम 2013 के अनुसार सीएसआर गतिविधियों पर खर्च किए जाने वाली व्यय राशि और वित्तीय विवरण इस प्रकार है :-		
कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 198 के अनुसार पिछले तीन वित्तीय वर्षों का कुल शुद्ध लाभ	1,99,751.77	1,61,272.87
शुद्ध लाभ का औसत	66,583.92	53,757.62
कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 के तहत सीएसआर गतिविधियों के लिए निर्धारित प्रतिशत	2.00%	2.00%
वित्त वर्ष 2022–23 के लिए सीएसआर गतिविधियों के लिए खर्च की जाने वाली राशि	1,331.68	1,075.15
वित्त वर्ष 2022–23 के दौरान सीएसआर गतिविधियों पर वास्तविक व्यय राशि	1,245.57	1,294.08
अधिशेष / (कमी)	(86.11)	218.93
वर्ष के दौरान खर्च की गई राशि :		
(i) किसी परिसंपत्ति का निर्माण / अधिग्रहण – नकद रूप में	235.31	80.49
– अभी नकद में भुगतान किया जाना है	57.76	207.17
	293.07	287.66
(ii) उपरोक्त (प) के अलावा – नकद रूप में	886.26	999.45
– अभी नकद में भुगतान किया जाना है	66.24	6.97
	952.50	1,006.42
	1,245.57	1,294.08

यूसीआईएल की सीएसआर पहल शिक्षा, पेयजल और स्वच्छता, स्वास्थ्य देखभाल, विकास परियोजनाओं, कौशल विकास, खेल और संस्कृति को बढ़ावा देने और अन्य गतिविधियों के क्षेत्र में कंपनी के संचालन के क्षेत्र के समग्र सामाजिक आर्थिक संकेतकों में सुधार करने के लक्ष्य के साथ निम्नलिखित व्यापक विषयों पर केंद्रित है।

कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2023–22 के दौरान 218.93 लाख रुपये की अतिरिक्त सीएसआर राशि वहन की है और इसे कंपनी अधिनियम और उसके तहत बनाए गए नियमों के प्रावधानों के अनुसार अगले तीन वित्तीय वर्षों (यानी वित्तीय वर्ष 2022–23 और उसके बाद) के दौरान स्थापित करने के लिए आगे बढ़ाया गया है। इसलिए यूसीआईएल बोर्ड द्वारा अनुमोदित वित्तीय वर्ष 2021–22 में यूसीआईएल द्वारा वहन की गई अतिरिक्त सीएसआर राशि से 86.10 लाख रुपये की कमी को समायोजित किया गया है। निर्धारित होने के बाद, 31.08.2023 तक भविष्य के लिए 132.83 लाख रुपये की शेष अधिशेष राशि उपलब्ध है।



28. आयकर व्यय

लाभ और हानि के विवरण में मान्य कर व्यय

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
वर्तमान कर	5,186.38	21,598.06
वर्ष के लिए कर योग्य आय पर कर	-	-
पहले के वर्षों से संबंधित कर	5,186.38	21,598.06
आस्थागित कर		
आस्थागित कर प्रभार / (क्रेडिट)	(2,039.38)	(1,522.43)
मैट क्रेडिट (लिया गया)/उपयोग किया गया	0	0
कुल आस्थागित आयकर व्यय/(लाभ)	(2,039.38)	(1,522.43)
कुल आयकर व्यय	3,147.00	20,075.63

आय कर से पहले लाभ पर वैधानिक आयकर दर को लागू करके गणना की गई राशि के लिए आयकर व्यय का सारांश नीचे दिया गया है

(₹ लाख में)

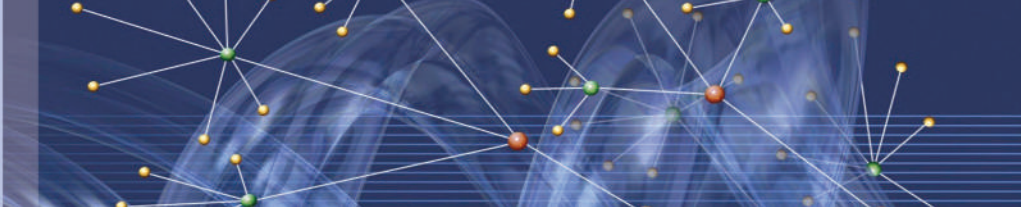
विवरण	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
भारत में आयकर की अधिनियमित दर	25.17%	25.17%
कर से पूर्वलाभ	9,717.30	77,747.65
भारत में लागू आयकर दर के अनुसार कर से पूर्वलाभ पर वर्तमान कर व्यय	2,445.65	19,567.53
भुगतान के आधार पर अनुमति दिए गए आइटम 387.74 141.40		
उन राशियों का कर प्रभाव जो कर योग्य आय की गणना में कटौती योग्य (कर योग्य) नहीं है	313.61	366.70
पहले के वर्षों से संबंधित कर- -		
कुल आयकर व्यय/(क्रेडिट)	3,147.00	20,075.63

धारा 115बीए, आयकर अधिनियम 1961, वित्त अधिनियम 2020 के अनुसार, वर्ष 2022-23 के लिए लागू कर की दर 25.17: (2021-22 - 25.17:) है। प्रभावी कर की दर 25.17: (2018-19 25.17:) है।

आस्थागित कर (देयता)/परिसंपत्तियों में संचलन

(₹ लाख में)

विवरण	पीपीई	कर्मचारी लाभ	अप्रचलित स्ओर	अन्य वस्तु	मैट क्रेडिट	कुल
01 अप्रैल 2021	(14,075.00)	3,126.26	124.27	224.12	-	(10,600.36)
प्रभारित/(क्रेडिट) :						
- लाभ या हानि	1,050.05	466.02	(11.42)	17.77	-	1,522.43
- अन्य व्यापक आय	-	286.00	-	-	-	286.00
31 मार्च 2022	(13,024.96)	3,878.29	112.85	241.89	-	(8,791.93)
प्रभारित/(क्रेडिट) :						
- लाभ या हानि	1,801.61	209.99	7.66	20.13	-	2,039.39
- अन्य व्यापक आय	-	664.07	-	-	-	664.07
31 मार्च 2023	(11,223.35)	4,752.35	120.51	262.01	-	(6,088.48)



29. प्रति शेयर आय

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
वर्ष के लिए लाभ / (हानि)	6,570.30	57,672.03
बकाया इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या	209.46	209.46
प्रति शेयर बेसिक और डाइल्यूटेड आय (₹.) (प्रति शेयर ₹.1000 का अंकित) मूल्य	31.37	275.33

30. कर्मचारी लाभ दायित्व

क) परिभाषित अंशदायी योजना

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
कर्मचारी भविष्य निधि में योगदान	4,397.04	4,163.78
सेवानिवृत्ति निधि में योगदान	431.38	229.61

ख) परिभाषित लाभ योजनाएँ

विवरण	31 मार्च 2023		31 मार्च 2022	
	वर्तमान	गैर वर्तमान	वर्तमान	गैर वर्तमान
सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ	129.34	7,172.03	70.89	4,138.64
ग्रेच्युटी	—	2,485.23	—	1,826.83
अवकाश नकदीकरण	561.99	10,357.10	397.34	10,122.08

30. कर्मचारी लाभ दायित्व

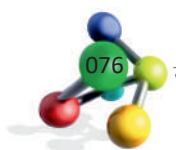
I. सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ योजना

कंपनी अपने सेवानिवृत्त कर्मिकों को सेवानिवृत्ति पश्चात स्वास्थ्य देखभाल का लाभ प्रदान करती है। इन लाभों के लिए पात्रता की शर्त आमतौर पर कर्मचारी को सेवानिवृत्ति की आयु तक सेवा में बने रहना और न्यूनतम सेवा अवधि का पूरा करना होती है। इन लाभों की अपेक्षित लागतों को नियोजन की अवधि में उसी लेखांकन पद्धति का उपयोग करके उपाजित किया जाता है जैसा कि परिभाषित लाभ योजनाओं के लिए उपयोग किया जाता है। अनुभव समायोजन से उत्पन्न होने वाले पुनर्मापित लाभों और हानियों तथा बीमांकिक मान्यताओं में परिवर्तन को अन्य व्यापक आय में उसी अवधि में प्रभारित या क्रेडिट किया जाता है जिस अवधि में वे उत्पन्न होते हैं।

क. तुलन-पत्र में मान्य की गयी राशि

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
योजना देनदारियों का वर्तमान मूल्य	7,301.37	4,209.53
योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	—	—
शुद्ध देयता (परिसंपत्ति)	7,301.37	4,209.53



ख. योजना परिसंपत्तियों और योजना देनदारियों में संचलन

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
1 अप्रैल को	4,209.53	2,020.18
पिछली सेवा लागत	-	732.84
वर्तमान सेवा लागत	339.94	270.68
शुद्ध ब्याज	296.50	132.57
	636.44	1,136.09
योजना परिसंपत्तियों पर प्रतिफल (शुद्ध ब्याज व्यय में शामिल राशि को छोड़कर)		
निम्नलिखित में परिवर्तन से उत्पन्न बीमांकिक (लाभ) ६ हानि		
– जनसांख्यिकीय मान्यताएं- 352.49		
– वित्तीय मान्यताएं	(140.58)	(337.57)
– अनुभव समायोजन	2,779.12	1,121.46
	2,638.54	1,136.38
भुगतान किए गए लाभ	-183.14	-83.12
31 मार्च तक	7,301.37	4,209.53

ग. लाभ और हानि के विवरण में कर्मचारी लाभ व्यय के रूप में मान्य की गयी राशि

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
पिछली सेवा लागत		732.84
वर्तमान सेवा लागत	339.94	270.68
शुद्ध ब्याज	296.50	132.57
	636.44	1,136.09
कर से पहले लाभ/हानि पर शुद्ध प्रभाव	636.44	1,136.09
शुद्ध परिभाषित लाभ देयता का पुनर्मापन		
मान्यताओरमें परिवर्तन से उत्पन्न बीमांकिक (लाभ)/हानि	2,638.54	1,136.38
कर से पहले अन्य व्यापक आय में मान्य शुद्ध (लाभ)/हानि	2,638.54	1,136.38

घ. धारणाएँ

तुलन पत्र की तारीख के अनुसार प्रमुख बीमांकिक धारणाएँ

विवरण	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
छूट का दर (%)	7.30%	7.20%
चिकित्सा मुद्रास्फीति दर	6.00%	6.00%

घ. मान्यताएं

तुलन-पत्र की तारीख के अनुसार मुख्य बीमांकिक धारणाएँ :

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2023			31 मार्च 2022		
	मान्यता में परिवर्तन	दर बढ़ने पर डीबीओ पर प्रभाव	दर घटने पर डीबीओ पर प्रभाव	मान्यता में परिवर्तन	मान्यता में परिवर्तन	दर बढ़ने पर डीबीओ पर प्रभाव
छूट की दर (अधिकारियों)	1.00%	(927.96)	1,222.31	1.00%	(550.09)	727.38
छूट की दर (कर्मचारियों)	1.00%	(287.06)	378.70	1.00%	(190.08)	260.45
चिकित्सा वृद्धि दर(अधिकारियों)	1.00%	1,198.53	(926.46)	1.00%	712.74	(548.95)
चिकित्सा वृद्धि दर(कर्मचारियों)	1.00%	371.70	(286.46)	1.00%	256.26	(190.53)

उपर्युक्त के संवेदनशीलता विश्लेषण को उस विधि के आधार पर निर्धारित किया गया है जो रिपोर्टिंग अवधि के अंतर्गत होने वाली प्रमुख मान्यताओरमें उचित परिवर्तनों के परिणामस्वरूप परिभाषित लाभ दायित्वों पर प्रभाव का बहिर्वेशन (एक्सट्रपलेशन) करनी है।

च. परिपक्वता

परिभाषित लाभ दायित्व निम्नलिखित रूप में परिपक्व होंगे

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
2023	-	73.40
2024	133.98	85.40
2025	162.41	99.46
2026	188.42	111.86
2027	218.24	1,136.30
2028	247.62	-
2029 और इसके बाद	1,736.18	-

परिभाषित लाभ दायित्व की भारत औसत अवधि 10 वर्ष है ।

30. कर्मचारी लाभ दायित्व

II. अवकाश नकदीकरण

अवकाश नकदीकरण के लिए देयताएं जिस अवधि में कर्मचारियों ने सेवा प्रदान की है उस अवधि के समाप्त होने के बाद 12 महीने के भीतर पूर्णतः से निपटान होने की उम्मीद नहीं है । इसलिए उन्हें अनुमानित यूनिट क्रेडिट विधि का उपयोग करके रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक कर्मचारियों द्वारा प्रदान की गई सेवाओं के संबंध में किए जाने वाले अपेक्षित भविष्य के भुगतान के वर्तमान मूल्य के रूप में मापा जाता है । रिपोर्टिंग अवधि के अंत में बाजार प्रतिफल का उपयोग करके लाभ को छूट दी जाती है जो संबंधित दायित्व की शर्तों से संबंधित होती है । अनुभव समायोजन के एक परिणाम के रूप में पुनर्मापन और बीमांकिक मान्यताओं में परिवर्तनों को लाभ और हानि विवरणी में मान्य किया जाता है ।

क. तुलन-पत्र में मान्य की गयी राशि

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
योजना देनदारियों का वर्तमान मूल्य	10,919.09	10,519.42
योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	-	-
शुद्ध देयता / (परिसंपत्ति)	10,919.09	10,519.42

ख. योजना परिसंपत्तियों और योजना देनदारियों में संचलन

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
01 अप्रैल को वर्तमान सेवा लागत	10,519.42	9,826.88
शुद्ध ब्याज	1,407.52	1,313.96
(लाभ)/हानि की तत्काल मान्यता - अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ योजनाएं	653.65	580.04
शुद्ध अवकाश नकदीकरण लागत	701.64	1,137.59
घटाए: राशि IEDC को हस्तांतरित	2,762.81	3,031.59
कर से पहले लाभ/हानि पर शुद्ध प्रभाव	-	11.87
योजना परिसंपत्तियों पर प्रतिफल (शुद्ध ब्याज व्यय में शामिल राशि को छोड़कर)	2,762.81	3,019.72
निम्नलिखित में परिवर्तन से उत्पन्न बीमांकिक (लाभ)/हानि		
- जनसांख्यिकीय मान्यताएं	-	-
- वित्तीय मान्यताएं	(187.24)	(284.80)
- अनुभव समायोजन	888.88	1,422.39
(लाभ)/हानि की तत्काल मान्यता - अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ योजना	(701.64)	(1,137.59)
अन्य व्यापक आय में मान्य शुद्ध लाभ	-	-
भुगतान किए गए लाभ	(2,363.14)	(2,339.05)
31 मार्च तक	10,919.09	10,519.42

ग. मान्यताएँ

तुलन-पत्र की तारीख के अनुसार मुख्य बीमाकिक धारणाएँ:

विवरण	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
छुट की दर (%)	7.20%	7.00%
वेतन दर में वृद्धि	5.00%	5.00%

घ. संवेदनशीलता

भारित प्रमुख मान्यताओं में परिवर्तन के लिए परिभाषित दायित्व की संवेदनशीलता निम्नलिखित है:

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2023			31 मार्च 2022		
	मान्यता में परिवर्तन	दर बढ़ने पर डीबीओ पर प्रभाव	दर घटने पर डीबीओ पर प्रभाव	मान्यता में परिवर्तन	मान्यता में परिवर्तन	दर बढ़ने पर डीबीओ पर प्रभाव
छुट की दर	1.00%	(857.70)	995.71	1.00%	(861.64)	1,003.09
वेतन दर में वृद्धि	1.00%	1,008.14	(882.36)	1.00%	1,013.58	(884.85)

उपर्युक्त के संवेदनशीलता विश्लेषण को उस विधि के आधार पर निर्धारित किया गया है जो रिपोर्टिंग अवधि के अंत में होने वाली प्रमुख मान्यताओं में उचित परिवर्तनों के परिणामस्वरूप परिभाषित लाभ दायित्वों पर प्रभाव का बहिर्वेशन (एक्सट्रपलेशन) करनी है।

ङ. परिपक्वता

परिभाषित लाभ दायित्व निम्नलिखित रूप में परिपक्व होंगे :

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
2023	-	411.01
2024	581.87	964.47
2025	1,102.30	1,129.39
2026	1,234.42	1,234.35
2027	1,335.39	10,040.59
2028	1,230.60	-
2029 और इसके बाद	9,211.99	-

परिभाषित लाभ दायित्व की भारित औसत अवधि 10 वर्ष है।

30. कर्मचारी लाभ दायित्व

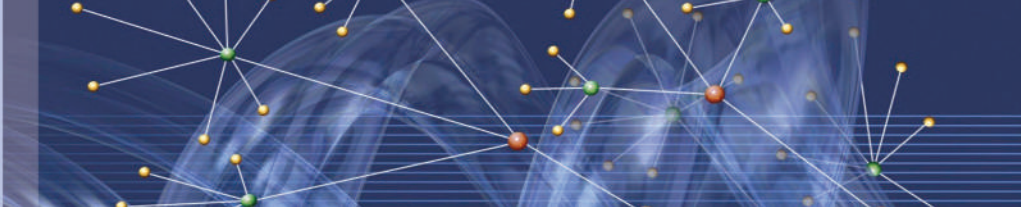
III. ग्रेच्युटी

कंपनी पेमेंट ऑफ ग्रेच्युटी एक्ट 1972 के अनुसार भारत में कर्मचारियों के लिए ग्रेच्युटी का प्रावधान है। 5 साल की अवधि तक निरंतर सेवा में रहने वाले कर्मचारी ग्रेच्युटी के लिए पात्र हैं। सेवानिवृत्ति ६ समाप्ति पर देय ग्रेच्युटी की राशि की गणना कर्मचारियों द्वारा अंतिम माह में आहरित मूल वेतन के आधार पर आनुपातिक रूप से सेवा के कुल वर्षों की संख्या में 15 दिनों के वेतन से गुणा करके की जाती है। ग्रेच्युटी योजना एक वित्त पोषित योजना है और कंपनी भारत में मान्यता प्राप्त फंडों में योगदान करती है।

क. तुलन-पत्र में मान्य की गयी राशि

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
वित्त पोषित योजना देनदारियों का वर्तमान मूल्य	29,389.12	28,456.23
योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	31,874.35	30,283.06
शुद्ध देयता/(संपत्ति)	(2,485.23)	(1,826.83)



ख. योजना परिसंपत्तियों और योजना देनदारियों में संचलन

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2023			31 मार्च 2022		
	योजना देयताए	योजना परिसंपत्तियो	शुद्ध (देयता-परिसंपत्तियों)	योजना देयताए	योजना परिसंपत्तियो	शुद्ध (देयता-परिसंपत्तियों)
1 अप्रैल को	28,456.23	30,283.06	(1,826.83)	26,695.62	28,862.38	(2,166.76)
वर्तमान सेवा लागत	952.29	-	952.29	1,063.68	-	1,063.68
ब्याज व्यय/आय	1,916.68	2,056.46	(139.78)	1,729.79	1,874.96	(145.17)
	2,868.97	2,056.46	812.51	2,793.47	1,874.96	918.51
विगत सेवा लागत – योजना में संशोधन	-	-	-	-	-	-
योजना परिसंपत्तियों पर प्रतिफल (शुद्ध ब्याज व्यय में शामिल राशि को छोड़कर)	-	1,344.97	(1,344.97)	-	1,301.55	(1,301.55)
निम्नलिखित में परिवर्तन से उत्पन्न बीमांकिक (लाभ)/हानि	-	-	-	-	-	-
– जनसांख्यिकीय मान्यताए	-	-	-	-	-	-
– वित्तीय मान्यताए	(432.63)	-	(432.63)	(654.37)	-	(654.37)
– अनुभव समायोजन	646.63	-	646.63	1,377.34	-	1,377.34
	214.00	1,344.97	(1,130.97)	722.97	1,301.55	-578.58
भुगतान किए गए लाभ	(2,150.08)	(2,150.08)	-	(1,755.83)	(1,755.83)	-
नियोक्ता का योगदान	-	339.93	(339.93)	-	-	-
31 मार्च तक	29,389.12	31,874.35	-2,485.22	28,456.23	30,283.06	-1,826.83

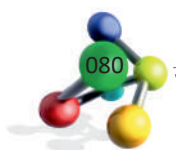
ग. कर्मचारी लाभ व्यय के रूप में लाभ और हानि के विवरण में मान्यता प्राप्त राशि

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
वर्तमान सेवा लागत	952.29	1,063.68
विगत सेवा लागत	-	-
शुद्ध ब्याज	-139.78	-145.17
	812.51	918.51
घटाए:राशि IEDC को हस्तांतरित	-	1.47
कर से पहले लाभ/हानि पर शुद्ध प्रभाव	812.51	917.04
पुनर्दृष्ट शुद्ध परिभाषित लाभ दायित्व की माप		
एक्ट्युरियल (लाभ)/मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न हानि	-1,130.98	-578.58
घटाए :राशि IEDC को हस्तांतरित	-	-
कर से पहले अन्य व्यापक आय में शुद्ध (लाभ)/हानि को मान्यता दी गई	-1,130.98	-578.58

घ. योजना परिसंपत्तियों के निवेश का विवरण

विवरण	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
i. भारत सरकार की प्रतिभूति	-	-
ii. कॉरपोरेट बॉन्ड	-	-
iii. विशेष जमा योजना	-	-
iv. अन्य (भारतीय जीवन निगम)	100.00%	100.00%
	100.00%	100.00%



ड. मान्यताएं

तुलन-पत्र की तारीख के अनुसार मुख्य बीमांकिक धारणाएँ:

विवरण	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
छूट की दर (%)	7.20%	7.00%
वेतन वृद्धि दर	5.00%	5.00%

च. संवेदनशीलता

भारित प्रमुख मान्यताओं में परिवर्तन के लिए परिभाषित दायित्व की संवेदनशीलता निम्नलिखित

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2023			31 मार्च 2022		
	मान्यता में परिवर्तन	दर बढ़ने पर डीबीओ पर प्रभाव	दर घटने पर डीबीओ पर प्रभाव	मान्यता में परिवर्तन	मान्यता में परिवर्तन	दर बढ़ने पर डीबीओ पर प्रभाव
छूट की दर	1.00%	(1,999.65)	2,285.99	1.00%	(2,001.12)	2,290.58
वेतन वृद्धि दर	1.00%	1,386.44	(1,417.63)	5.00%	1,499.10	(1,529.70)

उपर्युक्त के संवेदनशीलता विश्लेषण को उस विधि के आधार पर निर्धारित किया गया है जो रिपोर्टिंग अवधि के अंत में होने वाली प्रमुख मान्यताओं में उचित परिवर्तनों के परिणामस्वरूप परिभाषित लाभ दायित्वों पर प्रभाव का बहिर्वेशन (एक्सट्रपलेशन) करनी है।

ड. परिपक्वता

परिभाषित लाभ दायित्व निम्नलिखित रूप में परिपक्व होंगे

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
2023	-	1,482.21
2024	1,797.62	2,598.90
2025	2,765.98	2,704.26
2026	3,279.35	3,179.27
2027	3,115.25	19,017.25
2028 और उसके बाद	19,476.67	-

परिभाषित लाभ दायित्व की भारित औसत अवधि 10 वर्ष है।

31. आकस्मिक देयताएं और प्रतिबद्धताएं

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
क. ऋण के रूप में न स्वीकार किया गया दावा		
— झारखण्ड बिजली बोर्ड द्वारा ईंधन अधिभार का दावा	1,855.00	1,855.00
— इसकी कटौती और कर देयता के लिए आयकर	-	-
वर्ष (राशि लाख में) लंबित है		
वित्त वर्ष 2017-18 128.22 CIT (A)		
वित्त वर्ष 2018-19 204.70 CPC	-	-
वित्त वर्ष 2018-19 1,681.26 CPC	332.92	2,014.18
— खरकई नहर डिवीजन आदित्यपुर द्वारा खरकई नदी से जल आपूर्ति हेतु दावा किया गया जल शुल्क	1,933.00	1,933.00
— अन्य	0.59	0.59
ख. अनपेक्षित शाख-पत्र (लेटर ऑफ क्रेडिट)	-	-
ग. पूँजी खाते (अग्रिमों का शुद्ध) पर निष्पादित होने के लिए शेष अनुबन्धों की अनुमानित राशि	5,115.82	3,78,861.96

विभिन्न अदालतों में सेवा मामलों सहित अन्य मामले लंबित हैं जिनके मुकाबले लेखा में कोई प्रावधान नहीं किया गया है। आकस्मिक देयता के रूप में प्रकट नहीं किया गया है क्योंकि इस स्तर पर वे मात्रात्मक मापन योग्य नहीं हैं।

32. सम्बंधित पक्ष प्रकटीकरण

I. संबंधित पक्षों का नाम और संबंध का विवरण :

प्रमुख प्रबंधन कार्मिक

क. पूरे समय के निर्देशक

डॉ. सी के असनानी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

श्री राजेश कुमार, निदेशक (तकनीकी) (15.06.2021 से प्रभावी)

ख. निदेशक, उनके रिश्तेदारों और उद्यम, जिन पर वे महत्वपूर्ण प्रभाव डालने में सक्षम है

श्री सुखदेव सिंह, आईएएस, मुख्य सचिव, झारखंड सरकार

श्री एस.आर. सुले, संयुक्त सचिव (आई एंड एम), पऊवि

श्री संजय कुमार, संयुक्त सचिव (प्रशासन और लेखा), पऊवि

डॉ. दिनेश श्रीवास्तव, मुख्य कार्यकारी, एनएफसी (31.12.2022 तक)

डॉ. कोमल कपूर, मुख्य कार्यकारी, एनएफसी (09.01.2023 से प्रभावी)

डॉ. जी.के. सिन्हा, निदेशक, एएमडी (30.11.2022 तक)

श्री बी सराभानन निदेशक, एएमडी (05.12.2023 से प्रभावी)

कर्नल (सेवानिवृत्त) श्री पी.के.पांडा, स्वतंत्र निदेशक (24.03.2022 से प्रभावी)

ग. कंपनी सचिव

श्री बी.सी. गुप्ता, कंपनी सचिव

II. संबंधित पक्ष लेनदेन

पूरे समय के निदेशकों और कंपनी सचिव का मुआवजा

(₹ लाख में)

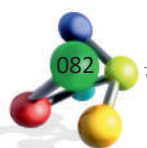
विवरण	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
अल्पावधि कर्मचारी लाभ	169.66	215.37
नियोजन पश्चात लाभ	22.95	28.61

33. उचित मूल्य मापन

श्रेणी के अनुसार वित्तीय साधन

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
वित्तीय परिसंपत्तियां		
लाभ/(हानि) के माध्यम से उचित मूल्य	-	-
अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य	-	-
परिशोधन लागत पर वित्तीय परिसंपत्तियों का मूल्यांकन	-	-
— व्यापार प्राप्य	21,897.74	1,28,764.81
— नकद और बैंक शेष	78,852.95	29,741.31
— ऋण	4,747.32	3,676.62
— अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां	1,14,970.95	84,171.62
कुल वित्तीय परिसंपत्तियां	2,20,468.96	2,46,354.36
वित्तीय देयताएं		
लाभ/(हानि) के माध्यम से उचित मूल्य	-	-
अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य	-	-
परिशोधन लागत पर वित्तीय परिसंपत्तियों का मूल्यांकन	-	-
— उधारियां	-	-
— व्यापार देय	15,417.04	10,207.34
— अन्य	49,687.03	49,827.56
कुल वित्तीय देयताएं	65,104.08	60,034.89



कुल वित्तीय देयता,

(₹ लाख में)

वित्तीय परिसंपत्तियां और देयताएं जिन्हें 31 मार्च 2023 तक परिशोधित लागत पर मापा गया	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3	कुल
परिसंपत्तियां				
– व्यापार प्राप्त्य	-	-	21,897.74	21,897.74
– नकद और बैंक शेषs	-	-	78,852.95	78,852.95
– ऋण	-	-	4,747.32	4,747.32
– अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां	-	-	1,14,970.95	1,14,970.95
	-	-	2,20,468.96	2,20,468.96
देयताएं				
– उधारियां	-	-	-	-
– व्यापार देयताएं	-	-	15,417.04	15,417.04
– अन्य	-	-	49,687.03	49,687.03
	-	-	65,104.08	65,104.08

33. उचित मूल्य मापन

उचित मूल्य पदानुक्रम

(₹ लाख में)

वित्तीय परिसंपत्तियां और देयताएं जिन्हें 31 मार्च 2023 तक परिशोधित लागत पर मापा गया	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3	कुल
परिसंपत्तियां				
– व्यापार प्राप्त्य	-	-	1,28,764.81	1,28,764.81
– नकद और बैंक शेष	-	-	29,741.31	29,741.31
– ऋण	-	-	3,676.62	3,676.62
– अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां	-	-	84,171.62	84,171.62
	-	-	2,46,354.36	2,46,354.36
देयताएं				
– उधारियां	-	-	-	-
– व्यापार देयताएं	-	-	10,207.34	10,207.34
– अन्य	-	-	49,687.03	49,687.03
	-	-	60,034.89	60,034.89

व्यापार प्राप्तियाँ, नकद एवं नकदतुल्य, व्यापार देय, बैंक जमा उपार्जित ब्याज तथा उस समय की वर्तमान उधारियों की मात्रा उनकी अल्प कालिक प्रवृत्ति के कारण अपने उचित मूल्य के बराबर होती है। दिए गए ऋणों के लिए उचित मूल्य की गणना वर्तमान ऋण दर का उपयोग करके रियायती नकदी प्रवाह के आधार पर की गई थी। अप्रमाणित इनपुट शामिल किए जाने के कारण उन्हें स्तर 3 उचित मूल्य पदानुक्रम के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

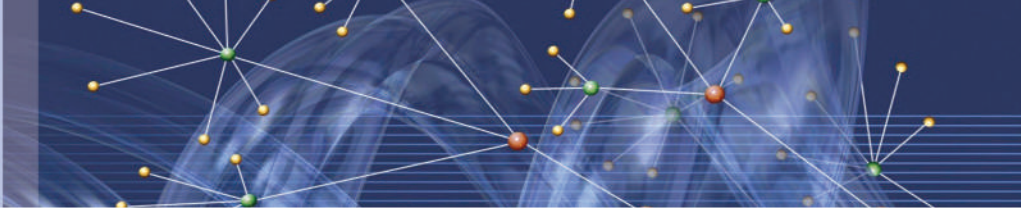
34. वित्तीय जोखिम प्रबंधन

कंपनी का वित्तीय जोखिम प्रबंधन अपनी व्यावसायिक रणनीतियों की योजना बनाने और निष्पादित करने का एक अभिन्न अंग है। कंपनी की गतिविधियों को तरलता जोखिम और ऋण जोखिम के लिए उजागर किया जाता है।

जोखिम	एक्सपोजर से उत्पन्न होने वाला	माप	प्रबंधन
ऋण जोखिम	नकद और नकद समतुल्य व्यापार प्राप्त्य बैंक जमा	आयुवृद्धि विश्लेषण	जमा क्रेडिट सीमा का विविधीकरण
तरलता जोखिम	उधार और अन्य देनदारियां	रोलिंग नकदी प्रवाह पूर्वानुमान	प्रतिबद्ध क्रेडिट लाइनों और उधार

पूंजी जोखिम प्रबंधन

कंपनी का लक्ष्य अपनी पूंजी का कुशलतापूर्वक प्रबंधन करना है ताकि कि एक निरंतर कारोबार को जारी रखने की कंपनी की क्षमता और शेयरधारकों के समुचित प्रतिफल (रिटर्न) को सुरक्षित किया जा सके। कंपनी की नीति कुल इक्विटी पर ध्यान देने के साथ एक स्थिर और मजबूत पूंजी संरचना बनाए रखना है ताकि भविष्य के विकास और अपने व्यवसाय के विकास को बनाए रखने के लिए निवेशक और लेनदारों का विश्वास बनाए रखा जा सके। कंपनी अपनी पूंजी संरचना को बनाए रखने या आवश्यक समायोजन करने के लिए उचित कदम उठाएगी।



टिप्पणी— 35

लेखा पर अतिरिक्त टिप्पणियां

31 मार्च, 2023 को समाप्त लेखा वर्ष के लिए

35.1 परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 (1962 का 33) की धारा 18 के तहत जारी परमाणु ऊर्जा विभाग के आदेश संख्या 746469—डपद दिनांक 7 अगस्त, 1973 और आदेश संख्या 7 / 6 / 69—डपद (PSU) दिनांक 3 जुलाई, 1974 के माध्यम से कंपनी को टर्नओवर, कच्चे माल की खपत से संबंधित मात्रात्मक जानकारी तथा उत्पादित माल के प्रारंभिक एवं अंतिम स्टॉक, खरीदी की गई या अधिग्रहित कच्ची सामग्री, लाइसेंस प्राप्त क्षमता, स्थापित क्षमता और वास्तविक उत्पादन से संबंधित जानकारी को प्रकाशित करने या उपलब्ध कराने से प्रतिबंधित किया गया है।

हालांकि, वर्ष 2003—04 से कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 619 (2) के तहत उच्च स्तर पर नियुक्त किए गए सांविधिक लेखा परीक्षकों को गोपनीयता समझौते के साथ कंपनी के खातों के सार्वजनिक अंश के उद्देश्य से दिनांक 9 जुलाई, 2004 के आदेश संख्या 1048(12)2004—पीएसयू448 के माध्यम से कंपनी के संचालन से संबंधित समस्त जानकारी हासिल करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिसमें यह कहा गया है कि यह जानकारी किसी भी अन्य एजेंसी को प्रस्तुत नहीं की जाएगी और ना ही विशेष रूप से किसी अंशधारक रिपोर्ट में इन आंकड़ों का उल्लेख किया जाएगा।

35.2 कंपनी ने तुमलापल्ली में 813.412 हेक्टेयर (गत वर्ष 813.412 हेक्टेयर) भूमि, तुरामडीह में 557.18 एकड़ (गत वर्ष 557.18 एकड़) भूमि, बंदुहुरांग में 686.86 एकड़ (गत वर्ष 686.86 एकड़) भूमि, बागजाता में 303.14 एकड़ (गत वर्ष 303.14 एकड़) भूमि, जादूगोड़ा में भाटिन समेत 1312.62 एकड़ (उपयुक्त अधिकारियों के साथ पत्राचार में गत वर्ष 1312.62 एकड़) भूमि, और मोहुलडीह में 288.20 एकड़ (उपयुक्त अधिकारियों के साथ पत्राचार में गत वर्ष 288.20 एकड़) भूमि के लिए खनन पट्टा प्राप्त किया है। 1128.32 एकड़ भूमि के नरवापहाड़ खनन पट्टे क्षेत्र का विस्तार 27.01.2013 से पूर्वव्यापी रूप से संपूर्ण निक्षेप समाप्त होने तक, और गोगी परियोजना में 8.62 हेक्टेयर का अधिग्रहण किया गया है।

35.3 कंपनी 1986 से, मोसाबनी, झारखंड में 3 (तीन) एकड़ जमीन का इस्तेमाल कर रही है। झारखंड सरकार द्वारा उठाए गए मांग-पत्र (डिमांड नोट) का भुगतान कर दिया गया है और झारखंड सरकार के साथ लीज हस्तांतरण की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

35.4 परियोजना पूर्व / चालू परियोजना पर व्यय :-

परियोजना पूर्व व्यय :-

(क) लांबापुर परियोजना (रु.968.96.69 लाख):

राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एसपीसीबी) और खान और भूविज्ञान विभाग, तेलंगाना सरकार से क्रमशः स्थापना के लिए सहमति (सीएफई) और खनन पट्टे के अनुदान की प्रतीक्षा है।

ख) के.पी.एम. परियोजना (रु.1004.76 लाख) :

परमाणु ऊर्जा विभाग के निर्देश के बाद, शिलांग में यूसीआईएल का कार्यालय बंद है और परियोजना संबंधी सभी गतिविधियाँ निलंबित हैं।

ग) आंध्र प्रदेश के वाईएसआर जिले में तुमलापल्ले विस्तारीकरण परियोजना (रु. 238.15 लाख) :

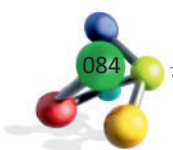
यूसीआईएल ने 3000 टीपीडी से 4500 टीपीडी तक की मौजूदा सुविधा की उत्पादन क्षमता में वृद्धि के लिए तुमलापल्ले परियोजना, आंध्र प्रदेश का विस्तार किया है। परियोजना के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) 2010 में तैयार की गई थी। ईआईए & ईएमपी अध्ययन किया गया है और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एसपीसीबी) को सौंप दिया गया।

इसके बाद आंध्र प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (ICCB) ने 06.01.2021 को पर्यावरण जन सुनवाई के लिए अधिसूचित किया। इस बीच, स्थानीय एनजीओ ने यूसीआईएल की विस्तार गतिविधि को चुनौती देते हुए आंध्र प्रदेश के माननीय उच्च न्यायालय में 29.12.2020 को एक रिट याचिका (पीआईएल) संख्या 3232020 दायर की। रिट याचिका के आधार पर, आंध्र प्रदेश के माननीय उच्च न्यायालय ने 31.12.2020 को स्टे ऑर्डर जारी किया।

फलस्वरूप, यूसीआईएल ने स्थगन आदेश को रद्द करने के लिए 04.01.2021 को जवाबी हलफनामा दायर किया। दिनांक 16.01.2021 को माननीय उच्च न्यायालय ने स्थगन को खाली करने का आदेश जारी किया और जनसुनवाई करने की अनुमति दी। हालांकि, हमारे अनुरोध पत्र दिनांक 17.05.2021 के जवाब में, एपीपीसीबी ने अपने पत्र संख्या रु के-216डीसीबीआरओधोडीपी2021-48 दिनांक 19.

अचल संपत्ति का स्वामित्व विलेख कंपनी के नाम पर नहीं है

बैलेंस शीट में प्रासंगिक लाइन आइटम	संपत्ति का विवरण	सकल वहन मूल्य (रु.लाख में)	के नाम मालिकाना हक	क्या मालिकाना हकदार एक प्रमोटर, निदेशक या प्रमोटर/निदेशक के रिश्तेदार हैं या प्रमोटर/निदेशक के कर्मचारी है	संपत्ति किस तारीख से है	कंपनी के नाम पर नहीं होने का कारण
पीपीई	निःशुल्क भूमि / पट्टे की भूमि	15.85	राज्य सरकार / निजी पार्टियां	NO	1986	पंजीकरण प्रक्रियाधीन है



05.2021 के माध्यम से सूचित किया कि ब्द-19 महामारी के कारण लोगों की आवाजाही पर प्रतिबंध के कारण जन सुनवाई आयोजित नहीं की जा सकती है। राज्य सरकार से मामले की जांच की जा रही है।

घ) आंध्र प्रदेश के वाईएसआर जिले में कन्मपल्ले परियोजना (रु. 227.17 लाख) :

मेकॉन को तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता रिपोर्ट (टीईएफआर) तैयार करने और अन्य पूर्व-परियोजना गतिविधियों को करने के लिए सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया है। कन्मपल्ले निक्षेप की खान पट्टा सीमा का सीमांकन एएमडी को प्रस्तुत करने के लिए खान और भूविज्ञान निदेशालय (डीएमजी), आंध्र प्रदेश सरकार को प्रस्तुत किया गया है। तत्पश्चात, एएमडी ने एएमसीआर-2016 के नियम 4(5) (बी) के अनुसार डीएमजी, आंध्र प्रदेश सरकार को भूवैज्ञानिक रिपोर्ट प्रस्तुत की।

मेकॉन ने कन्मपल्ले परियोजना के लिए तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता रिपोर्ट (टीईएफआर) का मसौदा और विस्तृत परियोजना निष्पादन रिपोर्ट (डीपीईआर) का मसौदा प्रस्तुत किया है। एमओईएफएंडसीसी को टीओआर के लिए आवेदन राज्य सरकार द्वारा (नियम -6 (2), एएमसीआर, 2016 के तहत) आशय पत्र (एलओआई) जारी करने के बाद यूसीआईएल को खनन और भूविज्ञान निदेशालय (डीएमजी), आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा।

ङ) कर्नाटक के यादगीर जिले में गोगी और कंचनकई परियोजनाएं (रु.625.04 लाख) :

मेकॉन को तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता रिपोर्ट (टीईएफआर) तैयार करने और अन्य पूर्व-परियोजना गतिविधियों को करने के लिए सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया है। गोगी निक्षेप की खान पट्टा सीमा का सीमांकन एएमडी को प्रस्तुत करने के लिए खान और भूविज्ञान निदेशालय (डीएमजी), कर्नाटक सरकार को प्रस्तुत किया गया है। तत्पश्चात, एएमडी ने एएमसीआर-2016 के नियम 4(5) (बी) के अनुसार डीएमजी, कर्नाटक सरकार को भूवैज्ञानिक रिपोर्ट प्रस्तुत की।

इस बीच, गोगी से सटे कंचनकई में एक नए निक्षेप की खोज एएमडी द्वारा पूरी की गई है। कंचनकई निक्षेप की खान पट्टा सीमा का सीमांकन एएमडी को प्रस्तुत करने के लिए खान और भूविज्ञान निदेशालय (डीएमजी), कर्नाटक सरकार को प्रस्तुत किया गया है। फलस्वरूप, एएमडी ने एएमसीआर-2016 के नियम 4(5) (बी) के अनुसार डीएमजी, कर्नाटक सरकार को भूवैज्ञानिक रिपोर्ट प्रस्तुत की।

एक सामान्य अयस्क प्रसंस्करण सुविधा की दृष्टि से, मेकॉन ने कंचनकई परियोजना के लिए तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता रिपोर्ट (टीईएफआर) का मसौदा प्रस्तुत किया है, जबकि गोगी परियोजना के लिए टीईएफआर का मसौदा तैयार करने की प्रक्रिया चल रही है। खनन और भूविज्ञान निदेशालय (डीएमजी) कर्नाटक द्वारा राज्य सरकार खनियम -6 (2), एएमसीआर, 2016 के तहत, यूसीआईएल को आशय पत्र जारी करने के बाद दोनों परियोजनाओं के लिए

एमओईएफ एंड सीसी को टीओआर के लिए आवेदन प्रस्तुत किया जाएगा। इन स्थलों पर सीएसआर गतिविधियां जारी हैं।

च) राजस्थान के सीकर जिले में रोहिल अन्वेशी खनन परियोजना (रु.1875.00 लाख) :

राजस्थान के सीकर जिले में रोहिल यूरेनियम निक्षेप का अन्वेषण परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसन्धान निदेशालय (एएमडी) द्वारा किया जा रहा है। एएमडी की ओर से अन्वेशी खनन गतिविधियां, यूसीआईएल और एएमडी के बीच समझौते के अनुसार, एएमडी की ओर से, यूसीआईएल द्वारा शुरू किया गया है। भूमिगत कामकाज तक पहुँचने के लिए एक डिवलाइन का पोर्टल 240 मीटर तक विकसित किया गया है। बाद में एक चरण में किए जाने वाले वाणिज्यिक खनन अभियान के दौरान आवश्यक औद्योगिक और पीने के पानी की भविष्य की आपूर्ति को सुरक्षित करने के लिए सीकर के नगर परिषद के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। परियोजना से संबंधित गतिविधियों को करने के लिए, मेसर्स मेकॉन को सलाहकार के रूप में व्यस्त किया गया है। मेकॉन ने अयस्क निकाय का 3डी मॉडल तैयार किया है और उसने यूसीआईएल द्वारा समीक्षा के लिए तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता रिपोर्ट (टीईएफआर) का मसौदा प्रस्तुत किया है। एएमडी ने पहले ही भूवैज्ञानिक रिपोर्ट को डीएमजी, राजस्थान को सौंप दिया है। तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता रिपोर्ट (टीईएफआर) को मंजूरी दे दी गई है। राजस्थान सरकार द्वारा आशय पत्र जारी करने के बाद एमओईएफ और सीसी को टीओआर के लिए आवेदन प्रस्तुत किया गया है। MoEF&CC ने संदर्भ की शर्तें (टीओआर) जारी की हैं और पर्यावरणीय मंजूरी देने के लिए साइट पर आधारभूत अध्ययन प्रगति पर हैं।

छ) यूरेनियम प्राप्ति संयंत्र (मुसाबनी) (शून्य) :

यूसीआईएल ने मुसाबनी में 0.9 डज्ज की कुल क्षमता वाले दो यूरेनियम रिकवरी प्लांट के निर्माण का प्रस्ताव दिया है, हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (HCL) के मुसाबनी कॉन्संटेन्ट प्लांट में उत्पन्न होने वाले कॉपर टेलिंग्स के भौतिक लाभ (टैबलिंग) द्वारा यूरेनियम सांद्रता करने के लिए, इसके बाद यूसीआईएल के जादुगोड़ा के यूरेनियम अयस्क प्रसंस्करण संयंत्र में हीट ट्रीटेड यूरेनियम पेरोक्साइड (HTUP) के उत्पादन के लिए की जाएगी। परियोजना के लिए पर्यावरण मंजूरी (ईसी) एमओईएफसीसी द्वारा प्रदान की गई है। परियोजना को परमाणु ऊर्जा विभाग की परियोजना मूल्यांकन समिति (PAC) द्वारा अंतिम अनुमोदन के लिए अनुशंसित किया गया है। पानी, बिजली की आपूर्ति और भूमि के अधिग्रहण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवेदन दिए गए हैं और प्रक्रिया में हैं। हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड द्वारा कॉपर टेलिंग का अनुमानित उत्पादन कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया जिसकी हमारी ओर से जांच की गई है। उनके हालिया संयंत्र प्रदर्शनों, लंबित वैधानिक मंजूरी और मेसर्स एचसीएल से निर्धारित क्षमता पर टेलिंग की फीड आपूर्ति की अनिश्चितता के कारण, यूसीआईएल ने इस परियोजना के साथ आगे नहीं बढ़ने का फैसला किया है। तदनुसार, पीएसी, पऊवि ने परियोजना को कम समय के लिए बंद करने की सिफारिश की है।

ज) छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में जाजवाल परियोजना (रु.137.91 लाख) :

एमडी ने छत्तीसगढ़ राज्य में अंबिकापुर के पास प्रस्ताव जाजवाल परियोजना के लिए अन्वेषण ड्रिलिंग पूरी कर ली है। डम्बछ को टेक्नो-इकोनॉमिक फिजिबिलिटी रिपोर्ट (जम्बछ) की तैयारी के लिए सलाहकार के रूप में लगाया गया है। एएमडी ने एएमसीआर-2016 के नियम 4(5) (बी) के अनुसार डीएमजी, छत्तीसगढ़ सरकार को भूवैज्ञानिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। राज्य सरकार द्वारा खनियम -6 (2), एएमसीआर, 2016, के तहत खनन और भूविज्ञान निदेशालय (डीएमजी), छत्तीसगढ़ द्वारा यूसीआईएल को पत्र जारी करने के बाद एमओईएफ और सीसी को टीओआर के लिए आवेदन प्रस्तुत किया जाएगा। मेकॉन ने तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता रिपोर्ट (टीईएफआर) और विस्तृत परियोजना निष्पादन रिपोर्ट (डीपीईआर) का मसौदा प्रस्तुत किया है।

झ) झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले में गराडीह परियोजना (रु.27.04 लाख रुपये) :

मेकॉन को तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता रिपोर्ट (टीईएफआर) तैयार करने और अन्य पूर्व-परियोजना गतिविधियों को करने के लिए सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया है। एएमसीआर-2016 के नियम 4(5)(बी) के अनुसार भूवैज्ञानिक रिपोर्ट के साथ खान एवं भूविज्ञान निदेशालय, झारखंड सरकार को प्रस्तुत करने के लिए खनन पट्टा सीमा का सीमांकन एएमडी को प्रस्तुत किया गया है। यूरेनियम खनिजकरण 280-300 मीटर के ऊर्ध्वाधर प्रभाव तक स्थापित किया गया है। एएमडी ने 450-570 मीटर के ऊर्ध्वाधर प्रभाव के लिए खनिजकरण की दृढ़ता को साबित करने के लिए क्षेत्र में अन्वेषण ड्रिलिंग कर रहा है। एएमडी गहन अन्वेषण ड्रिलिंग के परिणामों के आधार पर झारखंड सरकार को भूवैज्ञानिक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा। राज्य सरकार द्वारा खनियम -6 (2), एएमसीआर, 2016, के तहत खनन और भूविज्ञान निदेशालय (डीएमजी), झारखंड द्वारा यूसीआईएल को पत्र जारी करने के बाद एमओईएफ और सीसी को टीओआर के लिए आवेदन प्रस्तुत किया जाएगा। मेकॉन ने तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता रिपोर्ट (टीईएफआर) और विस्तृत परियोजना निष्पादन रिपोर्ट (डीपीईआर) का मसौदा प्रस्तुत किया है।

ज) झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले में बानाडुंगरी परियोजना (शून्य) :

मेकॉन को तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता रिपोर्ट (टीईएफआर) तैयार करने और अन्य पूर्व-परियोजना गतिविधियों को करने के लिए सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया है। एएमसीआर-2016 के नियम 4(5)(बी) के अनुसार भूवैज्ञानिक रिपोर्ट के साथ खान एवं भूविज्ञान निदेशालय, झारखंड सरकार को आगे प्रस्तुत करने के लिए खनन पट्टा सीमा का सीमांकन एएमडी को प्रस्तुत किया गया है। एएमडी ने दिनांक 17.09.2021 को झारखंड सरकार के खान एवं भूविज्ञान निदेशालय को भूवैज्ञानिक रिपोर्ट सौंप दी है। मेकॉन ने बानाडुंगरी निक्षेप के संबंध में तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता रिपोर्ट (टीईएफआर) का मसौदा प्रस्तुत किया है। राज्य सरकार द्वारा खनियम -6 (2), एएमसीआर, 2016, के तहत खनन और भूविज्ञान निदेशालय (डीएमजी), झारखंड द्वारा यूसीआईएल को पत्र जारी

करने के बाद एमओईएफ और सीसी को टीओआर के लिए आवेदन प्रस्तुत किया जाएगा।

चालू परियोजना :

(क) तुरामडीह मिल विस्तार परियोजना (शून्य) :

बोर्ड द्वारा 0.90 एमटीपीए (मिलियन टन प्रति वर्ष) की प्रारंभिक डिजाइन क्षमता प्राप्त करने और बाद में अगले 10 वर्षों के लिए 1.032 एमटीपीए की क्षमता प्राप्त करने के लिए तुरामडीह मिल मद में पूंजीगत व्यय के रूप में 74.99 करोड़ रुपये के विनियोग को मंजूरी दी गई है।

(ख) तुरामडीह मैग्नेटाइट रिकवरी प्लांट (रु. 2326.59 लाख) :

तुरामडीह और बंदुहुगंग खान के यूरेनियम अयस्क में मैग्नेटाइट खनिज की मात्रा काफी कम होती है। तुरामडीह मैग्नेटाइट रिकवरी प्लांट को उप-उत्पाद के रूप में, कोयला वॉशरियों में इसके उपयोग के लिए चुंबकीय सामग्री और सूक्ष्मता के संदर्भ में बहुत उच्च गुणवत्ता के मैग्नेटाइट के रूप में उत्पादन करने के लिए डिजाइन किया गया है। प्लांट का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। वैधानिक मंजूरी का इंतजार है।

(ग) सिंहभूम और तुम्मलापल्ले में डिबॉटलनेकिंग परियोजना (रु. 36.23 लाख) :

तुम्मलापल्ले में पर्यावरणीय निर्वहन की उन्नत गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए मेकॉन द्वारा डिजाइन आधार रिपोर्ट, तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार कर प्रस्तुत किया गया है। इस बीच, तुम्मलापल्ले में खदान के पानी में मौजूद रेडियो-सक्रिय न्यूक्लाइड को कम करने के लिए खदान के पानी के उपचार के लिए पर्यावरण-अनुकूल रासायनिक विधि का घरेलू विकास शुरू किया गया है। खदान के पानी में यू और आरए की मात्रा को कम करने के लिए प्रयोगशाला और पायलट पैमाने पर किए गए परीक्षणों ने उत्साहजनक परिणाम दिए हैं।

(घ) झारखंड में भूमिगत खानों का आधुनिकीकरण (शून्य) :

भू-खनन की बदलती स्थिति, विकसित हो रहे भूमिगत खनन लेआउट और खनन उपकरणों की बिगड़ती स्थितियों को देखते हुए, भूमिगत खदानों के निष्पादन को बनाए रखने और सुधारने के लिए एक कार्य योजना बनाई गई है। इसलिए, इस परियोजना को झारखंड में ट्रैकलेस भूमिगत खानों में अगले पांच वर्षों के लिए उत्पादन के वर्तमान स्तर को बनाए रखने के लिए नए उपकरणों की खरीद के साथ-साथ मौजूदा उपकरणों के ओवरहालिंग के माध्यम से नवीनतम उपलब्ध मशीनीकरणधौद्योगिकी के उन्नयन और अपनाने के लिए लिया गया है। इस परियोजना में नए उपकरणों की खरीद और चल रहे उपकरणों की ओवरहालिंग शामिल है। उपकरणों की ओवरहालिंग का काम पूरा हो गया है। नए उत्पादन उपकरणों की खरीद के लिए खरीद आदेश दे दिया गया है और उपकरण साइट पर प्राप्त हो गए हैं।

35.5 लेनदारों, देनदारों की शेष राशि और ठेकेदारों तथा आपूर्तिकर्ताओं का अग्रिम, समाधान, पुष्टीकरण और संबंधित परिणामी समायोजन के अधीन है, यदि कोई हो तो।

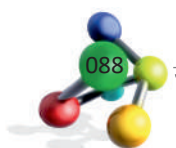
- 35.6 आंतरिक और बाहरी कारकों के मूल्यांकन के आधार पर, परिसंपत्तियों के मिलान के लिए किसी भी तुलनात्मक प्रावधान का विचार आवश्यक नहीं समझा गया क्योंकि परिसंपत्तियों का वास्तविक मूल्य परिसंपत्तियों की वहन लागत से अधिक है।
- 35.7 कंपनी कर्मचारी भविष्य निधि एवं विविध प्रावधान अधिनियम 1952 (ईपीएफ एक्ट) के अंतर्गत नहीं आती है, परंतु कंपनी 1967 से एक न्यास के माध्यम से भविष्य निधि का प्रबंधन करती है, जिसके अपने स्वयं के नियम हैं और इसे क्षेत्रीय प्रोविडेंट फंड आयुक्त (आरपीएफसी), पटना एवं आयकर आयुक्त द्वारा अनुमोदित किया गया है। तथापि, आरपीएफसी, जमशेदपुर ने अपनी सूचना दिनांक 01.01.1997 द्वारा दावा किया है कि कंपनी ईपीएफ अधिनियम 1952 के अंतर्गत आती है और कंपनी को 1967 से बकाया पीएफ तथा 1997 से परिवार पेंशन अंशदान जमा करने के लिए कहा है। कंपनी ने दावे पर आपत्ति जताई है और इस पर अपील दायर की है जो वर्तमान में सीजीआईटी, धनबाद के पास लंबित है। चूंकि कंपनी ईपीएफ एक्ट 1952 के तहत प्रदत्त अंशदान के बराबर ट्रस्ट के लिए पीएफ का भुगतान करती है, अतः कोई अतिरिक्त वित्तीय दायित्व सीजीआईटी, धनबाद के समक्ष अपील लंबित होने का कारण नहीं बनता है।
- 35.8 तुलन—पत्र तिथि पर कार्य दायित्व अभियंता प्रमाण पत्र के अनुसार दी गई है। अंतिम निपटान के वर्ष में आवश्यक समायोजन के अधीन अभियंता प्रमाण पत्र के अनुसार बिलों के लंबित अंतिम निपटान का उपयोग करने के लिए लगाई गई संपत्ति के मामले में पूजीकरण अंतिम आधार पर किया जाता है।
- 35.9 बगजाता खनन परियोजना के लिए 375 मीटर गहराई वाले वर्टिकल शाफ्ट की डिजाइनिंग, सिंकिंग, लाइनिंग और लैस करने का कार्य मेसर्स माहेश्वरी एंटरप्राइजेज एंड अंबिका एंटरप्राइजेज (जेवी) को कुल 24.76 करोड़ रुपये की लागत से प्रदान किया गया था। चूंकि, ठेकेदार ने काम को पूरा किए बिना साइट छोड़ दी, कंपनी जोखिम और लागत के लिए 103.47 करोड़ रुपये की वसूली और उत्पादन के नुकसान के दावे के लिए विवाचन की है। ठेकेदार आर्बिट्रेटर की नियुक्ति के संबंध में वाणिज्यिक न्यायालय रांची गया। अदालत ने उनके पक्ष में फैसला सुनाया। उक्त के आधार पर मेसर्स यूसीआईएल ने माननीय उच्च न्यायालय झारखंड, रांची के समक्ष अपील की है। मामले का निपटारा कर दिया गया है। आगे की कानूनी कार्यवाही की जा रही है।
- 35.10 मोहुलडीह खदान में 283 मीटर वर्टिकल शाफ्ट सिंकिंग और इसके उपकरण का काम मेसर्स माहेश्वरी एंटरप्राइजेज एंड अंबिका एंटरप्राइजेज (जेवी) को कुल 18.63 करोड़ रुपये की लागत से दिया गया था। चूंकि, ठेकेदार ने काम को पूरा किए बिना साइट छोड़ दी, कंपनी जोखिम और लागत के लिए 102.42 करोड़ रुपये की वसूली और उत्पादन के नुकसान के दावे के लिए विवाचन की है। मध्यस्थता की कार्यवाही मध्यस्थ के पास लंबित है।
- 35.11 परमाणु ऊर्जा विभाग के निर्देश पर केपीएम परियोजना को बंद कर दिया गया था। केपीएम परियोजना के लिए किए गए संपूर्ण पूर्व-परियोजना खर्च के लिए वित्तीय वर्ष 2019-2020 में 1004.75 लाख रुपये का प्रावधान किया गया था। प्रावधान चालू वित्तीय में दिखाया गया है।

अतिरिक्त नियामक जानकारी

- i) अचल संपत्ति के स्वामित्व विलेख जो कंपनी के नाम पर नहीं रखे गए हैं :
- कृपया ष्वातों पर अतिरिक्त नोट्स के पैरा 35.3 को देखें
- ii) जहां कंपनी ने अपनी संपत्ति, संयंत्र और उपकरण का पुनर्मूल्यांकन किया है, कंपनी को यह खुलासा करना होगा कि क्या पुनर्मूल्यांकन एक पंजीकृत मूल्यांकक द्वारा मूल्यांकन पर आधारित है जैसा कि कंपनी (पंजीकृत मूल्यांकक और मूल्यांकन) नियम, 2017 के नियम-2 के तहत परिभाषित किया गया है।
- नहीं
- iii) निम्नलिखित खुलासे किए जाएंगे जहां प्रमोटर्स, निदेशकों, केएमपी और संबंधित पक्षों (जैसा कि कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत परिभाषित किया गया है) को ऋण की प्रकृति में ऋण या अग्रिम दिए गए हैं, या तो अलग-अलग या किसी अन्य व्यक्ति के साथ संयुक्त रूप से;
- (a) मांग पर चुकाया जाने वाला या
- (b) किसी भी नियम या पुनर्भुगतान की अवधि निर्दिष्ट किए बिना

उधारकर्ता के प्रकार	बकाया ऋण की प्रकृति में भार या अग्रिम राशि	ऋण की प्रकृति में कुल ऋण और अग्रिम का प्रतिशत
प्रमोटर्स		
निदेशकों		
केएमपी		
संबंधित पक्षों		

- कृपया ष्वातों पर नोट्स का पैरा 32 देखें
- (iv) / (v) पूंजी-कार्य प्रगति (सीडब्ल्यूआईपी)धविकासाधीन अमूर्त संपत्ति (आईटीएयूडी)रू
- कृपया ष्वातों पर नोट्स का पैरा 4 देखें
- (vi) बेनामी संपत्ति का विवरणरू
- जहां बेनामी लेनदेन (निषेध) अधिनियम, 1988 (1988 का 45) और उसके तहत बनाए गए नियमों के तहत किसी भी बेनामी संपत्ति को रखने के लिए कंपनी के खिलाफ कोई कार्यवाही शुरू की गई है या लंबित है, कंपनी निम्नलिखित का खुलासा करेगीरू—
- (क) अधिग्रहण के वर्ष सहित ऐसी संपत्ति का ब्यौरा,
- (ख) इसकी राशि
- (ग) लाभार्थियों का विवरण
- (घ) यदि संपत्ति किताबों में है, तो बैलेंस शीट में आइटम का संदर्भ लें
- (ङ) यदि सम्पत्ति पुस्तकों में नहीं है, तो तथ्य को कारणों के साथ बताया जाएगा,
- (च) जहां कंपनी के खिलाफ इस कानून के तहत लेन-देन के लिए उकसाने वाली या विवरण प्रदान किए जाने के तहत कार्यवाही हो रही है
- (छ) कार्यवाही की प्रकृति, उसकी स्थिति और उस पर कंपनी का दृष्टिकोण
- ऐसी कोई संपत्ति नहीं है और इसलिए उपरोक्त सभी बिंदु लागू नहीं होते हैं।
- (vii) जहां कंपनी ने वर्तमान परिसंपत्तियों की सुरक्षा के आधार पर बैंकों या वित्तीय संस्थानों से उधार लिया है, वह निम्नलिखित का खुलासा करेगीरू दृ
- (क) क्या कंपनी द्वारा बैंकों या वित्तीय संस्थानों में दाखिल किए गए त्रैमासिक रिटर्न या चालू संपत्ति के विवरण बही-खातों के अनुरूप हैं य
- (ख) यदि नहीं, तो सुलह का सारांश क्या है और भौतिक विसंगतियों के कारण, यदि कोई हों, का पर्याप्त रूप से खुलासा किया जाना चाहिए
- ऐसी कोई उधारी नहीं
- (viii) जानबूझकर चूककर्तारू
- जहां कोई कंपनी किसी भी बैंक या वित्तीय संस्थान या अन्य ऋणदाता द्वारा जानबूझकर चूककर्ता घोषित की जाती है, तो निम्नलिखित विवरण दिए जाएंगे
- (क) जानबूझकर चूककर्ता घोषित करने की तिथि
- (ख) चूक का विवरण (चूक की राशि और प्रकृति)
- नहीं। कंपनी को जानबूझकर चूककर्ता घोषित नहीं किया गया है।
- (ix) बंद कंपनियों के साथ संबंधरू



- लागू नहीं
- (x) शुल्कों का पंजीकरण या कंपनियों के रजिस्ट्रार के साथ संतुष्टि
 - लागू नहीं
- (xi) कंपनियों की परतों की संख्या का अनुपालन
 - लागू नहीं
- (xii) अनुपात विश्लेषण
 - कृपया ष्वातों पर अतिरिक्त नोट्स के पैरा 35.12 को देखें
- (xiii) व्यवस्था की अनुमोदित योजना का अनुपालन
 - ऐसी कोई योजना नहीं है।
- (xiv) उधार ली गई धनराशि का उपयोग और शेयर प्रीमियम
 - (क) जहां कंपनी ने विदेशी संस्थाओं (मध्यस्थों) सहित किसी अन्य व्यक्ति (व्यक्तियों) या इकाई (ओं) को समझ के साथ अग्रिम या उधार या निवेशित धनराशि (या तो उधार ली गई धनराशि या शेयर प्रीमियम या किसी अन्य स्रोत या प्रकार की धनराशि) दी है (चाहे लिखित रूप में या अन्यथा दर्ज किया गया हो) कि मध्यस्थ ऐसा करेगा
 - (i) कंपनी (अंतिम लाभार्थियों) की ओर से किसी भी तरीके से पहचाने गए अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उधार देना या निवेश करना या
 - (ii) अंतिम लाभार्थियों को या उनकी ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा या ऐसी ही कोई चीज प्रदान करें
- कंपनी निम्नलिखित का खुलासा करेगी :
 - (I) प्रत्येक मध्यस्थ के पूर्ण विवरण के साथ मध्यस्थों में उन्नत या उधार या निवेश की गई निधि की तारीख और राशि।
 - (II) अंतिम लाभार्थियों के पूर्ण विवरण के साथ अन्य मध्यस्थों या अंतिम लाभार्थियों को मध्यस्थों में अग्रिम या उधार या निवेश की गई निधि की तारीख और राशि।
 - (III) अंतिम लाभार्थियों को या उनकी ओर से प्रदान की गई गारंटी, सुरक्षा या इसी तरह की तारीख और राशि
 - (IV) घोषणा कि ऐसे लेनदेन के लिए विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 (1999 का 42) और कंपनी अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों का अनुपालन किया गया है और लेनदेन धन-शोधन निवारण अधिनियम 2002 (2003 का 15) का उल्लंघन नहीं है
- ऐसी कोई उधार नहीं है और इसलिए उपरोक्त सभी बिंदु लागू नहीं होते हैं।
- (ख) जहां किसी कंपनी को विदेशी संस्थाओं सहित किसी भी व्यक्ति (व्यक्तियों) या इकाई (ओं) से कोई फंड प्राप्त हुआ है, वहां यह समझ (चाहे लिखित रूप में या अन्यथा दर्ज की गई हो) कि कंपनी
 - (I) प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से वित्त पोषण पक्ष (अंतिम लाभार्थियों) द्वारा या उसकी ओर से किसी भी तरीके से पहचाने गए अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं में उधार देना या निवेश करना या
 - अंतिम लाभार्थियों की ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा या ऐसी ही कोई चीज प्रदान करने पर, कंपनी निम्नलिखित का खुलासा करेगी -
 - (I) प्रत्येक फंडिंग पार्टी के पूर्ण विवरण के साथ फंडिंग पार्टियों से प्राप्त धन की तारीख और राशि।
 - (II) अंतिम लाभार्थियों के पूर्ण विवरण के साथ अन्य मध्यस्थों या अंतिम लाभार्थियों को मध्यस्थों में अग्रिम या उधार या निवेश की गई निधि की तारीख और राशि।
 - (III) अंतिम लाभार्थियों को या उनकी ओर से प्रदान की गई गारंटी, सुरक्षा या इसी तरह की तारीख और राशि
 - (IV) घोषणा कि ऐसे लेनदेन के लिए विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 (1999 का 42) और कंपनी अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों का अनुपालन किया गया है और लेनदेन धन-शोधन निवारण अधिनियम 2002 (2003 का 15) का उल्लंघन नहीं है
 - ऐसी कोई उधार नहीं है और इसलिए उपरोक्त सभी बिंदु लागू नहीं होते हैं।

नोट '1' से '36' तक हस्ताक्षर

खातों पर टिप्पणियाँ, महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ, खातों पर अतिरिक्त नोट और अतिरिक्त नियामक जानकारी

संलग्न टिप्पणियाँ इन वित्तीय विवरणों का एक अभिन्न भाग हैं।

संलग्न समिति की हमारी रिपोर्ट के अनुसार

कृते मेसर्स कदमावाला एड कंपनी

चार्टर्ड अकाउंटेंट

स्थान : मुंबई

दिनांक: 31.07.2023

यूडीआईएन : 23063654BGP MJF2624

CA राकेश कुमार जैन

सहभागी

M-No- 063654

बी सी गुप्ता

कंपनी सचिव

ईआरपीजी 9596

राजेश कुमार

निदेशक(तकनीकी)

सी डीआईएन: 09217107

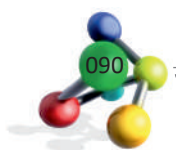
सी के असनानी

अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक

डीआईएन 03497356

पच्चीस वर्ष का सार-संग्रह

वर्ष	आय	सामग्रियों	वेतन/मजदूरी तथा अन्य सुविधाएँ	मूल्यहास	उत्पादन एवं अन्य व्यय	कर पूर्व लाभ/हानि
1998-99	13417.5	1252.7	4255.9	1236.4	6495	177.5
1999-00	14533	1461.9	4522.2	1685.2	5361.4	1307.9
2000-01	14797	1612.7	4768.8	1842.9	6167.4	405.2
2001-02	16597.1	1746.8	5524.9	2054.1	6399.3	872
2002-03	19357.1	1740.5	5274.5	2069.9	7500	2772.4
2003-04	21396.9	2248.4	5596.8	2236.3	9389.7	1925.7
2004-05	25497	2590.01	5945.24	2443.43	9896.72	4621.6
2005-06	28156	3121	7309	2468	10332	4926
2006-07	29781	4138	8817	2592	9856	4378
2007-08	30436	4786	9929	2518	11061	2142
2008-09	41462	6143	12728	2755	13832	6004
2009-10	54306	7494	14539	6661	17827	7785
2010-11	76025	10072	19815	8245	21836	16057
2011-12	70728	10469	18572	7184	25526	8626
2012-13	85512	12882	21988	7795	28447	14417
2013-14	81430	13106	24806	7793	33979	1633
2014-15	89024	14138	27869	8186	37693	1133
2015-16	102463	12694	29566	8581	35816	15806
2016-17	127270	8874	30167	13663	53582	20984
2017-18	179195	17335	40739	21963	86747	12410
2018-19	203479	17984	47126	21085	77501	39783
2019-20	241959	18174	54070	25723	84309	59683
2020-21	235290	15378	54059	22695	80837	62321
2021-22	261472	16831	58743	22815	85335	77748
2022-23	227958	25842	60408	26425	105566	9717



कर पश्चात लाभ / हानि	पूँजी	आरक्षित तथा अतिरिक्त	सकल निरुद्ध पूँजी	कुल मूल्य हास	शुद्ध निरुद्ध पूँजी	31 मार्च को कर्मचारियों की संख्या
367.1	41982.3	1808	34057.7	10039.8	24018	4385
1151.1	41982.3	2666.4	36438.7	11894.8	24543.9	4408
303.7	41982.3	2902.3	38041.5	13915.3	24126.3	4420
588.2	38339.3	4971.5	38510.6	16076.3	22434.3	4218
480.84	41839.3	4398.8	43443.2	18062.2	25381	4147
978.7	49839.3	4981.8	48591.2	20109.6	28481.6	4064
2925.1	63389.3	7222.8	52746.6	22813.5	29933.1	4034
3161	69094	9472	57074	25509	31566	4103
2751	71265	11403	61942	28192	33750	4276
1463	84165	12433	67254	31012	36242	4439
1801	107765	13684	117101	33914	83187	4643
4626	134793	16957	123150	40842	82308	4539
10153	143962	24146	126383	49131	77251	4696
6484	143962	28742	135090	56446	78644	4624
9078	143962	35697	145358	64418	80940	4613
1069	146962	36516	148617	71878	76739	4642
818	153962	36116	153054	81715	71339	4685
10212	156462	42641	159762	90401	69362	4757
12618	161562	55173	253703	22446	231257	4834
10673	181562	84559	255073	44477	210596	4781
21420	206962	76432	259256	65559	193693	4629
48205	206962	113865	281910	91339	190571	4672
47074	209462	146263	297587	114038	183550	4536
57672	209462	185008	297755	124762	172993	4533
6570	209462	160811	321665	151103	170562	4425

नकदी प्रवाह विवरणी

विवरण	टिप्पणी	31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष
संचालनीय गतिविधियों से प्राप्त रोकड़ कर से कर के पहले लाभ/(हानि) लिए समायोजन: समायोजन के लिए : - मूल्यहास और परिशोधन व्यय - बैंकों के पास जमा पर ब्याज - ऋण और अग्रिमों पर ब्याज वित्तीय खर्च	26 22 22 25	9,717.30 26,425.77 (6,452.79) (250.94) 754.93	77,747.65 22,819.05- (2,054.83)- (177.02) 71.05
कार्यशील पूंजी परिवर्तन से पहले परिचालन लाभ		30,194.26	98,405.91
कार्यशील पूंजी समायोजन: - (वृद्धि)/व्यापार प्राप्य में कमी - (वृद्धि)/ऋण और अग्रिमों में कमी - (बढ़ाएँ)/आविष्कारों में कमी - (बढ़ाएँ)/अन्य मौजूदा परिसंपत्तियों में कमी - (वृद्धि)/अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों में कमी - व्यापार के भुगतान में वृद्धि/(कमी) - प्रावधानों में वृद्धि/(कमी) - अन्य वित्तीय देनदारियों में वृद्धि/(कमी) - अन्य वर्तमान देनदारियों में वृद्धि/(कमी)	9 6 8 13 12 16 (b) 17 16 (c) 20	1,06,867.07 (1,070.70) 1,105.55 (5,452.10) (30,799.32) 5,209.71 1,325.55 (140.53) 553.26	20,121.33 41.31 (179.51) (3,329.56) (75,762.86) 81.95 2,725.18 (11,757.10) (1,935.76)
संचालन से नकदी उत्पन्न हुई		1,07,792.76	28,410.88
आयकर चुकाया		(16,409.45)	(34,989.92)
आयकर परव्याज का भुगतान किया गया		0.00	0.00
ऑपरेटिंग गतिविधियों/(में) से (उपयोग में) शुद्ध नकदी प्रवाह (A)		91,383.31	(6,579.04)
निवेश गतिविधियों से नकदी प्रवाह संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की खरीद (वृद्धि)/कैपिटल WIP में कमी पूंजीगत व्यय के लिए अग्रिम ऋण और अग्रिम पर ब्याज (वित्त आय) बैंकों के पास जमा राशि पर प्राप्त ब्याज नकद/नकद समकक्षों के अलावा बैंक शेष में वृद्धि/कमी (कमी) नेट कैशप्लो/(इस्तेमाल में) निवेश गतिविधियों (B) स वित्तपोषण गतिविधियों से नगदी प्रवाह इक्विटी शेयर पूंजी के मुद्दे से कार्यवाही (लंबित आवंटन सहित) उधार का भुगतान सूद अदा किया अंतरिम लाभांश का भुगतान किया गया ब्याज भुगतान	3 4 7 22 22 11 15 16 (a) 15 15 25	(23,909.58) 4,876.88 659.49 250.94 6,452.79 (73,810.24) 0.00 0.00 (19,724.00) (10,200.00) (678.19)	(12,951.26) (4,351.29) (652.47) 177.02 2,054.83 998.68 0.00 0.00 (17,763.00) 0.00 0.00
वित्तीय गतिविधियों (/में) से (उपयोग में) शुद्ध नकदी प्रवाह (C)		(30,602.19)	(17,763.00)
नगद और नगद समकक्षों में शुद्ध वृद्धि (A+B+C)		(24,698.61)	(39,066.53)
वर्ष की शुरुआत में नकद और नकद समकक्ष	10	29,710.10	68,776.63
वर्ष के अंत में नकद और नकद समकक्ष	10	5,011.50	29,710.10

सामान्य रिजर्व : रिजर्व इक्विटी के एक घटक से विनियोग द्वारा बनाया गया था यानी अन्य व्यापक आय का एक आइटम नहीं होने के कारण कमाई को दूसरे में बरकरार रखा गया था।
संलग्न नोट इन वित्तीय विवरणों का एक अभिन्न अंग हैं।

कृते मेसर्स कदमावाला एंड कंपनी

चार्टर्ड अकाउंटेंट

FRN: 323212E

यूडीआईएन : 23063654BGPJF2624

स्थान : मुंबई

दिनांक: 31.07.2023

CA राकेश कुमार जैन

सहभागी

M-No- 063654

बी सी गुप्ता

कंपनी सचिव

ईआईआरपीजी 9596

राजेश कुमार

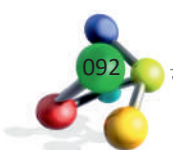
निदेशक(तकनीकी)

सी डीआईएन:09217107

सी के असनानी

अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक

डीआईएन 03497356



यूरेनियम कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड

युसिल द्वारा सीएसआर पहल



सरकारी विद्यालय में स्मार्ट पैनल एवं फर्नीचर की स्थापना कर स्मार्ट क्लासरूम का विकास

युसिल द्वारा सीएसआर पहल

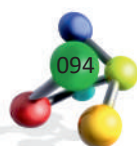


गाँव गोकुल का बास में आर ओ प्लांट की स्थापना सहित निर्माण

युसिल द्वारा सीएसआर पहल



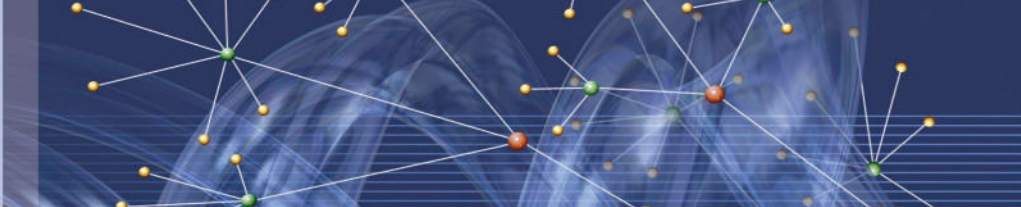
राजस्थान के खंडेला-सीकर रोड पर गोकुल का बास गांव में सार्वजनिक प्रतीक्षालय का निर्माण





यूसीआईएल में ध्वजारोहण समारोह
स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर





अनुपम टाउनशिप में नेस्को सिंथेटिक टेनिस कोर्ट का उद्घाटन 30 अगस्त 2023 को यूसीआईएल के सीएमडी डॉ. सीके असनानी द्वारा। डॉ. बी वेंकटरमन की उपस्थिति में, निदेशक आईजीसीएआर और जीएसओ और अध्यक्ष, केएमसी श्री सुधीर बी शाल्के स्टेशन निदेशक, एमएपीएस एनपीसीआईएल और अध्यक्ष, टीएसी, श्री एस एम बाशा, सचिव डीआई के तकनीकी सलाहकार श्री एन सुरेश एडी ईएसजी आईजीसीएआर और जीएसओ, श्री एच श्रीनिवास रखरखाव अधीक्षक एमएपीएस और अध्यक्ष नेस्को और श्री टी वी प्रभु उपाध्यक्ष नेस्को





30 अक्टूबर 2023 को आरआरसीएटी, इंदौर में होमी भाभा दिवस के उत्सव के दौरान यूसीआईएल के सीएमडी डॉ. सी के असनानी को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। उन्होंने भारतीय परमाणु कार्यक्रम: महान दूरदर्शी डॉ. की रणनीति के अनुरूप शीर्षक पर एक भाषण दिया। होमी जे भाभा”



